

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 75 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 14 नवम्बर 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

डूब रही 3 बहनों को बचाने पहुंचा भाई,चारों की मौत

जेसीबी से डिग्गी तोड़कर निकाले शव; खेलते समय पैर फिसलने से हुआ हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जैसलमेर जिले में डिग्गी में डूबने से तीन बच्चियों और एक युवक की मौत हो गई। मृतकों में तीन सगी बहनें और उनका ममेरा भाई शामिल है। तीनों बच्चियां ननिहाल आई थीं। दोपहर में अपने मामा के बेटे के साथ खेत में खेल रही थीं। इसी दौरान एक बच्ची का पैर फिसल गया और वह डिग्गी में गिर गई। उसे बचाने के लिए दो बहनें और ममेरा भाई पानी में उतर गया। चारों पानी में डूब गए। हादसा सदर थाना क्षेत्र के रूपसी गांव में दोपहर करीब 3 बजे हुआ। हादसे में रूपसी निवासी दिलीप (18) पुत्र अमृतराम भील, सिपला निवासी नारायणराम भील की तीन बेटियां मोरू(16), धीया (14) और माया (12) की मौत हुई है। तीनों बहनें छुट्टियों में अपने ननिहाल रूपसी आई हुई थीं। सदर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।



जेसीबी से खाली की डिग्गी, निकाले शव

हेड कॉन्स्टेबल जेठाराम ने बताया- हादसे के वक्त खेत के आसपास कोई नहीं था। कुछ देर बाद जब परिजनों को बच्चों के डिग्गी में डूबने की जानकारी मिली तो घर में कोहराम मच गया। परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्चों को ढूंढने के लिए पानी में उतर गए। डिग्गी काफी गहरी होने के कारण बच्चों का पता नहीं चल रहा था। जेसीबी बुलाकर डिग्गी तोड़कर पानी निकाला गया इसके बाद चारों बच्चों को डिग्गी से बाहर निकाला गया। परिजन और ग्रामीण बच्चों को लेकर जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चारों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया- नारायणराम भील के परिवार में 3 बेटियों की मौत के बाद अब 3 बेटियां और एक छोटा बेटा रह गया। वहीं अमृतराम के परिवार में बड़े बेटे दिलीप की मौत के बाद एक बेटी और 2 बेटे हैं। दोनों के परिवार खेती करते हैं।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को 5,531 करोड़ का घाटा

पिछले साल 76,170 करोड़ का मुनाफा था, वजह- कच्चे माल की कीमतें बढ़ीं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर में सालाना आधार पर 5,531 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 76,170 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। कंपनी को घाटा होने की मुख्य वजह कच्चे माल की कीमतें बढ़ीं, अतिरिक्त खर्च और जगुआर के पुराने मॉडलों का प्रोडक्शन बंद होना है। हालांकि, कंपनी का रेवेन्यू 34' बढ़कर 96,920 करोड़ पहुंच गया। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 72,349 करोड़ रहा था।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को घाटा होने की वजह

कंपनी के नतीजों पर 6,738 करोड़ के वन-टाइम एक्सेप्शनल चार्ज और लग्जरी यूनिट जगुआर लैंड रोवर (JLR) के रिस्ट्रक्चरिंग खर्च का असर पड़ा है।

कंपनी की ब्रिटिश लग्जरी कार यूनिट JLR छले साल हुए साइबर अटैक से उबरने की प्रक्रिया में है, जिसने प्रोडक्शन और बिक्री को प्रभावित किया था।

इसके साथ ही कंपनी एक रिस्ट्रक्चरिंग प्रोग्राम चला रही है, जिसमें कर्मचारियों के सेपरेशन कॉस्ट और एसेट इम्पेयरमेंट जैसे खर्च शामिल हैं। टाटा मोटर्स की ओवरऑल प्रॉफिटेबिलिटी के लिए JLR का प्रदर्शन हम है। कंपनी पर फिलहाल मार्जिन बहाल करने और कैश जनरेशन में सुधार लाने का दबाव बना हुआ है। गाड़ियां बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमतों में लगातार भारी बढ़ोतरी हुई। इससे कंपनी की प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ गई और मुनाफे पर सीधा असर पड़ा है।

तिमाही के दौरान कंपनी को कुछ अचानक और अतिरिक्त खर्च उठाने पड़े। इन बड़े खर्चों की वजह से कंपनी की बैलेंस शीट और मुनाफे में गिरावट आई। कंपनी की कुल बिक्री में कम मुनाफे वाली गाड़ियों का हिस्सा ज्यादा रहा, जबकि ज्यादा मार्जिन देने वाली गाड़ियों का बैलेंस बिगड़ गया। जिससे कमाई घट गई। दुनिया भर में चल रही उथल-पुथल और अंतरराष्ट्रीय बाजार की सुस्ती का असर JLR की बिक्री पर पड़ा। लग्जरी गाड़ियों की मांग में उतार-चढ़ाव ने कंपनी की मुश्किलें बढ़ाई। कंपनी ने जगुआर के पुराने मॉडलों का प्रोडक्शन धीरे-धीरे बंद कर दिया है। EV मॉडलों के पूरी तरह रफ्तार पकड़ने तक, पुराने मॉडल बंद होने से कारोबार प्रभावित हुआ।

राहुल का आरोप- मोदी मेरा फोन टैप करा रहे

बोले- आमने-सामने बहस करें, तो मोदी PM नहीं रहेंगे; 12 दिन में 7वीं बार दी चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली । राहुल गांधी ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर उनका फोन टैप करने का आरोप लगाया। राहुल ने इंस्टाग्राम पर 'ऑस्क मी' सेशन में मोबाइल दिखाते हुए कहा, विदेशी फंडिंग के सबूत यहां है। पीएम जानते हैं कि वह मेरा फोन टैप करा रहे हैं। उन्होंने फिर बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि मेरे साथ आमने-सामने की बातचीत के बाद मोदी पीएम पद पर नहीं रहेंगे। पिछले 12 दिन में यह सातवीं बार है, जब राहुल ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है।

यूजर ने पूछा- किसको विदेश से मदद मिल रही है, आपको या मोदी को

यूजर का सवालः मोदी कहते हैं कि आपको विदेश से मदद मिल रही है, जबकि आप कहते हैं कि मोदी विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं। इन दोनों दावों के समर्थन में सबूत कहां हैं? राहुल का जवाबः उनके फोन में ही सभी आरोपों के सबूत हैं। वन-ऑन-वन डिबेट से यह साबित हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है, देश विरोधी कौन है और कब से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। राहुल ने यह भी कहा कि ऐसी कई दूसरी जानकारियां उनके पास हैं, जिनके बारे में उन्हें पता है और जो उनके फोन में मौजूद हैं। यूजर का सवालः



भाजपा कह रही है कि बहस संसद में होनी चाहिए, फिर वे पब्लिक डिबेट पर क्यों अड़े हैं? राहुल का जवाबः संसद में कई मुद्दों पर बोलने की कोशिश की, लेकिन मेरा माइक बंद कर दिया जाता है। मुझे किसान कानून, वोट चोरी, सावरकर, चीन, जनरल नरवणे की किताब और एप्स्टीन से जुड़े मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया। मैं संसद में होने वाली भाषणबाजी नहीं, बल्कि पीएम मोदी के साथ आमने-सामने की बहस चाहता हूं। एक टेबल के एक तरफ नरेंद्र मोदी हों और दूसरी तरफ मैं। वे मुझ पर आरोप लगाएं और मैं उन पर। भाजपा अडाणी और मोहन भागवत को जज बनाना



चाहती है, तो उन्हें इससे भी कोई दिक्कत नहीं है। मैं गारंटी देता हूं कि आमने-सामने बहस के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे। यूजर ने पूछाः उन्हें PM मोदी के साथ और किन मुद्दों पर बहस करनी चाहिए राहुल का जवाबः दिल्ली के प्रदूषण और वन-टू-वन बहस की चुनौती पर। दिल्ली का तख्त या बहस का न्योता, मोदी इनमें से किसे ज्यादा नजरअंदाज करेंगे। अगर मोदी बहस के लिए आते हैं, तो उन्हें अपने एयर चैंबर से बाहर निकलकर आम लोगों की तरह सांस लेनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि बहस में मोदी को इन दोनों मुद्दों पर बात करने का मौका मिलेगा।

राहुल बोले- पीएम ने हमें नक्सली कहा, मुझसे बहस करें

राहुल गांधी ने PM मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने सीधे CRPF के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है। प्रिय CRPF के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन चल रहा है। कोई भी समय, किसी भी जगह। मेरी गारंटी है उस बहस के बाद प्रधानमंत्री में एक भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं होगी

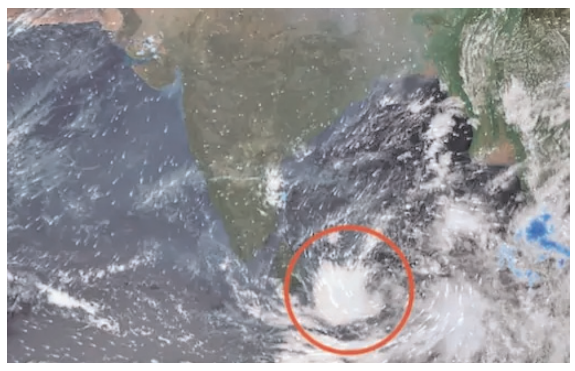
भाजपा ने कहा, राहुल संसद में बहस से भागते हैं

भाजपा नेताओं ने गांधी की चुनौती का मजाक उड़ाया है। आरोप लगाया है कि वह संसद में बहस से भागते रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जहां गांधी प्रधानमंत्री से बहस के लिए जगह चुनने को कह रहे हैं ।

अंडमान सागर में नया चक्रवाती सिस्टम बना ओडिशा, आंध्र में बारिश-तेज हवा चल सकती है; अक्टूबर में एक हफ्ते में दो तूफान आ चुके

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। 14 नवंबर के आसपास इसके कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की संभावना है। इसरो के INSAT-xDS सैटेलाइट ने अंडमान सागर के ऊपर बादलों की तेज गतिविधियों को कैप्चर किया है। यहां कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जिससे नए चक्रवात बनने की आशंका है। अगले 48 घंटे में पता चलेगा कि यह सिस्टम मजबूत होकर आगे बढ़ता है या नहीं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यदि यह और मजबूत होकर चक्रवाती तूफान का



रूप लेता है तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है। इधर, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी जारी है। इसके असर से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई है और सुबह धुंध छाने लगी है। राजस्थान में अगले 2 दिन आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है।

पुलिस ने रखवाया पैसा': तृणमूल विधायक का आरोप, गिरफ्तारी की आशंका से पहुंचे कलकत्ता हाईकोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेटा डिस्क्रिप्शन (हिंदी): टीएमसी विधायक शमीम अहमद ने सरीशा पार्टी दफ्तर से मिले 1.02 करोड़ कैश की CBI जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की। जानें पूरा मामला। Cash Recovery: तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक शमीम अहमद ने शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। उन्होंने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सरीशा में पार्टी कार्यालय से बरामद 1,02,79,000 रुपये नकद की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की है। यह इलाका डायमंड हार्बर पुलिस जिले में आता है। उन्होंने याचिका में आरोप लगाया है कि 5 नवंबर को जब्त की गई रकम पुलिस प्रशासन ने दफ्तर में रखवाई थी।

पुलिस ने खुद रखवाया पैसा

शमीम अहमद दक्षिण 24 परगना की मगराहाट (पश्चिम) सीट से विधायक हैं। वे पूर्व मुख्यमंत्री



ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल के अल्पसंख्यक गुट से जुड़े हैं। उन्होंने याचिका में आरोप लगाया है कि 5 नवंबर को जब्त की गई रकम पुलिस प्रशासन ने दफ्तर में रखवाई थी। इससे पहले डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी राज्य पुलिस पर पैसा रखवाने का आरोप लगाया था। उनका दावा था कि पांच महीने पहले इसी सरीशा दफ्तर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी।

Maharashtra: अहमदनगर में बढ़ा सूखे का संकट, 259 गांवों और 1563 बस्तियों में टैंकर से पहुंच रहा पानी; 5.28 लाख लोग प्रभावित

Ahmednagar Water Crisis: अहमदनगर जिले में सूखे का संकट गहराता जा रहा है। 259 गांवों और 1,563 वाडियों में 298 टैंकरों से 5.28 लाख से ज्यादा लोगों को पेयजल पहुंचाया जा रहा है। पाथर्डी में सबसे ज्यादा 100 टैंकर चल रहे हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई Maharashtra Water Crisis: महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में सूखे का संकट लगातार गहराता जा रहा है। पेयजल की समस्या गंभीर होने के साथ ही टैंकरों की मांग भी दिन-ब-दिन बढ़ रही है। फिलहाल जिले के 259 गांवों और 1,563 वाडियों में 298 टैंकरों के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। इन टैंकरों से करीब 5 लाख 28 हजार 163 लोगों तक पीने का पानी पहुंचाया जा रहा है। जिले के ज्यादातर टैंकर दक्षिणी हिस्से में चल रहे हैं। वहीं उत्तरी क्षेत्र में संगमनेर को छोड़कर राहाता, श्रीरामपुर, कोपरगांव, अकोले और राहुरी तालुका में अभी टैंकर शुरू करने की जरूरत नहीं पड़ी है। इस तरह जिले के अलग-अलग हिस्सों में जल संकट की स्थिति में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है।



पाथर्डी में सबसे ज्यादा टैंकरों की जरूरत

लोकसत्ता की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी जिले में पाथर्डी तालुका जल संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहा है। यहां अकेले 100 टैंकरों के जरिए 78 गांवों और 465 वाडियों में पानी पहुंचाया जा रहा है। करीब 1.75 लाख लोगों को पेयजल के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। जिले में इंसानों के साथ-साथ पशुओं के लिए भी टैंकरों से पानी की आपूर्ति शुरू की गई है।

कर्जत और अहिल्यानगर में भी बड़ी आबादी टैंकर पर निर्भर

कर्जत तालुका में 39 टैंकरों के जरिए 44 गांवों और 309 वाडियों में रहने वाले 78,744 लोगों को पानी पहुंचाया जा रहा है। अहिल्यानगर तालुका में 35 टैंकर 31 गांवों और 182 वाडियों में पानी की आपूर्ति कर रहे हैं। यहां 67,594 लोग टैंकर के पानी पर निर्भर हैं। शेवगांव में 39 गांवों और 227 वाडियों के लिए टैंकर चल रहे हैं और करीब 67,096 लोगों को पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। जामखेड़ में 28 गांवों और 52 वाडियों के लिए 31 टैंकर लगाए गए हैं। इनके जरिए 39,116 लोगों को पानी पहुंचाया जा रहा है।

पारनेर और संगमनेर में भी टैंकरों से जलापूर्ति

पारनेर तालुका में 15 गांवों और 154 वाडियों के लिए 19 टैंकर चल रहे हैं। यहां 41,404 लोगों को टैंकर से पानी मिल रहा है। संगमनेर में 13 गांवों और 22 वाडियों के लिए 13 टैंकर शुरू हैं, जिनसे 20,264 लोगों को पानी की आपूर्ति की जा रही है। श्रीगोंदा में 5 गांवों और 59 वाडियों के लिए 5 टैंकर चल रहे हैं। यहां 14,263 लोग टैंकर के पानी पर निर्भर हैं। नेवासा में 3 गांवों और 19 वाडियों के लिए 2 टैंकर लगाए गए हैं, जिनसे 5,498 लोगों को पानी पहुंचाया जा रहा है।

शहरी इलाकों में भी टैंकरों से पहुंच रहा पानी

जल संकट का असर केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। जिले के कुछ शहरी इलाकों में भी टैंकरों से पेयजल की आपूर्ति शुरू हो चुकी है। पारनेर शहर और आसपास के 30 वार्डों में 13 टैंकरों के जरिए 13,119 लोगों को पानी दिया जा रहा है। वहीं पाथर्डी शहर और 25 वार्डों में 3 टैंकर शुरू हैं, जिनसे करीब 5,000 लोगों को पानी की आपूर्ति की जा रही है। कर्जत शहर और आसपास के 19 वार्डों में 5 टैंकरों के जरिए 5,400 लोगों को पानी पहुंचाया जा रहा है। वहीं शेवगांव शहर और आसपास के 17 वार्डों में 5 टैंकरों से 2,630 लोगों को पानी की आपूर्ति की जा रही है।

37 कुएं और पाइपलाइन टैंकर भरने के लिए अधिग्रहित

जिले में टैंकरों में पानी भरने के लिए 37 कुओं और उनकी पाइपलाइनों का अधिग्रहण किया गया है। इनमें सबसे ज्यादा 10 कुएं और पाइपलाइन जामखेड़ में अधिग्रहित किए गए हैं। जिला प्रशासन ने जल संकट से निपटने के लिए विभिन्न उपाय शुरू किए हैं। हालांकि, जल स्रोत तेजी से सूखने के कारण अब कुछ स्थानों पर बांध से पानी लाकर टैंकरों के जरिए गांवों तक पहुंचाने की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस के विलय पर छगन भुजबल का बड़ा बयान, बोले- दोनों गुट साथ बैठकर फैसला लें, टुकड़ों में नहीं चलेगी बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

Chhagan Bhujbal: राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के विलय की चर्चाओं के बीच छगन भुजबल ने कहा है कि इस पर फैसला दोनों पक्षों को साथ बैठकर लेना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि शरद पवार और अजित पवार के एक साथ आने से पार्टी के पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं को खुशी होगी। राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के विलय को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने कहा कि इस बारे में कोई भी फैसला दोनों पक्षों को मिलकर लेना चाहिए। अभी तक उनके पास विलय को लेकर कोई औपचारिक जानकारी नहीं आई है। वे भी इस मामले में टीवी पर चल रही खबरें ही देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर सुनेत्रा पवार सभी को विश्वास में लेकर अपनी बात रखेंगी।



क्रिकेट मैच का उदाहरण दिया

भुजबल ने कहा कि विलय को लेकर दोनों तरफ से सामूहिक रूप से बातचीत होनी चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि कोई एक नेता बातचीत के लिए जाए और बाकी लोग अलग रहें। उन्होंने क्रिकेट मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि जब टीम के सभी खिलाड़ी साथ बैठते हैं, तभी फैसला सही तरीके से होता है। विलय करना है तो दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर तय करना चाहिए। बीच-बीच में अलग-अलग बातचीत और फिर वापस लौटने का सिलसिला ठीक नहीं है। अजित पवार के महायुति छोड़ने के दावे पर सियासी घमासान, उमेश पाटील बोले- आधिकारिक बयान या पत्र सार्वजनिक करें

तबीयत पूछने जाना गलत नहीं

शरद पवार से अजित पवार गुट के विधायकों की मुलाकात पर भी भुजबल ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वे खुद भी शरद पवार से अस्पताल और उनके घर पर मिलने गए थे। किसी नेता की तबीयत पूछने जाना गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में दो बड़े नेता रहे हैं। एक बाल ठाकरे और दूसरे शरद पवार। दोनों उनके मार्गदर्शक रहे हैं। हालांकि शरद पवार की पार्टी अलग है और वे खुद दूसरे दल में हैं।भुजबल ने कहा कि अगर दोनों पवार एक साथ आते हैं तो पुराने राष्ट्रवादी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को खुशी होगी। उन्होंने याद दिलाया कि शरद पवार के साथ उन्होंने भी राष्ट्रवादी कांग्रेस की स्थापना में अहम भूमिका निभाई थी। उस समय कई नेता कांग्रेस छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस में आने को लेकर असमंजस में थे।

पुराने नेताओं को खुशी होगी

कुछ नेता चार महीने बाद तो कुछ छह महीने बाद पार्टी में शामिल हुए थे। ऐसे में दोनों पवार के साथ आने से पुराने नेताओं को खुशी होगी। उन्होंने कहा कि इसी तरह अगर दोनों शिवसेना एक साथ आती हैं और ठाकरे बंधु साथ होते हैं तो पुराने शिवसैनिकों को भी अच्छा लगेगा। फिलहाल विलय को लेकर चल रही चर्चाओं पर सभी की नजर है और अंतिम फैसला दोनों पक्षों की सामूहिक बातचीत के बाद ही होना चाहिए।

हसीना बोलीं- जनता चाहेगी तो फिर बांग्लादेश की सत्ता संभालूंगी

जान की परवाह नहीं; देश में हिंदू, बौद्ध, ईसाई सुरक्षित नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को कहा है कि अगर जनता चाहेगी तो वे एक बार फिर बांग्लादेश की सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं। न्यूज एजेंसी IANS को दिए इंटरव्यू में हसीना ने कहा कि दिसंबर 2026 में वे बांग्लादेश लौटेंगी। उन्हें गिरफ्तारी या मौत की सजा का डर नहीं है हसीना ने बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

प्रत्यर्पण पर बोलीं- दोनों देशों के रिश्तों पर असर नहीं पड़ेगा

शेख हसीना से उनके प्रत्यर्पण के मामले पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि भारत आजाद देश है। सरकार अपने कानून और प्रक्रिया के हिसाब से फैसला करेगी। मुझे उम्मीद है कि मेरा मामला दोनों देशों के रिश्तों में रुकावट नहीं बनेगा। तारिक रहमान सरकार कई बार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी है। भारत ने प्रत्यर्पण की मांग मिलने की पुष्टि भी की है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि इस मामले की जांच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है।

देश लौटने की बात दोहराई, बोलीं- जान की परवाह नहीं

पूर्व पीएम हसीना से मौत की सजा और गिरफ्तारी को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि लौटते ही गिरफ्तार किया जा सकता है, जेल भेजा जा सकता है या मेरी जान भी ली जा सकती है। लेकिन मैं डरकर पीछे हटने वालों में से नहीं हूं।

मैं तेरे प्यार में क्या-क्या ना बना मीना कभी बना कुत्ता कभी बना कमिना डीएसपी पर आरोप लगाने वाले टंडन तो निकला महान ठगबाज

हेमंत वर्मा राजनांदगांव सुपर एक्सक्लूसिव पड़ताल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव छत्तीसगढ़ कहते हैं जिनके घर शीशे के होते हैं दूसरों के घर पर पत्थर नहीं मारते कहा यह भी जाता हैं सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसुलो से खुशबू आ नहीं सकती कागज की फूलों से कुछ ऐसा ही मामला आया है होटल कारोबारी दीपक टंडन का गौरतलब है कि कारोबारी दीपक टंडन ने डीएसपी कल्पना वर्मा पर आरोप लगाया था कि वह उनके प्यार में अब तक 2 करोड रुपए लूटा चुका है उनको महंगे महंगे गिफ्ट दिए हैं हालांकि वह वन साइड प्यार था अब दीपक टंडन का कर्मकांड परत दर परत उजागर होते जा रहा है दरअसल दीपक टंडन बहुत शातिर किस्म का व्यक्ति है उनके फर्जीवाड़ा के किस्से सामने आ रहे हैं दरअसल दीपक टंडन को डीएसपी कल्पना वर्मा की पापा यानी हेमंत वर्मा ने कुछ पैसे उधार दिए थे जिसे वह टाल मटौल कर रहा था तब कल्पना वर्मा उनसे पैसे वापस करने के लिए उनसे मुलाकात किए वहीं से दीपक टंडन को वन साइड कल्पना वर्मा से प्यार हो गया और वह उस पर करोड़ों रुपया लूटाने का दंभ भरने लगा और इस पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दी कि वह करोड़ों रुपया अब तक उनके प्यार में लुटा चुका है हालांकि गिफ्ट को धनराशि से नहीं जोड़ी जा सकता अब लगातार दीपक टंडन के मामला सामने आने से दीपक टंडन एक्सपोज हो चुके हैं ठगी के ऐसे ऐसे मामले आ रहे हैं कि एक-एक दिन में चार से पांच एफआईआर तक हो रहे हैं कहीं पर फर्जी रजिस्ट्री का मामला तो कहीं पर किसी को नौकरी लगाने के नाम पर पैसे की उगाही यहां तक एएसपी रैंक चार अफसर को ट्रांसफर करने के नाम पर भी इन्होंने लाखों रुपए वसूली अब तक किया है हालांकि एक एएसपी ने उस पर दबाव डालकर अपने पैसे वापस ले लिए लेकिन बाकी तीन एएसपी इनसे पैसा नहीं निकाल पाया इतना बड़ा ठगबाज है दीपक टंडन ठग बाज दीपक टंडन की गिरफ्तारी के बाद उसकी पत्नी बरखा टंडन को भी गिरफ्तार किया गया है और उन्हें जेल भेज दिया गया है पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बरखा के मोबाइल को जप्त किया गया है शुरुआती जांच में पूर्व मंत्री आईपीएस डीएसपी से जुड़ी बातचीत के चैट स्क्रीनशॉट मिले हैं फोटो गैलरी में भी कई लोगों से बातचीत की स्क्रीनशॉट मिले है दूसरी तरफ दीपक टंडन को प्रोटक्शन वारंट को लेकर पुलिस लगातार अलग-अलग लोकेशन पर रायपुर बिलासपुर में पूछताछ कर रही है सवाल बेहद गंभीर है जब दीपक टंडन होटल कारोबारी है तो फिर वह पुलिस के बड़े अधिकारी के रूप में किसी अधिकारी को फोन लगाकर अवैध वसूली आखिर कैसे करता था क्या इन्हें कोई राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है आखिर इतने लंबे समय तक राजधानी में रहकर ठगी की घटना को कैसे अंजाम देता था यह भी सोचने वाली बात है फिलहाल पुलिस उसे कस्टडी में लेकर उनके सारे मामले का खुलासा करने की तैयारी में है फिलहाल इस घटना से यह सबक सिखने को मिलता है इंसान को चादर उतनी ही फैलाने चाहिए जितना उनका पैर हो हेमंत वर्मा की कलम से

गंभीर बोले- 27 ओवर में ऑलआउट होना बड़ी चिंता

वर्ल्ड कप में भी मिल सकते हैं ऐसे हालात, न्यूजीलैंड में पहले 10 ओवर सबसे मुश्किल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट माउंगानुइ गौतम गंभीर 9 जुलाई 2024 को भारत के हेड कोच बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 89 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने बल्लेबाजी को लेकर चिंता जताई है। गंभीर ने कहा कि कम रन बनाना ही सबसे बड़ी परेशानी नहीं है, बल्कि टीम का सिर्फ 26.4 ओवर में ऑलआउट हो जाना ज्यादा चिंताजनक है। अगले साल साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में भी ऐसी परिस्थितियां मिल सकती हैं। न्यूजीलैंड में पारी के शुरुआती 10 ओवर बल्लेबाजी के लिए सबसे मुश्किल होते हैं। यहां बिना विकेट गंवाए 35-40 रन बनाना भी अच्छी शुरुआत है। भारत ने पिछले मैच में भी बारिश से प्रभावित मुकाबले में 135 रन पीछा करते हुए 111 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे में पहले बल्लेबाजी करते हुए 333 रन बनाए। जवाब में भारत 89 रन पर ऑलआउट हो गया गंभीर ने मैच के बाद कहा, जब आप 90 के आसपास ऑलआउट होते हैं, तो चिंता तो होगी ही। मैं चिंतित क्यों नहीं होऊंगा ये ऐसी परिस्थितियां हैं, जो अगले वर्ल्ड कप में मिलने वाले हालात के सबसे करीब होंगी।

'तनुश्री विवाद में नाना पाटेकर ने बहुत दुख झेला'

महेश मांजरेकर बोले- मामले को बेवजह तूल दिया, सेट पर कुछ नहीं हुआ था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अभिनेता और फिल्ममेकर महेश मांजरेकर ने हाल ही में अपने दिवंगत दोस्त और दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर को याद किया। न्यूज18 मराठी से बातचीत में मांजरेकर ने 8 अक्टूबर 2026 को गोवा में हुए नाना पाटेकर के निधन से पहले उनसे आखिरी बार न मिल पाने का अफसोस जताया। इस दौरान उन्होंने साल 2018 के तनुश्री दत्ता विवाद पर भी बयान दिया। मांजरेकर ने दावा किया कि फिल्म 'हॉर्न ओके प्लीज' के सेट पर कुछ भी गलत नहीं हुआ था और उस पुराने मामले को बिना किसी वजह के तूल दिया गया।

'सेट पर मौजूद हर शख्स को मैं जानता था, वहां कुछ नहीं हुआ'

महेश मांजरेकर ने बातचीत में कहा कि वे साल 2008 में आई फिल्म 'हॉर्न ओके प्लीज' के सेट पर मौजूद हर व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से जानते थे। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग ऐसे होते हैं कि अगर सब उनका समर्थन करें और एक व्यक्ति न करे, तो उन्हें पसंद नहीं आता। वे पुरानी बातों को फिर से उठाते हैं। मुझे पता है उस दिन सेट पर क्या हुआ था। वहां मौजूद सभी लोग मेरे परिचित थे और सभी ने मुझे बताया कि सेट पर कुछ भी नहीं हुआ था। इस मामले को बेवजह उछाला गया। '

'नाना ने बिना किसी गलती के बहुत दुख झेला'

विवाद के कारण नाना पाटेकर पर पड़े असर को याद करते हुए मांजरेकर ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में नाना ने बिना किसी कारण बहुत कुछ झेला है। मांजरेकर के मुताबिक, इस तरह की बातों को नजरअंदाज करना चाहिए, लेकिन सोशल मीडिया के दौर में हर किसी की अपनी राय बन जाती है और इसका कोई इलाज नहीं है। बता दें नाना पाटेकर के निधन के बाद अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर फिर से इस विवाद पर बात की थी, जिससे यह मुद्दा दोबारा चर्चा में आ गया। नाना पाटेकर के निधन के बाद तनुश्री दत्ता ने वीडियो शेयर कर फिर से इस विवाद पर बात की थी।

क्या था पूरा मामला?

तनुश्री दत्ता और नाना पाटेकर का विवाद साल 2008 में फिल्म 'हॉर्न ओके प्लीज' की शूटिंग के दौरान शुरू हुआ था। मार्च 2008 में मुंबई के फिल्मिस्तान स्टूडियो में फिल्म के एक गाने की शूटिंग चल रही थी। तनुश्री का आरोप था कि गाने की शूटिंग के दौरान नाना पाटेकर ने डांस स्टेप सिखाने के बहाने उनके करीब आने और गलत तरीके से छूने की कोशिश की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गाने की कोरियोग्राफी में ऐसे अंतरंग स्टेप्स जोड़े गए, जिनसे वह असहज हो गई थीं। विरोध करते हुए तनुश्री ने शूटिंग बीच में छोड़ दी।

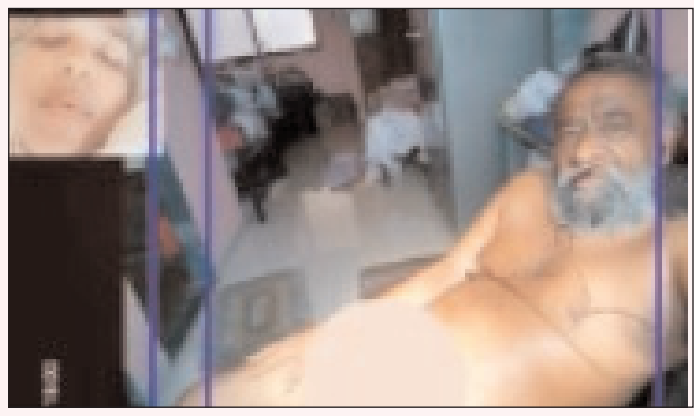
आस्था या अफवाह के नाम पर काला धंधा मंदसौर से पालीताना तक धार्मिक दुनिया में भूचाल:

सागर चंद्र सागर विवाद ने धार्मिक ट्रस्टों की पोल खोल दी है

करोड़ों के चढ़ावे और लिमिट के सवालों पर जनता गुस्से में है

महानगर मेट्रो ब्यूरो





मंदसौर/पालीताना/अहमदाबाद, जैन धर्म की महान परंपरा, जिसे भगवान महावीर स्वामी ने अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और त्याग के पवित्र सिद्धांतों पर स्थापित किया था, आज गंभीर सवालों के काले बादलों में घिरी हुई है। सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हुए कथित WhatsApp चैट, विवादित ऑडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरों ने पूरे जैन समाज और धार्मिक दुनिया में भारी हलचल मचा दी है। यह मामला अब निजी विवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक साधु के जीवन की पवित्र सीमाओं, धार्मिक संस्थाओं के संदिग्ध कामकाज और भोले-भाले भक्तों के पसीने से दिए गए करोड़ों रुपये के दान की पारदर्शिता तक पहुंच गया है!

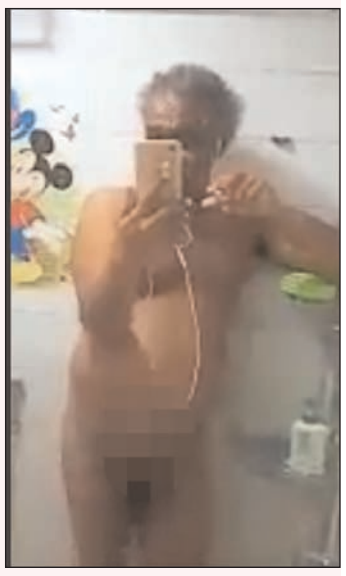
एक साधु के जीवन की सीमाओं पर दाग वायरल चैट और ऑडियो से हंगामा मचा हुआ है। एक साधु का जीवन मतलब है, हर तरह के भ्रम और भोग-विलास से परे, संयम, तपस्या और आत्मा के कल्याण का सबसे ऊंचा रास्ता। लेकिन जब इस पवित्र रास्ते पर चलने वालों पर बहुत गंभीर और शर्मनाक आरोप लगते हैं, तो समाज का बेचैन और गुस्सा होना स्वाभाविक है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित कंटेंट ने कुछ महिलाओं और साध्वियों के साथ विवादित रिश्तों को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे धर्म प्रेमियों को बड़ा झटका लग रहा है। आज सबसे बड़ा और ज्वलंत सवाल यह है कि क्या इस वायरल कंटेंट में कोई कड़वी सच्चाई है या इस डिजिटल युग में मॉडर्न टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल करके कोई बेबुनियाद और बड़ी साजिश रची गई है अगर ये आरोप सिर्फ अफवाहें और बेबुनियाद हैं, तो संबंधित पक्ष को तुरंत सामने आकर स्थिति साफ करनी चाहिए। और अगर कहानियों में सच्चाई है, तो इतनी बड़ी शर्मिंदगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में देरी क्यों हो रही है डिजिटल फोरेंसिक जांच क्यों जरूरी है सच या साज़िश सामने आनी चाहिए

आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मॉर्फिंग टेक्नोलॉजी के ज़माने में, ट्रैफिकर्स और साज़िश करने वालों के लिए किसी भी तरह की फेक चैट, वीडियो और ऑडियो बनाना एक खेल बन गया है। इसलिए इस मामले में बिना किसी भेदभाव के इंडिपेंडेंट और बिना किसी भेदभाव के डिजिटल फोरेंसिक एजेंसियों से गहरी जांच ज़रूरी हो गई है:

बुलेट इन वायरल चैट का असली सोर्स और IP एड्रेस कहाँ है बुलेट वायरल ऑडियो में असल में किसकी आवाज़ है? बुलेट क्या यह किसी संत की इज़्ज़त खराब करने की कोई बड़ी साज़िश है या कुछ काले कामों को छिपाने का खेल इन सभी राज़ों से पर्दा उठना इंसाफ के लिए बहुत ज़रूरी है। समाज अब सिर्फ़ गोलमोल बातें या भरोसा नहीं सुनना चाहता, बल्कि पक्के ज्यूडिशियल या फोरेंसिक सबूतों के साथ सही जवाब चाहता है!

स्पेशल रिपोर्ट करोड़ों के चढ़ावे और करप्शन का हिसाब कौन देगा?

जैन मंदिरों, पुराने तीर्थ स्थलों और धार्मिक संस्थाओं में भोले-भाले और आस्थावान भक्त अपनी गहरी आस्था से करोड़ों रुपये दान में देते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस अकूत दौलत का इस्तेमाल सिर्फ़ धर्म और इंसानियत की सेवा के नाम पर होता है या ट्रस्टियों के निजी खजाने भरने के लिए यह गंभीर सवाल अब एक तीखा मोड़ ले चुका है: बुलेट इंडिपेंडेंट ऑडिट की मांग: देश भर के धार्मिक ट्रस्टों की इनकम और खर्च का किसी सरकारी या इंडिपेंडेंट चार्टर्ड अकाउंटेंट एजेंसी से सख्त ऑडिट क्यों नहीं होता बुलेट बैंक अकाउंट्स और प्रॉपर्टीज़ की जांच: बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन और करोड़ों की प्रॉपर्टीज़ की खरीद के पीछे का पैसा कहां से आता है और क्या इसका कोई हिसाब-किताब है बुलेट पदाधिकारियों की संदिग्ध भूमिका: अभय चोपड़ा जैसे मीडिया कोऑर्डिनेटर और दूसरे ट्रस्टियों की संदिग्ध भूमिका पर सवाल क्यों उठ रहे हैं



भक्तों का दिया गया दान किसी के पुरखों की जागीर नहीं है, बल्कि लाखों लोगों की आस्था का पवित्र ट्रस्ट है! इस ट्रस्ट का हिसाब ट्रांसपेरेंट तरीके से दिया जाना चाहिए। लेक्चर के बॉयकॉट की धमकी: क्या अब जनता जाग गई है हिंदू-जैन समुदाय के कुछ जागरूक लोगों ने खुलकर विरोध किया है और मंदसौर में सागर चंद्र सागर के आने वाले लेक्चर, कैंप और प्रोग्राम का बॉयकॉट करने की धमकी दी है। जनता साफ है कि जब तक दूध का दूध और पानी का पानी न हो जाए, तब तक किसी को भी ऐसे विवादित प्रोग्राम करके पवित्र धर्म की मर्यादाओं से खेलने का हक नहीं है। यह कोई आम या मामूली झगड़ा नहीं है, बल्कि धर्म पर एक जानलेवा चोट है। अगर प्रशासन, पुलिस और धार्मिक संस्थाएं इस मामले पर आंखें मूंद लेती हैं, तो गुस्से की यह आग पूरे गुजरात और देश में फैलने में देर नहीं लगेगी। अब समय आ गया है कि पद, इज्ज़त और प्रतिष्ठा को किनारे रखकर लोगों को सच बताया जाए!

लद्दाख में सोनम वांगचुक पर प्रशासन की कार्रवाई, 60 दिनों तक सार्वजनिक गतिविधियों पर लगाई रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पर्यावरण संरक्षण और संवैधानिक अधिकारों की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच प्रशासन ने पर्यावरणविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के खिलाफ कार्रवाई की है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वांगचुक को एनडीएस मेमोरियल पार्क स्थित प्रदर्शन स्थल से हटा दिया गया है। साथ ही अगले 60 दिनों तक उनकी सार्वजनिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया है। प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। आदेश के तहत सोनम वांगचुक अगले दो महीने तक किसी भी सार्वजनिक प्रदर्शन, धरने, रैली या सभा का आयोजन नहीं कर सकेंगे और न ही इनमें भाग ले सकेंगे। जानकारी के अनुसार, सोनम वांगचुक पिछले कुछ समय से लेह के एनडीएस मेमोरियल पार्क में लद्दाख के पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संस्कृति की सुरक्षा, संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने और पूर्ण राज्य का दर्जा देने जैसी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। प्रशासनिक अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर उन्हें प्रदर्शन स्थल से हटा दिया।

प्रशासन की ओर से इस कार्रवाई को एहतियाती कदम बताया गया है, जबकि वांगचुक के समर्थकों और स्थानीय संगठनों ने इस पर नाराजगी जताई है। समर्थकों का कहना है कि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे आंदोलन पर इस तरह की रोक लगाने से स्थानीय लोगों की मांगों को प्रभावित किया जा सकता है।

इस कार्रवाई के बाद लद्दाख में पर्यावरण संरक्षण और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मुद्दे एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। फिलहाल प्रशासन ने लेह में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और क्षेत्र की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा की अमानवीय व्यवहार उनकी गाड़ी से एक्सीडेंट होने के बाद उन्हें अस्पताल पहुंचना तो दूर अब तक देखने तक नहीं गई माननीया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



हेमंत वर्मा संवाददाता राजनांदगांव छत्तीसगढ़ जनप्रतिनिधि मतलब जनता का प्रतिनिधित्व करना जनता के सुख-दुख में लोगों के साथ खड़े होना ऊपर से जब आप महिला हो तब तो आप में दया धर्म करुणा होनी चाहिए लेकिन यह क्या खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा का एक अमानवीय चेहरा पिछले दिनों देखने को मिला तीन दिन पूर्व दुर्ग जिला के बोरी थाना अंतर्गत मिलन चौक के पास खैरागढ़ जा रही खैरागढ़ की विधायक एक्सयूवी में सवार यशोदा वर्मा के ड्राइवर ने लिटिया तरफ से आ रहे हैं दो लोग जिसमें शिव वर्मा 50 वर्ष हेमंत पटेल 45 बाइक में सवार थे दोनों को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतना भयानक था की गाड़ी के मोटरसाइकिल की परछक्के उड़ गए दोनों ही व्यक्तियों को के अलग अलग हिस्सों में शरीर के बेहद गंभीर चोटे आई है उन्हें प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है लेकिन इस घटना के बाद खैरागढ़ की विधायक महिला विधायक का अमानवीय चेहरा सामने आया है जैसे ही एक्सीडेंट हुआ वह तुरंत ही बाइक से वहां से चलती बनी जबकि उन्हें मानवता दिखाना था अपनी गाड़ी में बैठाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाना था उनका प्रारंभिक उपचार करवाना था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया दूसरी तरफ पुलिस जांच करने की बात कर रही है जबकि नियमानुसार विधायक के खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए विधायक के खिलाफ भी हिट एंड रन का मामला दर्ज होना चाहिए आखिर इनकी एक्सयुवी इतनी रफ्तार क्यों थी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों घायलों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है लेकिन इस सबसे इतर यशोदा वर्मा ने उनसे मिलने जाना तो दूर उनका हाल-चाल जानना भी जरूरी नहीं समझा लोगों में यशोदा वर्मा की व्यवहार को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त है ।

महादेव सट्टा अप आखिरकार भ्रष्ट अफसरों की पोल खुल गई चार अफसरों को सीबीआई का नोटिस एवरीबॉडी इस करप्ट

भगवान शंकर ने पूरी दुनिया को बचाने के लिए हलाहल विष का पान किया लेकिन भ्रष्टाचारियों ने तो महादेव का हीं अमृत पान कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



हेमंत वर्मा राजनांदगांव सुपर एक्सक्लूसिव पड़ताल राजनांदगांव छत्तीसगढ़ पौराणिक काल के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो उसमें 14 प्रकार की रत्न मिले उसी में से एक हलाहल विष भी निकला उस हलाहल विष के प्रभाव से पूरी दुनिया संकट में आ गई थी उस समय भगवान शंकर ने पूरी दुनिया को बचाने के लिए हलाहल विष का पान किया और उसका कंठ नीला पड़ गया उसी दिन से भगवान शंकर नीलकंठ के नाम से भी जाने जाने लगे लेकिन यह क्या भगवान शंकर के नाम पर महादेव सट्टा अप का संचालन किया जाने लगा और इस महादेव रुपी माफ कीजिएगा अमृत का पान क्या ब्यूरोक्रेसी क्या एसपी क्या कलेक्टर क्या राजनेता है सभी ने रसपान किया एवं बहती गंगा में हाथ धोने का काम किया मतलब कुल मिलाकर एवरीबॉडी इस करप्ट दरअसल महादेव सट्टा के मुख्य आरोपी प्रमोटर्स सौरभ चंद्राकर की सीबीआई की कस्टडी कल ही समाप्त हुई और उन्हें आज रायपुर की सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया है जहां से उसे 19 नवंबर तक के लिए हाई सिक्योरिटी सुरक्षा में जेल दाखिल कर दिया गया हालांकि इस बीच रिपोर्ट प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने न्यायालय से गुजारिश की सौरव चंद्राकर को ट्रांजिस्टर रिमांड पर उन्हें सौंपी जाए जिसे न्यायालय ने अस्वीकार कर दिया विधि विशेषज्ञों के अनुसार हालांकि ईडी को सौरव चंद्राकर को सौपना था क्योंकि न्यायालय मामला है उस पर टिप्पणी नहीं की जा सकती गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में तत्कालीन भुपेश सरकार ने सीबीआई को बैन कर दिया गया था जब छत्तीसगढ़ में तमाम तरह के भ्रष्टाचार कोल घोटाला शराब घोटाला और महादेव सट्टा एप जैसी बड़े मामले सामने आने लगे तब सेंट्रल गवर्नमेंट ने ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय को अतिरिक्त शक्ति प्रदान कर छत्तीसगढ़ में एंट्री करने के लिए स्वतंत्र किया और ईडी ने महादेव सट्टा अप की परतदार परत लंबे इन्वेस्टिगेशन अनुसंधान करते हुए एक बड़े-बड़े बागड़ बिल्लाओ का खुलासा किया दिल्ली सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीबीआई यानी सेंट्रल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन महादेव सट्टा अप के प्रमोटर्स सौरव चंद्राकर से लगातार पूछताछ की जिसमें छत्तीसगढ़ के चार आईपीएस रेंक के डां अभिषेक पल्लव प्रशांत अग्रवाल शेख आरिफ आनंद छाबड़ा इन चारों को सीबीआई ने नोटिस दिया है और जल्दी से लंबी पूछताछ की जा सकती है हालांकि ईडी चार्ज शीट में इन चारों अफसरों की भूमिका संदेहास्पद है और इन्हीं चारों अफसरों को पूर्व में ईडी प्रवर्तन निदेशालय से संमंस जारी किया था और इनसे पूछताछ भी हुई थी हालांकि चारों आईपीएस अधिकारी अपनी राजनीतिक पकड़ और सिंडिकेट की वजह से अब तक बचते फिर रहे हैं लेकिन जो की अब मुख्य आरोपी कस्टडी सीबीआई कस्टडी में लिए गए है तो उसी के आधार पर अब चारों आईपीएस अधिकारी को एक बार पुनः नोटिस दिया गया है विश्वसनीय सूत्र से मिली अनुसार इस मामले में कुछ राजनेता भी लपेटे में आ सकते हैं वही बेहद गोपनीय जानकारी के अनुसार कुछ पत्रकार भी सीबीआई के रडार पर है जिस तरीके से पूर्व में ईडी ने महादेव सट्टा अप में इन्वेस्टिगेशन किया था वह कड़ी सीबीआई से मिलती हुई नजर आ रही है मसलन रवि उत्पल ऊपर प्रोटक्शन मनी देने का काम करता था शुभम सोनी मैनेजमेंट का काम देखता था और सौरभ चंद्राकर महादेव सट्टा अप का संचालन करता था वहीं दूसरी ओर र महादेव सट्टा अप का एक प्रमुख में से एक रवि उप्पल को भारत लाने के लिए ईडी ने 400 पन्नों का दस्तावेज तैयार किया है रवि उत्पल के प्रत्यर्पण के लिए केंद्र शासन की नोडल एजेंसी को दस्तावेज सहित भेज दिया गया है रवि उत्पल के भारत लाने से और भी बड़े खुलासा होने की उम्मीद है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस विभाग में पदस्थ एएसआई चंद्र भूषण वर्मा मिडएटर का काम करता था और उन्हें हर महीने करोड़ों रूपया प्रोटक्शन मनी के रूप में अधिकारियों को देने के लिए मिलता था और इसमें कुछ कमीशन काट के वह बड़े अधिकारियों को पैसा भेजता था चंद्र भूषण वर्मा की ठाठ-बाट और उसके एशो-आराम की जिंदगी को देखकर ऐसा लगता था कि वह खानदानी रईस है वह आए दिन गाड़ी बदलता था उनके ठाठ ऐसा था मानो वह कोई बड़ी अधिकारी से कम नहीं था और यह बात प्रवर्तन निदेशालय ईडी की चार्जशीट में दस्तावेज सबूत के तौर पर है और अब सीबीआई की जांच में भी यह स्पष्ट हो गया कि चंद्रभूषण वर्मा को महीने में करोड़ों रुपए मिलता था जिसे वह ठिकाने लगाता था दूसरी तरफ इसी मामले में एक रील बाज का रिपब्लिक भारत के खोजी पत्रकारिता के नाम से मशहूर रिपब्लिक भारत चैनल में एक स्ट्रींग ऑपरेशन सामने आया था जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि हर दो नंबर के काम में सत्ता सरकार का संरक्षण रहता है महादेव सट्टा अप में भी सरकार का संरक्षण है ।

महूडी तीर्थधाम पहुंचे उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, घंटाकर्ण महावीर दादा के चरणों में झुकाया शीश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/महूडी। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने नए साल के पावन अवसर पर प्रसिद्ध जैन तीर्थधाम महूडी का दौरा किया। यहां उन्होंने श्री घंटाकर्ण महावीर दादा के मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान के साथ दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं ने उपमुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। दर्शन के बाद उन्होंने गुजरात के नागरिकों की सुख-समृद्धि और प्रदेश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर में घंटाकर्ण महावीर दादा के चरणों में शीश झुकाकर हर्ष संघवी ने नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नए साल में गुजरात और देश के सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य बना रहे, इसके लिए उन्होंने दादा के चरणों में प्रार्थना की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति और अधिक मजबूत होने तथा प्रत्येक परिवार में खुशहाली बनी रहने की कामना भी की। दर्शन के बाद मीडिया और उपस्थित लोगों से बातचीत के दौरान उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सरकार के विकास संबंधी दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष में राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं का लाभ शहरों के साथ-साथ प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे गांवों तक भी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का संकल्प है। मंदिर परिसर में प्रसिद्ध सुखड़ी का प्रसाद भी ग्रहण किया।

गोंडल चौकड़ी ब्रिज में बड़ा गड्ढा, महज दो साल में निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल; नीचे से गुजर रहा ट्रैफिक, ऊपर चल रहा ब्रिज तोड़ने का काम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर । राजकोट। विकास के दावों और करोड़ों रुपये की लागत से तैयार होने वाली बुनियादी परियोजनाओं की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करने वाला एक मामला राजकोट से सामने आया है। शहर के बेहद व्यस्त और महत्वपूर्ण गोंडल चौकड़ी ब्रिज में बड़ी दरार आने के साथ ही एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर धंस गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस पुल की उम्र कई दशक होनी चाहिए, उसका निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से महज दो साल पहले ही कराया गया था। इतने कम समय में पुल में दरार होने से निर्माण की गुणवत्ता और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजकोट-गोंडल राजमार्ग पर बने इस फ्लाईओवर ब्रिज की कंक्रीट की स्लैब का एक हिस्सा अचानक धंस गया, जिसके चलते वहां बड़ी दरार दिखाई दिया। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित विभाग में हलचल मच गई। करोड़ों रुपये की लागत से महज दो साल पहले तैयार हुए ब्रिज की ऐसी स्थिति देखकर स्थानीय लोगों और वाहन चालकों में नाराजगी है। लोगों का सवाल है कि निर्माण के दौरान गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के अधिकारी क्या कर रहे थे? आखिर इतनी कम अवधि में पुल की स्लैब किस वजह से क्षतिग्रस्त हो गई? इस घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिलजीत दोसांझ के अहमदाबाद कॉन्सर्ट से पहले विवाद, नशे और हिंसा वाले गानों पर रोक लगाने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के 21 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले संगीत कार्यक्रम से पहले विवाद खड़ा हो गया है। जिला बाल संरक्षण इकाई ने कार्यक्रम में बच्चों की सुरक्षा और प्रस्तुत किए जाने वाले गानों की सामग्री को लेकर चिंता जताते हुए अहमदाबाद पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा है। इकाई ने नशे, शराब और हथियारों का महिमामंडन करने वाले गानों पर रोक लगाने सहित कई प्रतिबंध लागू करने की मांग की है। यह कार्रवाई चंडीगढ़ निवासी प्रोफेसर डॉ. पंडितराव धरेनवर की ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर की गई है। पत्र में बताया गया है कि कार्यक्रम में पांच वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को प्रवेश की अनुमति है। ऐसे में गानों की विषयवस्तु, तेज ध्वनि और चमकदार रोशनी का बच्चों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। पत्र में 'पटियाला पेग', '5 तारा ठेके', 'जेब विचों फीम लब्बिया' और हथियारों का उल्लेख करने वाले गीतों पर विशेष आपत्ति जताई गई है। इकाई का कहना है कि शराब, अफीम, नशीले पदार्थों और हिंसा से जुड़े संदेश बच्चों तथा युवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। गीतों के बोल बदलकर प्रस्तुत किए जाने पर भी इनकी विषयवस्तु पर नियंत्रण रखने की मांग की गई है। इसके अलावा कार्यक्रम में 120 डेसीबल से अधिक ध्वनि स्तर और तेजी से चमकने वाली रोशनी के इस्तेमाल पर भी चिंता जताई गई है। पत्र में बच्चों को मंच पर नहीं बुलाने तथा प्रस्तुति के दौरान सीने पर कारतूस या नकली गोलियों जैसी बेल्ट पहनने से परहेज करने की मांग की गई है। इसे हथियार संस्कृति और हिंसा के प्रदर्शन से जोड़कर देखा गया है।

धोलेरा-अहमदाबाद एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, कार पलटने से दंपती की मौत; आठ साल की बेटी गंभीर

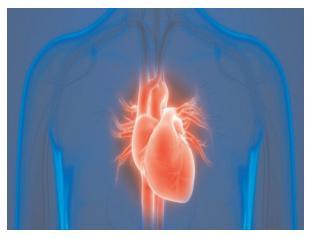
महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। धोलेरा-अहमदाबाद एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। पीपली गांव के पास हुए इस दर्दनाक हादसे में अहमदाबाद के जमालपुर निवासी एक दंपती की मौत हो गई, जबकि उनकी आठ वर्षीय बेटी सहित चार लोग घायल हो गए। बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, परिवार अहमदाबाद से भावनगर की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीपली गांव के पास चालक कार से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि कार में सवार लोग घायल हो गए। हादसे में जमालपुर निवासी नजीरहुसैन मेमन की मौके पर ही मौत हो गई।तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी



हृदय रोग बन रहे खामोश हत्यारे, देश में हर चार मौतों में से एक की वजह दिल की बीमारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। आधुनिक जीवनशैली और भागदौड़ भरी दिनचर्या के बीच हृदय संबंधी बीमारियां देश के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज अध्ययन के आंकड़ों के अनुसार, भारत में होने वाली हर चार मौतों में से कम से कम एक मौत हृदय संबंधी बीमारियों के कारण होती है। इनमें दिल का दौरा और स्ट्रोक प्रमुख कारणों में शामिल हैं। चिंताजनक बात यह है कि अब इन बीमारियों का खतरा केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कम उम्र के युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं।चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, बदलती जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या, अत्यधिक तैलीय भोजन, फास्ट फूड और जंक फूड का सेवन हृदय रोगों के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं। इसके अलावा शारीरिक गतिविधियों की कमी, धूम्रपान, शराब का सेवन और लगातार बना रहने वाला मानसिक तनाव भी दिल की सेहत को प्रभावित करता है। कई बार धमनियों में रुकावट धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और व्यक्ति को इसकी जानकारी तक नहीं होती। ऐसे में अचानक दिल का दौरा पड़ना जानलेवा साबित हो सकता है। युवाओं में कम उम्र में हृदयाघात की बढ़ती घटनाएं भी चिंता का विषय बन रही हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते सावधानी बरतकर हृदय रोगों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग, पर्याप्त नींद और तनाव पर नियंत्रण जरूरी है। समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना भी महत्वपूर्ण है।सीने में दर्द या दबाव, सांस लेने में परेशानी, अचानक चक्कर आना और असामान्य थकान जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। खतरे से बचाव का महत्वपूर्ण रास्ता है।

वडोदरा पर मंडराया जल संकट का खतरा, 20 दिनों में अजवा झील का जलस्तर एक फुट घटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वडोदरा। शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली ऐतिहासिक अजवा झील का जलस्तर तेजी से घटने से आगामी गर्मी में जल संकट की आशंका गहराने लगी है। पिछले 20 दिनों में झील का जलस्तर एक फुट कम हो चुका है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि फरवरी तक जलस्तर में छह फुट तक और गिरावट आ सकती है। ऐसे में गर्मी शुरू होने से पहले ही शहर की जलापूर्ति व्यवस्था पर दबाव बढ़ने की संभावना है।सिंचाई एवं जलापूर्ति विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अजवा झील का वर्तमान जलस्तर 207.60 फुट दर्ज किया गया है। वातावरण में नमी की कमी, लगातार वाष्पीकरण और पानी की बढ़ती मांग को जलस्तर में गिरावट के प्रमुख कारणों में माना जा रहा है।अजवा झील से वडोदरा के पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। जलस्तर लगातार नीचे जाने से प्राकृतिक ढलान के जरिए पानी की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। ऐसी स्थिति में नगर निगम को झील से पानी निकालने के लिए अतिरिक्त क्षमता वाले पंप लगाने पड़ सकते हैं।इसके अलावा शहर की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए नर्मदा नहर से अतिरिक्त 50 एमएलडी पानी खरीदने की भी नौबत आ सकती है। इससे नगर निगम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।संभावित संकट को देखते हुए प्रशासन जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा और जल संरक्षण के उपायों पर ध्यान दे रहा है। पानी की बर्बादी रोकने, पाइपलाइनों में रिसाव की तत्काल मरम्मत और अनावश्यक खपत कम करने की जरूरत है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि गर्मी शुरू होने से पहले जलस्तर में लगातार हो रही गिरावट को रोकने और लाखों नागरिकों की जरूरत पूरी करने के लिए प्रशासन कितनी प्रभावी तैयारी कर पाता है। फिलहाल नागरिकों से भी पानी का समझदारी से उपयोग करने और हर बूंद बचाने की अपील की

अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, लाखों की चोरी की संपत्ति बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी की वारदातों में शामिल एक गिरोह का पर्दाफाश कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह बंद मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी करता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में चोरी की संपत्ति भी बरामद की है।जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद ग्रामीण क्षेत्र में पिछले कुछ समय से मकानों में सेंधमारी और वाहन चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। लगातार हो रही वारदातों से स्थानीय नागरिकों में चिंता का माहौल था। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस प्रमुख के मार्गदर्शन में अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने घटनास्थलों का निरीक्षण करने के साथ तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरों और मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसी दौरान संदिग्धों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान गिरोह की गतिविधियों और चोरी की वारदातों से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की बात कही गई है। जांच में यह भी पता चला है कि गिरोह के सदस्य केवल अहमदाबाद ग्रामीण क्षेत्र तक सीमित नहीं थे, बल्कि आसपास के अन्य जिलों में भी चोरी की वारदातों को अंजाम देने में शामिल होने के संदेह हैं।

छोटा उदेपुर में आदिवासियों के नाम पर करोड़ों के दुरुपयोग का आरोप, बीरसा मुंडा के नाम पर दिखावे से नाराजगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर/नसवाड़ी। आदिवासी अधिकारों और अस्मिता के नाम पर सरकारी धन के कथित दुरुपयोग का मामला छोटा उदेपुर जिले में चर्चा का विषय बन गया है। स्थानीय लोगों और आदिवासी नेताओं ने आरोप लगाया है कि भगवान बीरसा मुंडा के नाम और आदिवासी अधिकारों की आड़ में दिखावटी आयोजन कर जनता की गाढ़ी कमाई से जुटाए गए करोड़ों रुपये के सरकारी धन को बर्बाद किया जा रहा है। इसे लेकर प्रशासन और आयोजन से जुड़े लोगों के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।स्थानीय स्तर पर उठ रहे सवालों के अनुसार, जनकल्याण और आदिवासी विकास के नाम पर योजनाएं तो बनाई जा रही हैं, लेकिन उनका वास्तविक लाभ जरूरतमंद समुदाय तक पहुंच रहा है या नहीं, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। आदिवासी नेताओं का कहना है कि महान क्रांतिकारी भगवान बीरसा मुंडा के नाम का उपयोग केवल औपचारिक आयोजनों या निजी हितों के लिए नहीं होना चाहिए। उनके संघर्ष और विचारों को धरातल पर उतारना जरूरी है।दूसरी ओर, नसवाड़ी क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के अधिकारों को लेकर जनजागरूकता अभियान की तैयारियां शुरू होने की जानकारी सामने आई है। यहां बीरसा मुंडा के उलगुलान यानी महान क्रांति के संदेश के साथ लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने की पहल की जा रही है। स्थानीय युवाओं और जागरूक नागरिकों का कहना है कि आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के लिए स्वयं आवाज उठानी होगी

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर तिहरा हादसा: तेज रफ्तार से दौड़ती एक लग्जरी बस टैंकर से टकराई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/नाडियाड। राज्य के सबसे व्यस्त और तेज रफ्तार अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर एक बार फिर लापरवाही और तेज रफ्तार का भयावह मंजर देखने को मिला है। एक्सप्रेसवे पर हुए एक भीषण तिहरे हादसे में यात्रियों से भरी एक लग्जरी बस आगे चल रहे टैंकर के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस भयावह हादसे में लग्जरी बस में सवार करीब 10 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात जाम हो गया। यह भयावह तिहरा हादसा कैसे हुआ? मिली जानकारी के अनुसार, यात्रियों से भरी एक निजी लग्जरी बस अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे से गुजर रही थी। इसी दौरान, आगे चल रहे वाहनों द्वारा अचानक ब्रेक लगाने या ओवरटेक करने के कारण तीन वाहन आपस में टकरा गए। इस टक्कर में तेज रफ्तार से आ रही लग्जरी बस के चालक ने स्टीयरिंग पर से नियंत्रण खो दिया और बस सीधे आगे चल रहे एक भारी टैंकर के पीछे जा घुसी।

अहमदाबाद में भाजपा पार्षद पर महिला पुलिस अधिकारी से मारपीट और दुर्व्यवहार के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में भाजपा पार्षद और एक महिला पुलिस अधिकारी के बीच विवाद का मामला सामने आने से राजनीतिक और पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। अहमदाबाद नगर निगम की राजस्व समिति के उपाध्यक्ष एवं भाजपा पार्षद विराट पुरोहित पर एक महिला पुलिस उपनिरीक्षक (पीएसआई) ने मारपीट, दुर्व्यवहार और धमकाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में महिला अधिकारी की ओर से वडाज पुलिस थाने में लिखित आवेदन दिए जाने की जानकारी सामने आई है। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी सामने आने का दावा किया जा रहा है।मिली जानकारी के अनुसार, महिला पीएसआई अपनी बेटी के साथ अहमदाबाद में रहती हैं। आरोप है कि पटाखे फोड़ने के दौरान उनकी कार के शीशे टूट गए और वाहन को नुकसान पहुंचा। इस घटना को लेकर जब महिला अधिकारी ने आपत्ति जताई तो विवाद बढ़ गया।महिला पीएसआई का आरोप है कि इसके बाद पार्षद विराट पुरोहित अपने कुछ साथियों के साथ उनके घर पहुंचे और वहां उनके साथ हाथापाई तथा अभद्र व्यवहार किया। बताया जा रहा है कि इस पूरी घटना से जुड़े दृश्य आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए हैं। हालांकि, फुटेज की वास्तविकता और उसमें दिखाई देने वाली गतिविधियों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।इस घटना ने महिला सुरक्षा और पुलिस अधिकारियों की गरिमा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि एक महिला पुलिस अधिकारी को ही अपने घर में इस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो आम महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।मामले में अब पुलिस की जांच और कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं। पार्षद के खिलाफ लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। साथ ही यह भी देखना होगा

जमीन विवाद से परेशान व्यक्ति ने नर्मदा नहर में कूदकर दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दमन। नानी दमन के समुद्र तट पर सूर्यास्त का आनंद लेना एक परिवार के लिए जानलेवा मुसीबत बन गया। दो छोटे बच्चों सहित आठ सदस्यों का एक परिवार समुद्र के बीच स्थित प्राकृतिक टापू पर घूमने गया था। इसी दौरान अचानक ज्वार आने से समुद्र का पानी तेजी से बढ़ने लगा और टापू से किनारे तक लौटने का रास्ता पानी में डूब गया। कुछ ही देर में पूरा परिवार समुद्र के बीच फंस गया। हालांकि, परिवार के सदस्यों ने साहस और सूझबूझ दिखाते हुए सभी आठ लोगों की जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, समुद्र में ज्वार कम होने के कारण पानी पीछे हट गया था। इससे किनारे से कुछ दूरी पर प्राकृतिक टापू जैसा हिस्सा दिखाई देने लगा। सूर्यास्त का नजारा देखने और तस्वीरें लेने के उत्साह में परिवार के सदस्य पैदल ही वहां पहुंच गए। वे प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले रहे थे, तभी समुद्र का मिजाज अचानक बदल गया और तेज लहरों के साथ पानी चारों तरफ फैलने लगा। देखते ही देखते वापसी का रास्ता पूरी तरह जलमग्न हो गया। दो छोटे बच्चों के साथ समुद्र के बीच फंसे परिवार में घबराहट फैल गई। स्थिति की गंभीरता समझते हुए सभी सदस्यों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर और बच्चों को संभालते हुए गहरे पानी से बाहर निकलने का प्रयास शुरू किया। तेज लहरों और पानी के बहाव के बीच आगे बढ़ना बेहद चुनौतीपूर्ण था। सभी आठ सदस्य सुरक्षित किनारे तक पहुंचने में सफल रहे।

सूरत के मोटा वराछा में आधी रात को भीषण आग, पार्किंग में खड़े 15 से अधिक दोपहिया वाहन जलकर राख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर के मोटा वराछा इलाके में आधी रात को एक आवासीय इमारत के पार्किंग स्थल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। गजेरा कुंड के सामने स्थित कृष्णा एवेन्यू इमारत के भूतल पर लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। पार्किंग में खड़े 15 से अधिक दोपहिया वाहन आग की चपेट में आकर जलकर राख हो गए। घटना के दौरान इमारत में रह रहे लोगों में दहशत फैल गई और अपनी जान बचाने के लिए लोग घरों से बाहर निकल आए।जानकारी के अनुसार, घटना के समय अधिकांश निवासी अपने घरों में सो रहे थे। इसी दौरान अचानक पार्किंग क्षेत्र से आग की लपटें उठने लगीं। वहां खड़े वाहनों में आग फैलने के कारण लपटें तेजी से बढ़ती गईं। देखते ही देखते पार्किंग में खड़ी बाइक और स्कूटर आग की चपेट में आ गए। आग से उठे घने धुएं ने इमारत के ऊपरी हिस्सों को भी अपनी चपेट में ले लिया।रात के सन्नाटे में अचानक मची अफरा-तफरी के बीच बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं सहित अनेक निवासी सुरक्षित स्थान की ओर भागे। धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने ऊपरी मंजिलों से मदद के लिए आवाज भी लगाई।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें और पुलिस मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि आग आवासीय फ्लैटों तक नहीं पहुंची और कोई बड़ी जनहानि होने की सूचना नहीं है।आग लगने का वास्तविक कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है। शुरुआती आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। बिजली के तारों की सुरक्षा और पार्किंग स्थलों में आग से बचाव के इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए

छोटा उदेपुर में आदिवासियों के नाम पर करोड़ों के सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप

बीरसा मुंडा के नाम पर दिखावटी आयोजनों से नाराजगी, नसवाड़ी में आदिवासी अधिकारों के लिए 'उलगुलान' की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



छोटा उदेपुर/नसवाड़ी। आदिवासी अधिकारों और अस्मिता के नाम पर सरकारी धन के कथित दुरुपयोग को लेकर छोटा उदेपुर जिले में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय आदिवासी नेताओं और नागरिकों ने आरोप लगाया है कि भगवान बीरसा मुंडा के नाम का सहारा लेकर दिखावटी आयोजन किए जा रहे हैं और जनकल्याण के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई से जुटाए गए करोड़ों रुपये के कर राजस्व का दुरुपयोग हो रहा है। इसे लेकर प्रशासन और आयोजनकर्ताओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि आदिवासी अधिकारों की रक्षा और विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनकी वास्तविक स्थिति और योजनाओं के लाभ को लेकर पारदर्शिता का अभाव है। उनका कहना है कि भगवान बीरसा मुंडा जैसे महान क्रांतिकारी के नाम का इस्तेमाल केवल औपचारिक आयोजनों या निजी हितों के लिए नहीं होना चाहिए। उनके संघर्ष, विचारों और आदिवासी समाज के अधिकारों को वास्तविक रूप से आगे बढ़ाने की जरूरत है।दूसरी ओर, नसवाड़ी क्षेत्र में आदिवासी समुदाय को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए जनचेतना अभियान की तैयारियां शुरू होने की जानकारी सामने आई है। भगवान बीरसा मुंडा के उलगुलान यानी महान क्रांति के संदेश के साथ समाज को संगठित करने और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का आह्वान किया जा रहा है। स्थानीय युवाओं और जागरूक नागरिकों का कहना है कि अब आदिवासी समाज को किसी के बहकावे में आए बिना अपने अधिकारों और न्याय के लिए एकजुट होना होगा। इस पूरे घटनाक्रम से जिले में सामाजिक और राजनीतिक बहस तेज हो गई है। आने वाले दिनों में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की संभावना भी जताई जा रही है। अब बड़ा सवाल यह है कि आदिवासियों के नाम पर खर्च होने वाले करोड़ों रुपये का हिसाब कौन देगा और योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों तक उनका फायदा पहुंचना कैसे सुनिश्चित होगा? हालांकि, गबन और सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि तथा स्वतंत्र जांच होना बाकी है।

गुरु पर्व पर आबूरोड में होंगे धार्मिक आयोजनः15 से 24 नवंबर तक प्रभात फेरी, कीर्तन और लंगर होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो



आबूरोड/सिरोही ,।आबूरोड में गुरु नानक देव जी के 557वें गुरु पर्व पर गुरुद्वारे में कई आयोजन होंगे। इस दौरान सुबह 5 बजे श्री सुखमणि साहिब का पाठ किया जाएगा। 15 से 21 नवंबर तक सुबह 5 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। 22 और 23 नवंबर को सुबह 9 से 10 बजे और रात 8 बजे से कीर्तन होगा। इसमें गुरमीत सिंह भजन प्रस्तुत करेंगे।24 नवंबर को सुबह 9 बजे ज्ञानी हरनाम सिंह और गुरमीत सिंह कीर्तन समागम करेंगे। दोपहर में सहज पाठ साहिब के भोग के बाद लंगर होगा। समाज और शहर के लोग लंगर में प्रसादी ग्रहण करेंगे।

घर के आंगन में निकला 13 फीट लंबा अजगर, मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



आबूरोड। रीको कॉलोनी के पीछे स्थित एक घर के आंगन में अचानक 13 फीट लंबा अजगर दिखाई देने से लोगों में हड़कंप मच गया। अजगर को देखकर घर के सदस्यों और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने काफी सावधानी से अजगर को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, घर के आंगन में विशाल अजगर दिखाई देने के बाद स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू टीम के सदस्य चिंटू यादव को सूचना दी। इसके बाद टीम के सदस्य मौके पर पहुंचे और अजगर को पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। रेस्क्यू अभियान के दौरान टीम की सबसे कम उम्र की सदस्य यशस्वी सेन ने करीब 20 किलोग्राम वजनी अजगर को सावधानीपूर्वक पकड़कर आंगन से बाहर निकाला। इसके बाद टीम के अन्य सदस्यों की मदद से उसे बोरे में सुरक्षित रखा गया। बाद में वन विभाग के अधिकारी बाबू सिंह सिसोदिया के नेतृत्व और मार्गदर्शन में अजगर को आबू के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। रेस्क्यू टीम की तत्परता से अजगर को बिना नुकसान पहुंचाए प्राकृतिक वातावरण में पहुंचाया जा सका।

लगातार 13 दिन ड्यूटी से परेशान अस्पताल कर्मचारी ने की आत्महत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो



कोटा। जेके लोन अस्पताल में कार्यरत ईसीजी तकनीशियन सतीश कुमार चांदसी ने लगातार ड्यूटी और कथित मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर अपने घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। मृतक के कमरे से मिले सुसाइड नोट में 13 दिनों तक लगातार ड्यूटी करवाने और विरोध करने पर नौकरी खराब करने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।जानकारी के अनुसार, सुबह पत्नी पूजा ने अपने पीहर से सतीश को फोन किया, लेकिन कई बार फोन करने के बावजूद उसने जवाब नहीं दिया। इस पर पत्नी ने पड़ोस में रहने वाली अपनी बड़ी बहन को घर जाकर देखने के लिए कहा। बहन जब घर पहुंची तो मुख्य द्वार खुला हुआ था। अंदर जाने पर सतीश फंदे से लटका मिला।परिजन उसे तत्काल फंदे से उतारकर एमबीएस अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन शव लेकर जेके लोन अस्पताल पहुंचे और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।मृतक के साले सूरज ने बताया कि सतीश लगातार ड्यूटी लगाए जाने से परेशान थे। उनके साथ काम करने वाले अन्य कर्मचारियों के छुट्टी पर होने के कारण उनकी लगातार रात्रिकालीन ड्यूटी लगाई जा रही थी। उन्होंने अधिकारियों से किसी अन्य कर्मचारी की ड्यूटी लगाने की मांग की थी, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। आरोप है कि शिकायत करने पर उन्हें नौकरी छोड़ने और नौकरी खराब करने की धमकी दी गई।सुसाइड नोट में अस्पताल अधीक्षक समेत तीन लोगों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं। अब मामले में परिजनों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आरोपों की जांच और जिम्मेदारों की भूमिका स्पष्ट होना बाकी है।

कोटा-रतलाम के बीच नई मेमू ट्रेन को मंजूरी, राजस्थान-मध्यप्रदेश के यात्रियों को मिलेगी राहत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

चौमहला (झालावाड़)। राजस्थान और मध्यप्रदेश के रेल यात्रियों के लिए राहतभरी खबर है। कोटा से रतलाम के बीच नई मेमू ट्रेन के संचालन को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। लंबे समय से इस रेलमार्ग पर नियमित यात्री ट्रेन चलाने की मांग की जा रही थी। नई ट्रेन शुरू होने से दोनों राज्यों के यात्रियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलने की उम्मीद है। झालावाड़ सांसद दुष्यंत सिंह और उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया इस ट्रेन के संचालन के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। दोनों सांसदों की पहल के बाद रेल मंत्रालय ने इसे स्वीकृति प्रदान की है। इस ट्रेन से रामगंजमंडी, भवानीमंडी, शामगढ़, सुवासरा, चौमहला, विक्रमगढ़ आलोट और महिदपुर रोड सहित कई स्टेशनों के यात्रियों को लाभ मिलेगा। विशेष रूप से नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम यात्रियों को राहत मिलेगी। कोटा-रतलाम मार्ग पर दोपहर से अगली सुबह तक साधारण यात्री ट्रेन की सुविधा सीमित होने के कारण लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। रतलाम आसपास के क्षेत्रों के लिए खरीदारी और व्यापार का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में नई मेमू ट्रेन से यात्रियों के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।हालांकि, रेलवे ने अभी ट्रेन शुरू होने की तारीख और समय-सारिणी घोषित नहीं की है। यात्रियों को अब इसके नियमित संचालन का इंतजार है।

सुरक्षाकर्मी ने बताया 10 हजार रुपए तक जुर्माने का प्रावधान, अधीक्षक बोलीं- शैक्षणिक शूटिंग पर 5 हजार और व्यावसायिक शूटिंग पर 10 हजार रुपए शुल्क

जंतर-मंतर में ट्राइपॉड से वीडियो बनाने पर रोक, अमेरिकी क्रिएटर हुआ हैरान

महानगर मेट्रो ब्यूरो





जयपुर। ऐतिहासिक धरोहर जंतर-मंतर में कैमरे से वीडियो रिकॉर्डिंग को लेकर लागू नियम उस समय चर्चा में आ गया, जब वहां घूमने पहुंचे एक अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर को ट्राइपॉड लगाकर वीडियो बनाने से रोक दिया गया। सुरक्षाकर्मी ने उन्हें बताया कि ट्राइपॉड से शूटिंग करने के लिए अनुमति लेना जरूरी है और नियमों का उल्लंघन करने पर 10 हजार रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद स्मारकों में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के नियमों को लेकर बहस शुरू हो गई है। सोशल मीडिया पर जेक एक्सप्लेन्स (Jake E&plains) नाम से पहचाने जाने वाले अमेरिकी क्रिएटर शुक्रवार को जंतर-मंतर पहुंचे थे। वे परिसर में मौजूद विशाल सूर्य घड़ी की रिकॉर्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान सुरक्षा कर्मचारी ने उन्हें ट्राइपॉड पर कैमरा लगाकर शूटिंग करने से रोक दिया और अनुमति लेने की जानकारी दी। इस पर जेक ने हैरानी जताते हुए सवाल उठाया कि जब पर्यटक मोबाइल से तस्वीरें और सेल्फी ले सकते हैं, तो ट्राइपॉड पर कैमरा लगाकर वीडियो बनाने पर प्रतिबंध क्यों है? उन्होंने इस नियम को अपने देखे सबसे अजीब नियमों में से एक बताया। बाद में उन्होंने एक भारतीय पर्यटक से कैमरा पकड़ने का अनुरोध किया और बिना ट्राइपॉड के रिकॉर्डिंग जारी रखी। जेक ने अपने वीडियो में जंतर-मंतर के ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि यहां करीब 300 साल पुरानी विशाल सूर्य घड़ी मौजूद है। महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा 18वीं शताब्दी में निर्मित इस वेधशाला में खगोलीय गणनाओं और समय मापन के लिए 19 यंत्र बनाए गए हैं। यहां स्थित सम्राट यंत्र दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की सूर्य घड़ियों में शामिल है। जंतर-मंतर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी स्थान प्राप्त है। न जंतर-मंतर की अधीक्षक प्रतिभा यादव के अनुसार, ट्राइपॉड के माध्यम से शूटिंग करने के लिए अनुमति लेना आवश्यक है। शैक्षणिक उद्देश्य से स्थिर चित्र लेने पर 5 हजार रुपए और व्यावसायिक शूटिंग के लिए 10 हजार रुपए शुल्क निर्धारित है। मोबाइल से सामान्य फोटोग्राफी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उनके अनुसार ट्राइपॉड से शूटिंग को व्यावसायिक शूटिंग की श्रेणी में माना जाता है। राजस्थान स्मारक, पुरावशेष स्थान तथा प्राचीन वस्तु नियम, 1968 के तहत 8 मिमी तक के सिनेमैटोग्राफ कैमरों के लिए लाइसेंस की आवश्यकता नहीं बताई गई है, जबकि इससे अधिक क्षमता वाले कैमरों से शूटिंग के लिए लाइसेंस जरूरी है। अब इस घटना के बाद सवाल उठ रहा है कि ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए बनाए गए नियमों और आम पर्यटकों की सुविधाओं के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए, ताकि विरासत की सुरक्षा भी हो और उसे दुनिया के सामने दिखाने की कोशिशों में अनावश्यक परेशानी भी न आए।

भतीजी की लव मैरिज से नाराज चाचा ने रची हत्या की साजिश, पति बना निशाना'आटा-साटा' प्रथा के तहत तय रिश्ता तोड़कर लक्ष्मण से की थी शादी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सिरोही। अनादरा गांव में 9 नवंबर की रात लक्ष्मण घांची की हत्या के मामले में पारिवारिक रंजिश और 'आटा-साटा' प्रथा से जुड़ा विवाद सामने आया है। मामले का मुख्य आरोपी मृतक की पत्नी नीरू का चाचा शंकरलाल बताया जा रहा है। सामने आई जानकारी के अनुसार, आरोपियों का निशाना लक्ष्मण नहीं, बल्कि उसकी पत्नी नीरू थी। हालांकि, वारदात में लक्ष्मण की हत्या हो गई।बताया जा रहा है कि नीरू के पिता का निधन होने के बाद उसके चाचा शंकरलाल ने ही उसका पालन-पोषण किया था। शंकरलाल अपने बड़े बेटे कमलेश का घर बसाने के लिए 'आटा-साटा' प्रथा के तहत नीरू की शादी करना चाहता था। कमलेश की सगाई तय होने के साथ ही उसने कमलेश के साले के साथ नीरू का रिश्ता भी तय कर दिया था।योजना के मुताबिक पहले कमलेश की शादी हो गई, लेकिन नीरू को अपने लिए तय किया गया रिश्ता मंजूर नहीं था। उसने इस शादी से साफ इनकार कर दिया और तय सगाई तोड़ दी।इसके बाद नीरू ने 28 मार्च 2026 को लक्ष्मण कुमार के साथ प्रेम विवाह कर लिया। शादी के बाद दोनों सूरत चले गए, जहां लक्ष्मण का कृत्रिम आभूषणों का कारोबार था। इस फैसले से चाचा शंकरलाल नाराज हो गया और उसने थाने में नीरू की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।पुलिस ने जांच के बाद दोनों को दस्तयाब किया। नीरू के बालिग होने और अपनी मर्जी से शादी करने के बयान के आधार पर 30 मार्च को उसे लक्ष्मण के साथ भेज दिया गया। इसके बाद भी चाचा और उसके बेटों ने नीरू को घर लौटने के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपने फैसले पर कायम रही।बताया जा रहा है कि इस घटनाक्रम से चाचा और उसके बेटों की नाराजगी लगातार बढ़ती गई। इसी रंजिश के चलते 9 नवंबर की रात लक्ष्मण की हत्या की वारदात को अंजाम दिए जाने का आरोप है। इस मामले ने एक बार फिर सवाल खड़ा किया है कि बालिग युवती के अपनी पसंद से विवाह करने के फैसले को लेकर परिवार में इतनी गहरी दुश्मनी आखिर क्यों पैदा हुई कि मामला हत्या तक पहुंच गया।

जयपुर में बेकाबू ट्रोले का कहर, पांच वाहनों को मारी टक्कर; दो लोगों की मौत, छह घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रोले ने जमकर कहर बरपाया। 14 नंबर के पास अनियंत्रित ट्रोला मुख्य मार्ग से सर्विस लेन में जा घुसा और एक के बाद एक पांच वाहनों को टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब छह लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी फैल गई।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रोला दौलतपुरा टोल की ओर से अजमेर रोड की तरफ जा रहा था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रोला सर्विस लेन में घुस गया। वहां उसने दो कारों, एक स्कूटी और एक पिकअप सहित पांच वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे में एक व्यक्ति ट्रोले के पहिए के नीचे फंस गया, जबकि दूसरा कार में बुरी तरह फंस गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में घायल करीब छह लोगों को एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।हादसे के बाद ट्रोला चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही विश्वकर्मा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है। इसके लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों और ट्रोले को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराने की कार्रवाई शुरू की है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

कभी सिंचाई के बाद खेत में जम जाती थी नमक की सफेद परत, अब मीठे पानी की खोज ने बदली खेती की तस्वीर

MBA किसान ने खेत में बोया 12 करोड़ का सपना, खारी जमीन में उगा रहे मूंगफली

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। खेती को घाटे का सौदा मानकर छोड़ चुके परिवार के लिए एक युवा किसान ने नई उम्मीद जगाई है। सांभर झील के नजदीक स्थित नागौरपुरा गांव में कभी खारे पानी के कारण खेत की जमीन पर नमक की सफेद परत जम जाती थी। हालात ऐसे थे कि बारिश के मौसम के अलावा सरसों और जौ जैसी सीमित फसलें ही हो पाती थीं। परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए पिता को सांभर झील में नमक भरने का काम करना पड़ता था। लेकिन अब इसी जमीन पर मूंगफली की खेती के साथ सफेद चंदन के पौधे लगाकर भविष्य की बड़ी योजना तैयार की जा रही है। जयपुर से करीब 75 किलोमीटर दूर नागौरपुरा गांव के गणेश लाल (40) शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं। चार भाइयों में दूसरे नंबर के गणेश लाल ने कम उम्र में शादी के बाद परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं। गांव में रोजगार और खेती की संभावनाएं कम होने के कारण उन्होंने शहर का रुख किया। पढ़ाई के साथ मजदूरी की और शिक्षा क्षेत्र में काम करते हुए वर्ष 2018 में एमबीए की पढ़ाई पूरी की। निजी नौकरी के बावजूद उनका मन गांव और पुश्तैनी जमीन से जुड़ा रहा।

20 फीट की गहराई में मिला मीठा पानी

गणेश लाल के अनुसार, उनका खेत सांभर झील से करीब आधा किलोमीटर दूर है। झील की नजदीकी के कारण जमीन में खारा पानी होने की धारणा बन गई थी। कुएं में करीब 15 फीट पर पानी उपलब्ध था, लेकिन वह सिंचाई के लायक नहीं था। खारे पानी से सिंचाई करने पर खेत में नमक की परत जम जाती थी। कोरोना काल के दौरान पानी की टंकी बनाने के लिए गड्ढा खोदा गया तो करीब 20 फीट की गहराई पर मीठा पानी निकल आया। इस खोज ने खेती की संभावनाओं को बदल दिया। गणेश लाल ने निजी नौकरी के साथ खेती में नए प्रयोग शुरू किए और दो साल पहले पहली बार मूंगफली की फसल लगाई।

तीन बीघा में लगाए सफेद चंदन के 300 पौधे

खेती के साथ लंबी अवधि की आमदनी का रास्ता तलाशते हुए गणेश लाल को सफेद चंदन की खेती का विचार आया। उन्होंने तीन बीघा जमीन में सफेद चंदन के करीब 300 पौधे लगाए हैं। उनका अनुमान है कि उचित देखभाल और अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर 15 साल बाद इन पौधों से करीब 12 करोड़ रुपये की आय हो सकती है। गणेश लाल इस योजना को नौकरी से सेवानिवृत्ति से पहले किया गया दीर्घकालीन निवेश मानते हैं। जिस जमीन को कभी खारे पानी के कारण अनुपयोगी समझा जाता था, उसी पर अब नए कृषि प्रयोगों के जरिए आर्थिक भविष्य संवारने की कोशिश हो रही है। हालांकि, चंदन से होने वाली अनुमानित कमाई पौधों की वृद्धि, बाजार भाव और भविष्य की परिस्थितियों पर निर्भर करेगी।

युवती का अपहरण कर दुष्कर्म, चाकू दिखाकर लूटे गहने और नकदी

चार बदमाशों पर वारदात का आरोप, कार से धक्का देकर सुनसान रास्ते पर छोड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले के पिंडवाड़ा थाना क्षेत्र में एक युवती के अपहरण, दुष्कर्म और लूट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की रिपोर्ट के अनुसार, कार सवार चार युवकों ने उसे चाकू दिखाकर जबरन गाड़ी में बैठाया और सुनसान स्थान पर ले गए। आरोप है कि इनमें से एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया, जबकि अन्य तीन ने चाकू की धमकी देकर उसके सामान और नकदी लूट ली।पुलिस को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, युवती गुजरात से आई थी। वह पिंडवाड़ा पंचायत समिति से ऑटो में बैठकर झाड़ोली के लिए रवाना हुई। झाड़ोली बस स्टैंड से उसने दूसरा ऑटो लिया। करीब सात-आठ किलोमीटर आगे एक गांव में उतरने के बाद वह दूसरी गाड़ी का इंतजार कर रही थी।इसी दौरान काले रंग की कार में सवार चार युवक वहां पहुंचे और उसे घेर लिया। आरोप है कि बदमाशों ने चाकू दिखाकर उसे जबरन कार में बैठा लिया और सुनसान जगह ले गए। वहां एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के रोने और चिल्लाने के बावजूद आरोपी नहीं रुके।इसके बाद तीन अन्य आरोपियों ने चाकू दिखाकर युवती की सोने की नथ, चांदी का कंदोरा, स्मार्टफोन, खरीदे हुए कपड़े और करीब 8 से 10 हजार रुपए नकद छीन लिए। वारदात के बाद आरोपी उसे चलती कार से धक्का देकर नीचे गिराकर पिंडवाड़ा की ओर फरार हो गए।पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

माउंट आबू से लौट रहे राजकोट के पर्यटकों की मिनी बस का भीषण हादसा

डिवाइडर से टकराकर खाई में पलटी बस 6 से अधिक यात्री घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

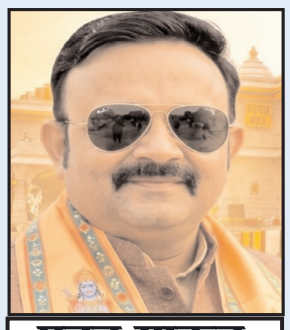
आबू रोड/राजकोट। राजस्थान के पर्यटन स्थल माउंट आबू की सैर करके खुशी-खुशी अपने घर राजकोट लौट रहे पर्यटकों की मिनी बस आबू रोड के पास भीषण हादसे का शिकार हो गई। आबू रोड सदर थाना क्षेत्र में शनि मंदिर के पास चालक का बस से नियंत्रण हटने के कारण मिनी बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई और सड़क किनारे स्थित खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में बस में सवार राजकोट के 6 से अधिक यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार शुरू हो गई।जानकारी के अनुसार, राजकोट के पर्यटकों का एक समूह मिनी बस से माउंट आबू घूमने गया था। पर्यटन यात्रा पूरी करने के बाद सभी लोग वापस राजकोट लौट रहे थे। इसी दौरान आबू रोड सदर थाना क्षेत्र में शनि मंदिर के पास अचानक बस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके चलते बस तेज गति से डिवाइडर से टकराई और टक्कर के बाद पलटकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसा इतना अचानक हुआ कि बस में बैठे यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। दुर्घटना के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई और मौके पर चीख-पुकार मच गई।हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग और स्थानीय वाहन चालक तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान आबू रोड के मुखरी माता टैक्सी यूनियन के चालकों ने तत्परता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू किया। टैक्सी चालकों और स्थानीय लोगों ने बिना देर किए खाई में गिरी बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास किया। सभी ने मिलकर घायलों और अन्य यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। काफी मदद मिली।



सम्पादकीय

आस्था या अफवाह के नाम पर काला धंधा?
मंदसौर से पालीताना तक धार्मिक दुनिया में भूचाल

जैन धर्म की महान परंपरा, जिसे भगवान महावीर स्वामी ने अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और त्याग के पवित्र सिद्धांतों पर स्थापित किया था, आज गंभीर सवालों के काले बादलों में घिरी हुई है। सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हुए कथित ह्रुद्धड्डह्लह्वश्वश्च चैट, विवादित ऑडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरों ने पूरे जैन समाज और धार्मिक दुनिया में भारी हलचल मचा दी है। यह मामला अब निजी विवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक साधु के जीवन की पवित्र सीमाओं, धार्मिक संस्थाओं के संदिग्ध कामकाज और भोले-भाले भक्तों के पसीने से दिए गए करोड़ों रुपये के दान की पारदर्शिता तक पहुंच गया है!



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

एक साधु के जीवन की सीमाओं पर दाग? वायरल चैट और ऑडियो से हंगामा मचा हुआ है। एक साधु का जीवन मतलब है, हर तरह के भ्रम और भोग-विलास से परे, संयम, तपस्या और आत्मा के कल्याण का सबसे ऊंचा रास्ता। लेकिन जब इस पवित्र रास्ते पर चलने वालों पर बहुत गंभीर और शर्मनाक आरोप लगते हैं, तो समाज का बेचैन और गुस्सा होना स्वाभाविक है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित कंटेंट ने कुछ महिलाओं और साध्वियों के साथ विवादित रिश्तों को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं,

जिससे धर्म प्रेमियों को बड़ा झटका लग रहा है। आज सबसे बड़ा और ज्वलंत सवाल यह है कि क्या इस वायरल कंटेंट में कोई कड़वी सच्चाई है या इस डिजिटल युग में मॉडर्न टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल करके कोई बेबुनियाद और बड़ी साजिश रची गई है? अगर ये आरोप सिर्फ अफवाहें और बेबुनियाद हैं, तो संबंधित पक्ष को तुरंत सामने आकर स्थिति साफ करनी चाहिए। और अगर कहानियों में सच्चाई है, तो इतनी बड़ी शर्मिंदगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में देरी क्यों हो रही है? डिजिटल फोरेंसिक जांच क्यों जरूरी है? सच या साज़िश सामने आनी चाहिए

आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मॉर्फिंग टेक्नोलॉजी के ज़माने में, ट्रैफिकर्स और साज़िश करने वालों के लिए किसी भी तरह की फेक चैट, वीडियो और ऑडियो बनाना एक खेल बन गया है। इसलिए इस मामले में बिना किसी भेदभाव के इंडिपेंडेंट और बिना किसी भेदभाव के डिजिटल फोरेंसिक एजेंसियों से गहरी जांच ज़रूरी हो गई है:

बुलेट इन वायरल चैट का असली सोर्स और IP एड्रेस कहाँ है?

बुलेट वायरल ऑडियो में असल में किसकी आवाज़ है?

बुलेट क्या यह किसी संत की इज़्ज़त खराब करने की कोई बड़ी साज़िश है या कुछ काले कामों को छिपाने का खेल?

इन सभी राज़ों से पर्दा उठना इंसाफ के लिए बहुत ज़रूरी है। समाज अब सिर्फ़ गोलमोल बातें या भरोसा नहीं सुनना चाहता, बल्कि पक्के ज्यूडिशियल या फोरेंसिक सबूतों के साथ सही जवाब चाहता है!

स्पेशल रिपोर्ट: करोड़ों के चढ़ावे और करप्शन का हिसाब कौन देगा?

जैन मंदिरों, पुराने तीर्थ स्थलों और धार्मिक संस्थाओं में भोले-भाले और आस्थावान भक्त अपनी गहरी आस्था से करोड़ों रुपये दान में देते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस अकूत दौलत का इस्तेमाल सिर्फ़ धर्म और इंसानियत की सेवा के नाम पर होता है या ट्रस्टियों के निजी खजाने भरने के लिए? यह गंभीर सवाल अब एक तीखा मोड़ ले चुका है:

बुलेट इंडिपेंडेंट ऑडिट की मांग: देश भर के धार्मिक ट्रस्टों की इनकम और खर्च का किसी सरकारी या इंडिपेंडेंट चार्टर्ड अकाउंटेंट एजेंसी से सख्त ऑडिट क्यों नहीं होता?

बुलेट बैंक अकाउंट्स और प्रॉपर्टीज़ की जांच: बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन और करोड़ों की प्रॉपर्टीज़ की खरीद के पीछे का पैसा कहां से आता है और क्या इसका कोई हिसाब-किताब है?

बुलेट पदाधिकारियों की संदिग्ध भूमिका: अभय चोपड़ा जैसे मीडिया कोऑर्डिनेटर और दूसरे ट्रस्टियों की संदिग्ध भूमिका पर सवाल क्यों उठ रहे हैं?

भक्तों का दिया गया दान किसी के पुरखों की जागीर नहीं है, बल्कि लाखों लोगों की आस्था का पवित्र ट्रस्ट है! इस ट्रस्ट का हिसाब ट्रांसपेरेंट तरीके से दिया जाना चाहिए।

लेक्चर के बॉयकॉट की धमकी: क्या अब जनता जाग गई है? हिंदू-जैन समुदाय के कुछ जागरूक लोगों ने खुलकर विरोध किया है और मंदसौर में सागर चंद्र सागर के आने वाले लेक्चर, कैंप और प्रोग्राम का बॉयकॉट करने की धमकी दी है। जनता साफ है कि जब तक दूध का दूध और पानी का पानी न हो जाए, तब तक किसी को भी ऐसे विवादित प्रोग्राम करके पवित्र धर्म की मर्यादाओं से खेलने का हक नहीं है। यह कोई आम या मामूली झगड़ा नहीं है,

बल्कि धर्म पर एक जानलेवा चोट है। अगर प्रशासन, पुलिस और धार्मिक संस्थाएं इस मामले पर आंखें मूंद लेती हैं, तो गुस्से की यह आग पूरे गुजरात और देश में फैलने में देर नहीं लगेगी। अब समय आ गया है कि पद, इज्ज़त और प्रतिष्ठा को किनारे रखकर लोगों को सच बताया जाए!

आज का राशिफल
(शनिवार) 14 नवम्बर 2026

मेष: विद्यार्थियों को करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दोस्तों और परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा

वृषभ: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों पर काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आपके काम की सराहना होगी।

मिथुन: कारोबार के लिहाज से दिन लाभदायक रहेगा। होटल, रेस्टोरेंट या खानपान से जुड़े जातकों को अच्छा मुनाफा मिल सकता है।

कर्क: व्यापार में उम्मीद से बढ़कर लाभ हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी।

सिंह: आपको अपने फैसलों में थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषकर पैसों के लेन-देन या जोखिम भरे निवेश से बचें।

कन्या: कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। विदेश या दूर-दूर के स्रोतों से मुनाफा हो सकता है। खान-पान पर विशेष ध्यान दें

तुला: आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण से दिन बहुत शानदार है। व्यापार में बिक्री बढ़ने से मुनाफा होगा।

वृश्चिक: आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी बड़े व्यक्ति से डील हो सकती है।

धनु: संतान पक्ष से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है जिससे घर में उल्लास का माहौल रहेगा। नौकरी में पदोन्नति ट्रांसफर मिल सकता है।

मकर: अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। वरिष्ठ जनों की सलाह आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

कुंभ: परिवार में लंबे समय से चली आ रही किसी समस्या का समाधान निकलेगा। यात्रा के दौरान थोड़ी सावधानी बरतें।

मीन: वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में समझदारी से कदम उठाएं। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा मुनाफा मिल सकता है।

14 नवम्बर बनाम 'विश्व मधुमेह दिवस'

यह अभियान लोगों को संतुलित आहार अपनाने, नियमित व्यायाम करने और समय पर ब्लड शुगर की जांच करवाने के लिए प्रोत्साहित करता है

'विश्व मधुमेह दिवस' हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य मधुमेह के बढ़ते खतरों, इसके लक्षणों और बचाव के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह अभियान लोगों को संतुलित आहार अपनाने, नियमित व्यायाम करने और समय पर ब्लड शुगर की जांच करवाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

यह दिवस क्यों मनाया जाता है? 14 नवंबर की तारीख सर फ्रेडरिक बैंटिंग के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चुनी गई है। उन्होंने 1921 में चार्ल्स बेस्ट के साथ मिलकर इंसुलिन की खोज की थी, जिन्होंने मधुमेह को एक घातक बीमारी के रूप में बताया था। इस अभियान की शुरुआत 1991 में इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा की गई थी। यूनानी चिकित्सा में शुगर (मधुमेह) को 'जियाबीतज' कहते है, यूनानी चिकित्सा में 'जियाबीतज' के लिए मिज़ाज, आहार, शारीरिक



गतिविधि और औषधियों पर विचार किया जाता है यानि इसके लक्षण, मिज़ाज, कारण, क़ुव्वतों में ख़लल, उसूले इलाज, इलाज-बिल-ग़िज़ा और इलाज-बिद-दवा को समझना आवश्यक है। रक्त की जाँच में सामान्य मधुमेह में खाली पेट रक्त शर्करा 126 mg/dL तक और खाना खाने के बाद 160 mg/dl तक होनी चाहिए। और तीन महीने की औसतन HbA1c 6.5%' से कम होनी चाहिए। मधुमेह के प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हैं कसरत-ए-बौल यानि बार-बार पेशाब आना (जिसमें चींटियां या मक्खियां आकर्षित हो सकती हैं), अत्यधिक प्यास लगना (शिद्दत-ए-अतश), मुंह और पूरे शरीर में सूखापन, थकान (पर्याप्त आराम के बाद भी थकान महसूस होना) , वजन कम होना और कमजोरी (ज़ोफ़), धुंधला दिखाई देना, ज़ख्म देर से भरना, बार-बार त्वचा या मूत्र मार्ग में संक्रमण होना , रक्त शर्करा बढ़ने पर दृष्टि अस्थायी रूप से धुँधली हो सकती है। लंबे समय तक रक्त शर्करा बढ़ी रहने पर तंत्रिकाओं को नुकसान होता हैं जिससे हाथ-पैर में झुनझुनी या सुन्नपन , भूख बढ़ना, बिना प्रयास वजन घटना , कई लोगों में टाइप-2 मधुमेह लंबे समय तक बिना स्पष्ट लक्षणों के भी रह सकता है। यूनानी चिकित्सा में उपचार और प्रबंधन के तरीके यूनानी पद्धति में शुगर का इलाज केवल लक्षणों को दबाने के लिए नहीं, बल्कि शरीर के मिजाज को संतुलित करने और अंगों की कार्यक्षमता सुधारने के लिए कियाजाता है. **आहार और जीवनशैली में सुधार** (ईलाज बिल गिजा)परहेज चावल, आलू, चिकनाई/तैलीय भोजन, चीनी, मीठी चीजें, जंक फूड, रेड मीट और रिफाइंड अनाज से पूरी तरह दूर रहने की सलाह दी जाती है।(B)फायदेमंद आहार फाइबर युक्त आहार, साबुत अनाज की रोटी, दालें, हरी सब्जियाँ और उचित मात्रा में प्रोटीन, कच्ची सब्जियां और गर्म मसाले जैसे- जीरा, लहसुन और लंबी मिर्च का सेवन लाभकारी माना गया है क्योंकि ये 'मुल्तिफ' होते हैं।(C)व्यायाम नियमित शारीरिक श्रम, टहलना और सुस्त जीवनशैली से बचना जरूरी है।. **प्रमुख यूनानी औषधियां** (A) एकल जड़ी-बूटियां बेल के पत्ते, जामुन, करेला, नीम, मेथी, कलौंजी, और गुरमार बूटी का उपयोग प्रमुख रूप से होता है। (B)विशेष यूनानी फॉर्मूलेशन (मुरक्कब अदविया यानि मिश्रित औषधियाँ) द्वारा ईलाज क़ुर्स ज़ियाबीतुस , क़ुर्स तबाशीर , क़ुर्स गुलनार , कुर्स काफ़ूरी , और सफूफ-ए-ज़ियाबतूस-दुलाबी जैसी कंपाउंड दवाइयां दी जाती हैं। **तदबीर** (रेजिमेंटल थेरैपी) शरीर से विषैले पदार्थों को निकालने के लिए प्राकृतिक तरीकों और हकीम की देखरेख में **'मुनज्ज़िज़ व मुसह्हिल'** जैसी प्रक्रियाएं अपनाई जाती हैं।**उपाय** नियमित भोजन और पर्याप्त पानी।आवश्यकता होने पर वजन में धीरे-धीरे कमी करें।नियमित शारीरिक गतिविधि और पर्याप्त नींद। **परहेज़ ये करें** चीनी, मिठाइयाँ, शरबत और मीठे पेय, अधिक मात्रा में गेहूँ आटा या मैदा, बिस्कुट और परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट, बार-बार अधिक कैलोरी वाला भोजन बन्द करें । निम्न गंभीर जटिल संकेतों के होने पर आपातकालीन रैफर करें ट्टठ्ठउल्टी होने, पेट दर्द, तेज या गहरी साँस, अत्यधिक सुस्ती या भ्रम के साथ बहुत अधिक शुगर होने पर, भ्रम, बेहोशी या दौरे, विशेषकर रक्त शर्करा कम होने की आशंका में, रक्त शर्करा बहुत अधिक होने के साथ निर्जलीकरण या तेजी से बिगड़ती तबीयत, पैर में संक्रमित घाव या काला पड़ता ऊतक , अचानक दृष्टि में बदलाव।

गुजरात के युवाओं में फैलता नशे का जाल: आज नहीं चेते तो पंजाब जैसे हालात बनने का खतरा, परिवारों की चुप्पी और बढ़ती नशे की मांग बन रही सबसे बड़ी चुनौती

नशे की लत का अनदेखा कैंसर गुजरात के युवाओं को खा रहा है: अगर हम समय रहते नहीं चेते तो पंजाब जैसे हालात पक्के हैं।

गुजरात, जो अपने शांत समुद्र तट, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट और बिज़नेस की समझ के लिए जाना जाता है, आज एक बहुत ही गंभीर और अनदेखा खतरा झेलने की कगार पर है। जिस राज्य में शराबबंदी की वजह से ड्रग्स का इस्तेमाल कम होने का दावा किया जाता था, आज सिंथेटिक ड्रग्स, स्नुह (मेफेड्रोन), चरस, गांजा और हेरोइन जैसे जानलेवा ड्रग्स युवाओं की जड़ें खाने लगे हैं। अखबारों के पन्नों में करोड़ों रुपये के ड्रग्स पकड़े जाने की खबरें अब आम हो गई हैं, लेकिन इसके पीछे का असली और डरावना सच यह है कि यह ज़हर अब सिर्फ़ बंदरगाहों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि राज्य के मेट्रोपोलिस से छोटे शहरों की गलियों, कॉलेज कैंपस और हाई-प्रोफाइल पार्टियों तक पहुंच गया है।

सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि यह मुद्दा आज भी समाज में एक टैबू बना हुआ है। जैसे सेक्स एजुकेशन या मेंटल हेल्थ पर खुलकर बात नहीं होती, वैसे ही परिवारों में ड्रग्स के खतरों पर कोई बातचीत नहीं होती। यही चुप्पी ड्रग माफिया का सबसे बड़ा हथियार बन गई है। जब कोई नौजवान नशे के जाल में फंसता है, तो समाज में बदनामी के डर से माता-पिता इसे छिपाते हैं, जिससे समस्या सुलझने के बजाय और बिगड़ जाती है।

आज का नौजवान इस जानलेवा रास्ते की ओर क्यों बढ़ रहा है? इसकी जड़ सिर्फ मौज-मस्ती या जिज्ञासा नहीं है, बल्कि इसके गहरे सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक कारण जिम्मेदार हैं। सोशल मीडिया की वर्चुअल दुनिया ने आज की पीढ़ी की सोच को बहुत उलझा दिया है। दूसरों से लगातार तुलना, रातों-रात सफल या अमीर बनने का क्रेज और दोस्तों का कूल दिखने का दबाव नौजवानों को बहुत ज़्यादा मानसिक तनाव में डाल देता है। दूसरी ओर, पढ़ाई पूरी करने के बाद सही नौकरी न मिलना, बढ़ती इनकम में असमानता और भविष्य की अनिश्चितता उन्हें डिप्रेशन और निराशा की खाई में धकेल देती है। जब कोई नौजवान, ज़िंदगी में असली जोश और उत्साह की कमी महसूस करते हुए, दोस्तों के दबाव में एक्सपेरिमेंट या बगावत के लिए सिर्फ एक बार ड्रग्स का कश लेता है, तो उसे पता भी नहीं चलता कि यह एक कदम उसे कितनी अंधेरी खाई में धकेल रहा है।

अगर हम इतिहास के पन्ने पलटें, तो पंजाब की दुखद घटना हमारे सामने इसका जीता-जागता उदाहरण है। 2010 के दशक में पंजाब की एक पूरी पीढ़ी उड़ता-उड़ता पंजाब बन गई और ड्रग्स की वजह से बर्बाद हो गई, लेकिन 1990 के दशक में इसकी शुरुआत धीरे-धीरे हुई। 2000 के दशक में यह अजगर की तरह उड़ गया और 2010 तक हालात पूरी तरह विस्फोटक हो गए थे। गुजरात आज ठीक उसी मोड़ पर खड़ा है, जहां पंजाब 90 के दशक के आखिर और 2000 की शुरुआत में था। अगर हमने अभी आंखें नहीं खोलीं, तो अगले दशक में गुजरात के हालात पंजाब से भी ज़्यादा खराब हो सकते हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां ??समुद्री रास्तों से आने वाले ड्रग्स की बड़ी मात्रा में जब्त कर रही हैं, जो तारीफ़ के काबिल है, लेकिन सिर्फ़ मात्रा जब्त करना कोई परमानेंट हल नहीं है। जब तक डिमांड कम नहीं होगी, सप्लाई किसी न किसी ज़रिए से आती रहेगी। यह लड़ाई सिर्फ़ पुलिस या सरकार की नहीं है, बल्कि हर घर, हर स्कूल-कॉलेज और पूरे समाज की है। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ जेनरेशन गैप कम करना होगा और उनसे दोस्त की तरह बात करनी होगी। उनके व्यवहार में आए बदलाव, खर्चों में अचानक बढ़ोतरी और दोस्तों के सर्कल पर प्यार से नज़र रखनी होगी।अब समय आ गया है कि हम इस गलतफहमी से बाहर निकलें कि हमारे घरों में ऐसा नहीं होता। ड्रग्स के प्रदूषण को छिपाने के बजाय, इस पर पब्लिक स्टेज पर, मीडिया में और घर की डाइनिंग टेबल पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। गुजरात अपनी इंडस्ट्री और कल्चर के लिए जाना जाता है, इसे नशे के अंधेरे में धकेलने से रोकना हम सबकी मिली-जुली ज़िम्मेदारी है। गुजरात अपनी इंडस्ट्री और कल्चर के लिए जाना जाता है, हम सबकी मिली-जुली ज़िम्मेदारी है। अगर हम आज चुप रहे, तो कल हमारे पास पछतावे के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

पंक्चर वाले की तरह हमारे पास रोबोटिक्स मैकेनिक भी हो सकते हैं

'देशभर में पंक्चर बनाने वाले जब चंद मिनटों में कोई भी टायर ठीक कर देते हैं तो हमारे पास रोबोट-रिपेयर वाले क्यों नहीं हो सकते, जो रोबोट रिपेयर कर यह सुनिश्चित कर सकें कि इंडस्ट्री में प्रोडक्शन न रुके?' ऑल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एआईए), मंडीदीप के अध्यक्ष डॉ. राजीव अग्रवाल ने भोपाल में स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए यह सवाल उठाया। डाइस पर बैठे हुए मैंने पूछा, 'कैसे?' वे मेरी ओर मुड़कर बोले कि 'जैसे गैस स्टोव या सिलाई मशीन ठीक करने वाले मैकेनिक होते हैं। वे इन्हें बनाते नहीं, बल्कि रिपेयर करते हैं।'अग्रवाल ने बताया कि एआईए मेंबर्स अपनी प्रोडक्शन लाइनों में दर्जन भर से ज्यादा रोबोट इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन चुनौती तब आती है, जब कोई पुर्जा टूटने या रोबोट खराब होने पर उन्हें फ्रांस या चीन से एक्सपर्ट के आने का इंतजार करना पड़ता है। तो क्यों न स्थानीय लोगों को खराबी पहचानने और रिपेयरिंग की ट्रेनिंग दी जाए? उनका सुझाव उन जरूरी स्किल्स को विकसित करने का था, जिनकी भारत को तकनीक के फैलाव के साथ जरूरत पड़ेगी। उनकी बात सुनकर मुझे संजीत 'बंकर' रॉय की याद आई, जिनका इसी मंगलवार 81 साल की उम्र में निधन हो गया। रॉय ने पांच दशक से ज्यादा समय यह बताने में खपाया कि गरीबी का मतलब टैलेंट की कमी और फॉर्मल एजुकेशन का अभाव इंटेलिजेंस की कमी नहीं होती। वे चाहते थे कि ग्रामीण समस्याओं के समाधान के लिए शहरों की ओर देखना छोड़ें और खुद उन्हें हल करना सीखें। राजस्थान में अजमेर से करीब 30 किमी दूर तिलोनिया स्थित उनका बेयरफुट कॉलेज इसी सोच की मिसाल बना। रॉय ने गांवों के प्रैक्टिकल नॉलेज को पहचाना और लोगों में अपनी स्किल्स से कम्युनिटी की मदद करने का भरोसा जगाया। उनकी सबसे उल्लेखनीय पहलों में एक थी 2000 में लॉन्च हुई 'सोलर मामाज'। इसने इस धारणा को चुनौती दी कि आधुनिक तकनीक सिर्फ पढ़े-लिखे पुरुषों का काम है। दादी-नानी की उम्र की कई महिलाएं, जिनकी औपचारिक स्कूलिंग बहुत कम या कतई नहीं थी, छह महीने की ट्रेनिंग के लिए तिलोनिया आईं। किताबों के बजाय उन्होंने कलर-कोडेड डायग्राम्स, डेमोंस्ट्रेशन और प्रैक्टिकल एक्सरसाइज के जरिए उन्होंने कलर-कोडेड डायग्राम्स, डेमोंस्ट्रेशन और प्रैक्टिकल एक्सरसाइज के जरिए सोलर लाइटिंग सिस्टम को असेंबल, इन्स्टॉल और रिपेयर करना सीखा। वे सोलर इंजीनियर बनकर घर लौटीं और घरों में बिजली पहुंचाने, सूर्यास्त के बाद बच्चों की पढ़ाई में मदद करने और उपकरणों की मरम्मत में सक्षम थीं। लीला देवी ऐसी ही ट्रेनी थीं।रॉय ने पांच दशक से ज्यादा समय यह बताने में खपाया कि गरीबी का मतलब टैलेंट की कमी और फॉर्मल एजुकेशन का अभाव इंटेलिजेंस की कमी नहीं होती। वे चाहते थे कि ग्रामीण समस्याओं के समाधान के लिए शहरों की ओर देखना छोड़ें और खुद उन्हें हल करना सीखें। राजस्थान में अजमेर से करीब 30 किमी दूर तिलोनिया स्थित उनका बेयरफुट कॉलेज इसी सोच की मिसाल बना। रॉय ने गांवों के प्रैक्टिकल नॉलेज को पहचाना और लोगों में अपनी स्किल्स से कम्युनिटी की मदद करने का भरोसा जगाया। उनकी सबसे उल्लेखनीय पहलों में एक थी 2000 में लॉन्च हुई 'सोलर मामाज'।इसने इस धारणा को चुनौती दी कि आधुनिक तकनीक सिर्फ पढ़े-लिखे पुरुषों का काम है। दादी-नानी की उम्र की कई महिलाएं, जिनकी औपचारिक स्कूलिंग बहुत कम या कतई नहीं थी, छह महीने की ट्रेनिंग के लिए तिलोनिया आईं। किताबों के बजाय उन्होंने कलर-कोडेड डायग्राम्स, डेमोंस्ट्रेशन और प्रैक्टिकल एक्सरसाइज के जरिए सोलर लाइटिंग सिस्टम को असेंबल, इन्स्टॉल और रिपेयर करना सीखा।

माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में वैश्विक तकनीकी खराबी से दुनिया भर में डिजिटल व्यवस्था चरमराई

आउटलुक, टीम्स और कोपायलट सेवाएं बाधित; विमानन, बैंकिंग, कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों के कामकाज पर पड़ा असर

नई दिल्ली/वाशिंगटन। आधुनिक दुनिया की अर्थव्यवस्था, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं और दैनिक कामकाज किस हद तक तकनीक पर निर्भर हो चुके हैं, इसका बड़ा उदाहरण माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में आई वैश्विक तकनीकी खराबी के रूप में सामने आया है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में अचानक आई गड़बड़ी के कारण दुनिया के कई देशों में उसकी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रभावित हो गईं। ईमेल सेवा आउटलुक, ऑनलाइन बैठक और संवाद का माध्यम माइक्रोसॉफ्ट टीम्स तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण कोपायलट के उपयोग में व्यवधान आने से लाखों उपयोगकर्ताओं और बड़ी संख्या में संस्थानों का कामकाज प्रभावित हुआ। इस तकनीकी संकट का असर भारत सहित कई देशों में विमानन कंपनियों, कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों तक देखने को मिला। तकनीकी सेवाओं में आई इस बाधा ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब दुनिया का बड़ा हिस्सा कुछ गिनी-चुनी तकनीकी कंपनियों के सर्वर और डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हो चुका है, तब ऐसी सेवाओं में खराबी आने पर सामान्य जनजीवन और आवश्यक व्यवस्थाओं को किस तरह सुचारु रखा जा सकता है। जिन कामों को कुछ वर्ष पहले तक कागजों और स्थानीय प्रणालियों के माध्यम से पूरा किया जाता था, वे अब बड़े पैमाने पर इंटरनेट और ऑनलाइन सेवाओं पर निर्भर हो गए हैं। ऐसे में एक तकनीकी गड़बड़ी का असर किसी एक कंपनी या कार्यालय तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कई देशों और क्षेत्रों में एक साथ महसूस किया जाता है।विमानन क्षेत्र में सबसे अधिक परेशानी, यात्रियों को हुई असुविधामाइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में व्यवधान का असर विमानन क्षेत्र में भी सामने आया। कई स्थानों पर विमान सेवाओं से जुड़ी डिजिटल प्रणालियों के प्रभावित होने के कारण यात्रियों के पंजीकरण, टिकट संबंधी प्रक्रियाओं और उड़ानों के संचालन में कठिनाइयां आने की खबरें सामने आईं। हवाई अड्डों पर यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति जानने और आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। तकनीकी व्यवस्था पर निर्भरता के कारण विमानन कंपनियों के कर्मचारियों को भी वैकल्पिक तरीकों से कामकाज संभालना पड़ा।

भारत की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया ने कहा कि वह वैश्विक तकनीकी समस्या पर लगातार नजर रख रही है और यात्रियों को होने वाली असुविधा कम करने के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, इंडिगो और अकासा एयर ने भी यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी सलाह जारी की। यात्रियों को अपनी उड़ान की स्थिति की जानकारी लेते रहने और हवाई अड्डे के लिए समय से रवाना होने की सलाह दी गई। विमानन क्षेत्र में इस तरह की तकनीकी बाधा का असर केवल टिकट या पंजीकरण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यात्रियों की आवाजाही, कर्मचारियों के समन्वय और उड़ानों की समय-सारणी पर भी पड़ सकता है।कार्यालयों में ईमेल और ऑनलाइन बैठकें प्रभाविञ्ज



कार्यालयों और व्यावसायिक संस्थानों में भी इस तकनीकी खराबी के कारण कामकाज प्रभावित हुआ। बड़ी संख्या में कंपनियां कर्मचारियों के बीच संवाद, दस्तावेजों के आदान-प्रदान और बैठकों के लिए माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं का उपयोग करती हैं। आउटलुक में परेशानी आने से ईमेल भेजने और प्राप्त करने में दिक्कत हुई, जबकि टीम्स की सेवाएं बाधित होने से ऑनलाइन बैठकों और आपसी संवाद पर असर पड़ा। कोपायलट का उपयोग करने वाले कर्मचारियों को भी अपने नियमित काम में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई कंपनियों में कर्मचारियों को जरूरी सूचनाएं पहुंचाने और कामकाज का समन्वय करने के लिए वैकल्पिक माध्यम अपनाने पड़े। जिन कार्यालयों में अधिकतर काम डिजिटल दस्तावेजों और ऑनलाइन बैठकों के जरिए होता है, वहां इस तरह की खराबी का असर ज्यादा महसूस किया गया। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि तकनीकी सुविधाओं ने कामकाज को भले ही तेज और सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इनके ठप होने पर संस्थानों के पास वैकल्पिक व्यवस्था होना भी उतना ही जरूरी है।अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों के सामनेभीचुनौती इस वैश्विक व्यवधान ने स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षण संस्थानों की डिजिटल व्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ाई। अस्पतालों में मरीजों के अभिलेख, नियुक्तियों और प्रशासनिक कामकाज के लिए डिजिटल प्रणालियों का उपयोग बढ़ गया है। ऐसी सेवाओं में बाधा आने पर चिकित्सा कर्मचारियों को मरीजों से संबंधित जानकारी प्राप्त करने और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी करने में अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

आगरा में मैथ टीचर की हत्या का खुलासा, पूर्व छात्रा ने बॉयफ्रेंड से कराई हत्या

अश्लील तस्वीरें बनाकर ब्लैकमेल करने का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में गणित के शिक्षक ओमप्रकाश यादव (50) की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस जांच के अनुसार, कोचिंग की एक पूर्व छात्रा ने अपने प्रेमी के जरिए शिक्षक की हत्या कराई। छात्रा का आरोप है कि शिक्षक उसकी अश्लील तस्वीरें बनाकर उसे ब्लैकमेल कर रहा था। पुलिस ने छात्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल की है।पुलिस के मुताबिक, 2 नवंबर को आरोपी ने सेक्टर-3 स्थित वीएस प्लाजा में संचालित कोचिंग सेंटर के अंदर शिक्षक की गला काटकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद उसने कोचिंग के ब्लैकबोर्ड पर 'ओपी यादव रेपिस्ट' लिख दिया और शिक्षक का मोबाइल फोन तथा स्कूटी लेकर फरार हो गया। घटना के चार दिन बाद यानी 6 नवंबर को कोचिंग के बेसमेंट से तेज दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची जगदीशपुरा थाना पुलिस को शिक्षक का शव मिला। शरीर पर गहरे घाव थे और गला कटा हुआ था।जांच के दौरान पुलिस ने शिक्षक की कॉल डिटेल खंगाली तो एक मोबाइल नंबर से लगातार बातचीत होने की जानकारी मिली। पड़ताल में यह नंबर उनकी पूर्व छात्रा का निकला। इसके बाद पुलिस ने छात्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआती जांच में सामने आया कि छात्रा शिक्षक से कथित रूप से ब्लैकमेल किए जाने से परेशान थी और इसी वजह से हत्या की साजिश रची गई।ओमप्रकाश यादव मूल रूप से कानपुर देहात के रसूलाबाद थाना क्षेत्र के कठिका गांव के निवासी थे। वह करीब 30 वर्षों से आगरा में रह रहे थे। उनकी शादी नहीं हुई थी। आवास विकास कॉलोनी में उनका अपना मकान था। वह सेक्टर-7 स्थित शिवालिक कैंब्रिज स्कूल में पढ़ाने के साथ वीएस प्लाजा में अपनी कोचिंग भी संचालित करते थे,2 नवंबर को वह रोज की तरह कोचिंग पहुंचे थे, लेकिन वापस घर नहीं लौटे। परिजनों ने उनकी तलाश की, मगर कोई जानकारी नहीं मिली। चार दिन बाद कोचिंग के बेसमेंट में उनका शव मिलने से मामले का खुलासा हुआ। पुलिस अब हत्या में शामिल अन्य आरोपी और साजिश से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

भोपाल में पूर्व रेरा चेयरमैन के बैंक लॉकर से सोने के गहने गायब, जांच में जुटी पुलिस



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश रेरा के पूर्व चेयरमैन एपी श्रीवास्तव और उनकी बेटियों के सोने के गहने बैंक लॉकर से गायब होने का मामला सामने आया है। घटना भोपाल के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट (आईआईएफएम) परिसर स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा की है। शुरुआती जांच में लॉकर के हैंडल पर किसी के फिंगरप्रिंट नहीं मिले हैं। पुलिस मामले की जांच के लिए लॉकर को फॉरेंसिक प्रयोगशाला भेजने की तैयारी कर रही है।जानकारी के अनुसार, श्रीवास्तव की बेटी सुरभि हाल ही में दुबई से भोपाल आई थीं। गुरुवार दोपहर वह अपने पिता के साथ बैंक पहुंचीं। इस दौरान जब श्रीवास्तव ने लॉकर खोला तो उसकी चाबी अटक रही थी। काफी प्रयास के बाद लॉकर खुला तो अंदर रखे सोने के गहने गायब मिले। उन्होंने तत्काल बैंक प्रबंधन को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।श्रीवास्तव के मुताबिक, उन्होंने 13 दिसंबर 2024 को अपनी बेटियों सुरभि और श्रुति के साथ संयुक्त रूप से लॉकर नंबर 502 आवंटित कराया था। इसके लिए वे जीएसटी सहित प्रतिवर्ष 2,380 रुपये किराया जमा करते थे। उनके पास लॉकर में रखे गहनों की तस्वीरें भी मौजूद हैं, हालांकि गायब गहनों की कुल कीमत अभी पुलिस को नहीं बताई गई है।पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि लॉकर के ताले के साथ छेड़छाड़ की गई थी या उसे किसी डुप्लीकेट चाबी से खोला गया। इसके लिए पिछले तीन महीने के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी। साथ ही लॉकर को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजकर यह पता लगाने का प्रयास होगा कि आखिर बैंक के सुरक्षित माने जाने वाले लॉकर से गहने गायब कैसे हुए।

21 नवंबर से शुरू होगी एनीव्हेयर रजिस्ट्री व्यवस्था, दूसरे शहर जाने की झंझट होगी खत्म

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे शुभारंभ



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश में संपत्ति की खरीद-फरोख्त करने वालों को अब रजिस्ट्री के लिए दूसरे शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्रदेश में 21 नवंबर से बहुप्रतीक्षित एनीव्हेयर रजिस्ट्री व्यवस्था शुरू होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से वर्चुअल माध्यम से इसका शुभारंभ करेंगे। नई व्यवस्था के तहत प्रदेश के किसी भी पंजीयन कार्यालय में संपत्ति की रजिस्ट्री कराई जा सकेगी।अब तक जिस जिले या तहसील में संपत्ति स्थित होती थी, रजिस्ट्री के लिए उसी क्षेत्र के उप-पंजीयक कार्यालय पहुंचना अनिवार्य था। लेकिन संपदा-2 सॉफ्टवेयर के अद्यतन होने के बाद यह बाध्यता समाप्त हो जाएगी। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर का निवासी भोपाल या इंदौर में स्थित संपत्ति की रजिस्ट्री अपने शहर के पंजीयन कार्यालय में ही करा सकेगा। नई व्यवस्था के तहत पूरी प्रक्रिया करीब 15 मिनट में पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश का पहला दस्तावेज ग्वालियर से पंजीकृत कराने की तैयारी है। फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए सुरक्षा प्रावधान भी किए गए हैं। चयनित उप-पंजीयक को स्व-घोषणा पत्र देना होगा कि संबंधित संपत्ति पर न्यायालय, उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग या राजस्व अधिकारियों की ओर से जब्ती, स्थगन अथवा कुर्की का कोई आदेश लंबित नहीं है।नई प्रणाली में दस्तावेजों के परीक्षण के लिए उप-पंजीयक को पांच दिन का समय मिलेगा और छठवें दिन अंतिम निर्णय लेना अनिवार्य होगा। पक्षकार अपनी सुविधा के अनुसार प्रदेश के किसी भी पंजीयन कार्यालय में ऑनलाइन समय लेकर रजिस्ट्री करा सकेंगे। इससे लोगों का समय, यात्रा खर्च और अनावश्यक भागदौड़ बचेगी।

मध्यप्रदेश में चमत्कारी इलाज के नाम पर बाबाओं का खेल! कैंसर, लकवा और बांझपन दूर करने के दावे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश में गंभीर बीमारियों के इलाज और संतान प्राप्ति के नाम पर कुछ बाबाओं के दरबार में अंधविश्वास का खेल चलने के आरोप सामने आए हैं। कैंसर, लकवा, पथरी और निःसंतानता जैसी समस्याओं को बिना चिकित्सकीय जांच के ठीक करने के दावे किए जा रहे हैं। इसके लिए कहीं गेहूं के दाने और लकड़ियां दी जा रही हैं तो कहीं राख, नारियल और धागों के सहारे बीमारी दूर करने का भरोसा दिलाया जा रहा है। इन दावों की पड़ताल के लिए एक टीम ने बैतूल और सीहोर के दो आश्रमों का दौरा किया। बैतूल से करीब 60 किलोमीटर दूर आदिवासी गांव कान्हावाड़ी में बाबा अशोक गोंड का आश्रम है। यहां पहुंचने पर सुबह सात बजे से ही कैंसर और लकवा जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित करीब 300 लोग मौजूद थे। लगभग तीन घंटे इंतजार के बाद बाबा दरबार में पहुंचे। उन्होंने लोगों को चार तरह की लकड़ियां खाने और शरीर पर घिसने के लिए दीं। संतान प्राप्ति की समस्या बताने पर महिला को गेहूं के नौ दाने और कुछ लकड़ियां दी गईं। साथ ही झगड़ा नहीं करने की सलाह देते हुए संतान होने का भरोसा दिलाया गया।आश्रम से बाहर बाबा के एजेंट आकाश ने तीन महीने के भीतर गर्भ ठहरने का दावा किया। उसने कैंसर के मरीजों को बायोप्सी नहीं कराने की सलाह भी दी। यहां मेडिकल प्रतिनिधि से लेकर रेल के लोको पायलट तक अपने परिजनों के इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे मिले। कुछ लोग पहले से चल रहे उपचार से लाभ नहीं मिलने के बाद बाबा की दवा आजमाने आए थे।इसके बाद टीम सीहोर जिले के जावर गांव में बाबा देव लखन के आश्रम पहुंची। यहां प्रवेश के समय लोगों के नाम, मोबाइल नंबर, वाहन नंबर और पते दर्ज किए जा रहे थे। संतान प्राप्ति के इच्छुक दंपतियों को 100



रुपये में दो नारियल और अगरबत्ती खरीदने के लिए कहा गया।करीब एक हजार लोगों की भीड़ के बीच बाबा ने स्वयं को भगवान शिव का चपरासी बताते हुए दावा किया कि उनके माध्यम से एक लाख आठ हजार से अधिक लकवा मरीज ठीक हो चुके हैं। उन्होंने पथरी चार दिन में गायब करने और सांप के काटने से किसी की मौत नहीं होने जैसे दावे भी किए। संतान की इच्छा रखने वाले दंपतियों को नारियल, राख और धागे दिए गए। महिला को सुबह-शाम राख खाने की सलाह दी गई।सबसे बड़ा सवाल यह है कि कैंसर और लकवा जैसी जानलेवा बीमारियों के इलाज के नाम पर किए जा रहे इन दावों का कोई चिकित्सकीय आधार है या नहीं? गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को ऐसे भरोसों के सहारे अस्पतालों और प्रमाणित उपचार से दूर करना उनके जीवन के लिए खतरनाक हो सकता है। ऐसे मामलों में स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि इन दावों की जांच कर लोगों को गुमराह होने से बचाया जाए।

ट्रेन टिकट बुकिंग में 100 में से 58 प्रयास फर्जी! ऑटोमेटेड सॉफ्टवेयर से टिकटों पर दलालों की सेंधमारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वाराणसी। त्योहारों के मौसम में घर जाने के लिए ट्रेन का कन्फर्म टिकट हासिल करना यात्रियों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों से लखनऊ, गोरखपुर और वाराणसी जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ है। हैरानी की बात यह है कि दो महीने पहले अग्रिम आरक्षण कराने की कोशिश करने वाले यात्रियों को भी कन्फर्म टिकट नहीं मिल पा रहे हैं। वहीं तत्काल टिकट की बुकिंग शुरू होने के महज एक-दो मिनट में सीटें भर जा रही हैं। कई यात्रियों के खातों से पैसे कटने के बावजूद टिकट कन्फर्म नहीं हो रहा। रेल मंत्रालय के जुलाई 2026 में संसद में पेश आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से जून 2026 के बीच ऑनलाइन टिकट बुकिंग के लिए करीब 1,538 करोड़ अनुरोध प्राप्त हुए। इनमें से 888 करोड़ यानी 57.74 प्रतिशत अनुरोध स्वचालित सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए गए थे। जून में यह आंकड़ा 66 प्रतिशत से अधिक रहा। रेलवे का दावा है कि उसकी ई-टिकटिंग प्रणाली ने इन संदिग्ध अनुरोधों को टिकट बुक करने से रोक दिया। दरअसल, टिकट दलाल विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से बुकिंग शुरू होने से पहले ही यात्रियों का नाम, उम्र, ट्रेन और भुगतान संबंधी जानकारी तैयार कर लेते हैं। जैसे ही आरक्षण खुलता है, ये सॉफ्टवेयर कुछ ही सेकंड में लगातार बुकिंग अनुरोध भेजते हैं। इसके मुकाबले आम यात्री को प्रवेश, विवरण भरने, सुरक्षा कोड डालने और भुगतान करने में करीब दो मिनट लग जाते हैं। पहले नेक्सस, रेड मिर्ची और सुपर तत्काल जैसे सॉफ्टवेयर चर्चा में रहे हैं। कार्रवाई के बाद इनके स्थान पर नए तरीकों से टिकट बुकिंग की कोशिशें जारी रहने की बात सामने आई है। रेलवे की निगरानी से बचने के लिए अब दलालों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर पर खाते बनवाकर कंप्यूटर पर युवाओं से तेजी से टिकट बुक कराने का तरीका अपनाने की भी जानकारी सामने आई है। ऐसी बुकिंग सामान्य यात्री की गतिविधि जैसी दिखाई देने के कारण पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। टिकट नहीं मिलने के पीछे केवल दलाली ही जिम्मेदार नहीं है। सामान्य एक्सप्रेस ट्रेन में करीब 1,400 से 1,700 आरक्षित सीटें होती हैं। इन सभी सीटों को एक साथ सामान्य आरक्षण के लिए उपलब्ध नहीं कराया जाता। रेलवे महिला, बुजुर्ग, तत्काल, आपातकालीन और मार्ग के अलग-अलग प्रमुख स्टेशनों के लिए भी सीटें निर्धारित करता है। त्योहारों के दौरान लाखों यात्री एक साथ बुकिंग का प्रयास करते हैं। ऐसे में सीमित सीटें कुछ ही मिनटों में भर जाती हैं।रेलवे की खिड़की से लिया गया प्रतीक्षा सूची का टिकट लेकर आरक्षित स्लीपर या वातानुकूलित डिब्बे में यात्रा करने की अनुमति नहीं होती। ऐसे यात्री अनारक्षित डिब्बे में सफर कर सकते हैं। वहीं, ऑनलाइन टिकट चार्ट बनने तक प्रतीक्षा सूची में रहने पर स्वतः रद्द हो जाता है और नियमानुसार राशि वापस की जाती है। ऐसे टिकट पर ट्रेन में यात्रा करने पर बिना टिकट यात्रा मानी जा सकती है।यात्रियों के लिए विकल्प योजना, दूसरी ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता और तत्काल बुकिंग के अलावा वर्तमान उपलब्धता की जांच करना उपयोगी हो सकता है। यात्रा से पहले रेलवे की विशेष ट्रेनों की जानकारी भी देखनी चाहिए।रेलवे के अनुसार, जनवरी 2024 से जून 2026 के बीच संदिग्ध मोबाइल नंबर, ई-मेल और इंटरनेट पते से जुड़ी 6.68 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता पहचान बंद की गई हैं। इसके अलावा 13 हजार से ज्यादा संदिग्ध ई-मेल पते अवरुद्ध किए गए हैं।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए क्रिकेटर सुरेश रैना, दो घंटे तक नंदी हॉल में किया शिव मंत्र जाप

तड़के चार बजे पहुंचे उज्जैन, देहरी से किया बाबा महाकाल का पूजन



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना शुक्रवार तड़के उज्जैन पहुंचे और श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए। उन्होंने सुबह करीब चार बजे मंदिर पहुंचकर लगभग दो घंटे नंदी हॉल में बैठकर शिव मंत्र का जाप किया और बाबा महाकाल की आराधना की।भस्म आरती संपन्न होने के बाद रैना ने मंदिर की देहरी से भगवान महाकाल का पूजन किया। इसके बाद नंदी जी की पूजा-अर्चना कर जल अर्पित किया और विधि-विधान से बाबा का आशीर्वाद लिया।दर्शन के बाद सुरेश रैना ने कहा कि बाबा महाकाल के दर्शन कर उन्हें दिव्य अनुभूति हुई। मंदिर में मौजूद ऊर्जा का अनुभव उनके लिए बेहद खास रहा। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल का आशीर्वाद सभी को एक उद्देश्य से जोड़ता है।बताया गया कि भस्म आरती में शामिल होने के लिए सुरेश रैना पहले इंदौर पहुंचे थे। वहां से उज्जैन आकर उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन किए। आरती के बाद मंदिर समिति की ओर से उनका सम्मान भी किया गया।

इकलौते बेटे, बहू और दो पोतों की चिताएं देखकर फूट-फूटकर रोए पिता, बोले- ऐसा दुख भगवान दुश्मन को भी न दे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

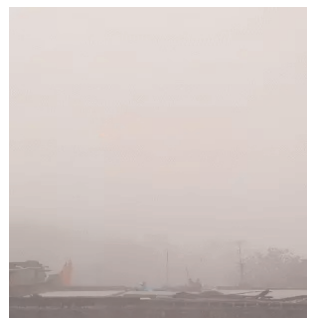




प्रयागराज। हरदोई में गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। हादसे में जान गंवाने वाले बार्कलेज कंपनी के सहायक उपाध्यक्ष सौरभ, उनकी पत्नी मेनका और दोनों मासूम बेटों के शव गुरुवार सुबह प्रयागराज स्थित घर पहुंचे तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया। एक साथ चार अर्थियां उठीं तो पूरा मोहल्ला शोक में डूब गया। सबसे हृदयविदारक दृश्य रसूलाबाद घाट पर देखने को मिला, जहां 66 वर्षीय पिता जयगोविंद उपाध्याय ने कांपते हाथों से अपने इकलौते बेटे सौरभ और बहू मेनका को मुखाग्नि दी। बेटे का चेहरा देखते ही वह अपने आंसू नहीं रोक सके। काफी देर तक बेटे के चेहरे को निहारते रहे। परिजनों ने किसी तरह उन्हें संभाला। वहीं, दोनों मासूम बच्चों व्योम (7) और शिवओम (डेढ़ वर्ष) को गंगा किनारे दफनाया गया। परिवार के लोगों ने हादसे की जानकारी बुजुर्ग माता-पिता से छिपाकर रखी थी। रिश्तेदारों को डर था कि इकलौते बेटे, बहू और दोनों पोतों की मौत की खबर वे सहन नहीं कर पाएंगे। घर की बेटियों ने भी एक-दूसरे को समझाया था कि माता-पिता के सामने अपने आंसू नहीं बहाने हैं। लेकिन गुरुवार सुबह जब चारों के शव घर पहुंचे तो परिवार का सब्र टूट गया और घर में चीख-पुकार मच गई। दरअसल, बुधवार दोपहर हरदोई में गंगा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार एसयूवी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में चारों की मौत हो गई थी। परिवार छठ पूजा मनाने के लिए प्रयागराज लौट रहा था। अंतिम संस्कार के बाद भी जयगोविंद काफी देर तक चिताओं के पास बैठे रहे। उनकी नजरें लगातार बेटे और बहू की चिताओं पर टिकी थीं। इस दौरान उन्होंने रुंधे गले से कहा, 'सब खत्म हो गया। इकलौता बेटा था, वह भी चला गया। भगवान ऐसा दुख किसी दुश्मन को भी न दे। ' एक पिता के सामने उसके इकलौते बेटे, बहू और दोनों मासूम पोतों का यूं चले जाना पूरे इलाके को गमगीन कर गया।रिश्तेदारों को डर था कि इकलौते बेटे, बहू और दोनों पोतों की मौत की खबर वे सहन नहीं कर पाएंगे। घर की बेटियों ने भी एक-दूसरे को समझाया था कि माता-पिता के सामने अपने आंसू नहीं बहाने हैं। लेकिन गुरुवार सुबह जब चारों के शव घर पहुंचे तो परिवार का सब्र टूट गया और घर में चीख-पुकार मच गई। दरअसल, बुधवार दोपहर हरदोई में गंगा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार एसयूवी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में चारों की मौत हो गई थी। परिवार छठ पूजा मनाने के लिए प्रयागराज लौट रहा था। अंतिम संस्कार के बाद भी जयगोविंद काफी देर तक चिताओं के पास बैठे रहे। उनकी नजरें लगातार बेटे और बहू की चिताओं पर टिकी थीं। इस दौरान उन्होंने रुंधे गले से कहा, 'सब खत्म हो गया। इकलौता बेटा था, वह भी चला गया। भगवान ऐसा दुख किसी दुश्मन को भी न दे। ' एक पिता के सामने उसके इकलौते बेटे, बहू और दोनों मासूम पोतों का यूं चले जाना पूरे इलाके को गमगीन कर गया।

यूपी के 20 जिलों में घने कोहरे की चादर, लखीमपुर में 8 मीटर तक सिमटी दृश्यता

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सर्दी ने धीरे-धीरे अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, कुशीनगर, बलिया और प्रयागराज समेत प्रदेश के करीब 20 शहरों में घना कोहरा छाया रहा। लखीमपुर में दृश्यता घटकर महज आठ मीटर रह गई, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह के समय सड़कों पर वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ी।पिछले 24 घंटे के दौरान हरदोई 13 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा। वहीं, दिन का तापमान भी 32 डिग्री से नीचे आ गया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से पहाड़ों की ओर से ठंडी हवाएं आएंगी। इसके प्रभाव से अगले दो दिनों में दिन और रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। अगले छह दिनों तक प्रदेश में बारिश के आसार नहीं हैं।ठंड बढ़ने के साथ वायु प्रदूषण भी चिंता बढ़ा रहा है। प्रदेश के पांच शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक 338, मेरठ में 328, शामली और नोएडा में 311 तथा बुलंदशहर में 304 दर्ज किया गया। वाराणसी में भी सूचकांक 323 रहा, जबकि लखनऊ में यह 269 दर्ज हुआ।प्रयागराज में सुबह कोहरे और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को ठिठुरन महसूस हुई। कानपुर और गोरखपुर में हल्की धुंध छाई रही। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट से ठंड का असर

राजा भैया ने कहा- 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा बिल्कुल सही, वाराणसी में अखिलेश यादव के समर्थन में लगे पोस्टर

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी और पोस्टरबाजी को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। प्रतापगढ़ की कुंडा विधानसभा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटोगे तो कटोगे' नारे का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह नारा बिल्कुल सही है और हर हिंदू को इसके संदेश को समझने की जरूरत है। राजा भैया ने पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए कहा कि विभाजन के समय वहां हिंदुओं की आबादी करीब 23 प्रतिशत थी, जो अब घटकर एक प्रतिशत से भी कम रह गई है। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा शुरू हो गई है। दूसरी ओर, वाराणसी में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में भगवान राम को अखिलेश यादव के कंधे पर हाथ रखते हुए दिखाया गया है, जबकि माता शबरी उन्हें बेर खिलाती नजर आ रही हैं। ये पोस्टर समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. आलोक सौरभ की ओर से लगवाए गए हैं। वहीं, रायबरेली में समाजवादी पार्टी की ओर से असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन को निशाना बनाते हुए पोस्टर लगाए गए हैं। इनमें दोनों नेताओं को भाजपा की बी-टीम बताया गया है। पोस्टर पर लिखा है कि भाजपा ने बहुजन समाज पार्टी को खत्म किया और अब इनकी बारी है।राजा भैया के बयान, वाराणसी में अखिलेश यादव के समर्थन में धार्मिक प्रतीकों वाले पोस्टर और रायबरेली में विपक्षी नेताओं पर निशाना साधने वाली पोस्टरबाजी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी का नया दौर शुरू कर दिया है।

अलीगढ़ में मंत्री संदीप सिंह की सगाई का भव्य आयोजन, 80 हजार मेहमानों के पहुंचने की संभावना

महानगर मेट्रो ब्यूरो





अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और उनके छोटे भाई सौरभ सिंह वर्मा की 14 नवंबर को अलीगढ़ में सगाई की रस्म आयोजित होगी। समारोह में करीब 80 हजार मेहमानों के पहुंचने की संभावना है। इसे लेकर रामघाट कल्याण मार्ग स्थित तालानगरी के 100 बीघा मैदान में भव्य तैयारियां की गई हैं। समारोह स्थल पर महलनुमा पंडाल बनाया गया है। मेहमानों के लिए चार मंच, 657 कारों की पार्किंग और अलग-अलग विश्राम कक्ष तैयार किए गए हैं। अतिथियों के स्वागत में 50 से 60 तरह के व्यंजन परोसे जाएंगे। प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर विशेष प्रस्तुति देंगे।आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्रियों सहित कई बड़े नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए करीब 700 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। समारोह स्थल के 150 मीटर के दायरे में आने वाले तीन विद्यालय भी बंद रहेंगे।संदीप सिंह की गृह विधानसभा अतरौली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। क्षेत्र के गांवों और परिवारों तक निमंत्रण पहुंचाए जा रहे हैं। अलीगढ़ के अलावा आसपास के जिलों से भी लोगों को आमंत्रित किया गया है। बड़ी संख्या में मेहमानों के पहुंचने की आशंका को देखते हुए बसों की व्यवस्था भी की गई है।

छठ पूजा से पहले यमुना में मरी मछलियां डालने का आरोप, मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिए एफआईआर के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

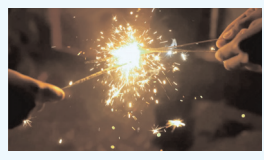
नई दिल्ली। दिल्ली में छठ महापर्व की तैयारियों के बीच यमुना नदी में मरी हुई मछलियां डाले जाने का मामला सामने आया है। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग जानबूझकर नदी में मरी मछलियां डालकर छठ पूजा से पहले माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित विभाग को मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों की पहचान करने को कहा है।प्रवेश वर्मा के अनुसार, यमुना में फेरी सेवा शुरू होने के बाद विभागीय अधिकारियों ने उन्हें नदी में मरी हुई मछलियां डाले जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छठ पर्व नजदीक होने के कारण इस तरह की गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय हैं। मंत्री ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी इस मामले में ओछी राजनीति कर रही है और इसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मछलियां नदी में डालने वाले लोगों की पहचान की जाए और यह भी जांच की जाए कि आरोपियों का आम आदमी पार्टी से कोई संबंध है या नहीं। उन्होंने कहा कि जांच के बाद पूरे मामले की सच्चाई सामने लाई जाएगी। हालांकि, इस संबंध में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।दूसरी ओर, दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष राजधानी में छठ पूजा के आयोजन के लिए 1,465 स्थानों पर व्यवस्थाएं की गई हैं। यमुना किनारे 24 मॉडल घाट भी तैयार किए गए हैं। सरकार का कहना है कि श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं।छठ महापर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना और अन्य जलाशयों के किनारे अस्ताचलगामी तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देते हैं।



दिवाली पर पटाखे फोड़ने वालों पर मुंबई पुलिस का शिकंजा, 82 एफआईआर दर्ज; 110 लोगों को नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दिवाली पर पटाखे फोड़ने का शौक मुंबई के लोगों को भारी पड़ गया। सार्वजनिक स्थानों पर आतिशबाजी करने और निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। 5 से 11 नवंबर के बीच पुलिस ने ऐसे मामलों में 82 प्राथमिकी दर्ज कीं, जबकि 110 लोगों को नोटिस जारी किए गए। कार्रवाई की खास बात यह रही कि इसमें केवल आम नागरिक ही नहीं, बल्कि डॉक्टर, कारोबारी, रियल एस्टेट विकासकर्ता, दवा विक्रेता, छात्र और बुजुर्ग भी शामिल हैं।मुंबई पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक कार्रवाई मालाबार हिल इलाके में हुई, जहां पटाखे फोड़ने के 16 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद पवई में 11, गामदेवी में 7 और धारावी में 6 मामले सामने आए। माहिम और शिवाजी पार्क में पांच-पांच, जबकि बांद्रा और कुरार में चार-चार प्राथमिकी दर्ज की गईं।इसके अलावा बांगुर नगर, गोरेगांव, पंत नगर और विक्रोली में तीन-तीन मामले दर्ज हुए। दादर, सहार और शाहू नगर में दो-दो प्राथमिकी दर्ज की गईं। वहीं आजाद मैदान, कालाचौकी, मानखुर्द, एमआरए मार्ग, एमआईडीसी और नेहरू नगर में एक-एक मामला सामने आया।दरअसल, सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे और आतिशबाजी के इस्तेमाल को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सितंबर में आदेश जारी किया था। इसके तहत 6 अक्टूबर से 4 दिसंबर तक सार्वजनिक सड़कों, रास्तों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे, आतिशबाजी, रॉकेट, लेजर लाइट और तेज रोशनी वाली किरणों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। मुंबई पुलिस और महानगरपालिका इस आदेश का पालन सुनिश्चित करा रही हैं।इसके अतिरिक्त महानगरपालिका और मुंबई आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 9 से 25 नवंबर तक रॉकेट और आसमान में छोड़े जाने वाले पटाखों पर अलग से पाबंदी लगाई है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मुंबई पुलिस आयुक्त के आदेश में जुलूसों के दौरान लाउडस्पीकर, तेज आवाज वाले उपकरणों, संगीत बैंड और हवाई पटाखों के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई गई है।इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि त्योहारों के दौरान भी सार्वजनिक सुरक्षा और न्यायालय के आदेशों की अनदेखी करने की छूट नहीं मिलेगी। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि जब हर साल पटाखों से होने वाले प्रदूषण, शोर और दुर्घटनाओं को लेकर चेतावनी दी जाती है, तो लोग नियमों का पालन करने के बजाय अपनी खुशी के लिए दूसरों की परेशानी का कारण क्यों बनते हैं?



अमित शाह 15-16 नवंबर को पुणे दौरे पर, दोनों गुटों के विलय की चर्चाओं के हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 15 और 16 नवंबर को प्रस्तावित पुणे दौरा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दो दिवसीय दौरे के दौरान उनके भाजपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं तथा पदाधिकारियों से मुलाकात करने की संभावना है। राज्य के प्रचार विभाग ने भी उनके दौरे की आधिकारिक पुष्टि की है।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, अमित शाह 15 नवंबर को तलेगांव दाभाड़े में सहकारी आधार पर संचालित होने वाली एक औद्योगिक इकाई की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद वह मुंडवे स्थित भारत फोर्ज संयंत्र का दौरा करेंगे। रविवार रात उनका पुणे में ठहरने का कार्यक्रम है। इसी दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी मुलाकात को लेकर चर्चाएं हैं। इसके अलावा वह पुणे मैराथन को हरी झंडी भी दिखा सकते हैं। दो दिवसीय दौरे के दौरान उनके भाजपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं तथा पदाधिकारियों से मुलाकात करने की संभावना है। राज्य के प्रचार विभाग ने भी उनके दौरे की आधिकारिक पुष्टि की है।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, अमित शाह 15 नवंबर को तलेगांव दाभाड़े में सहकारी आधार पर संचालित होने वाली एक औद्योगिक इकाई की आधारशिला रखेंगे।**अजित पवार की प्रतिमा का करेंगे अनावरण**-दौरे के दूसरे दिन यानी 16 नवंबर को अमित शाह पुणे जिला परिषद परिसर में महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रमुख रहे अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधायक, मंत्री, सांसद और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना है। पार्टी नेताओं को फोन के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी भी दी गई है**विलय की चर्चाओं के बीच दौरे पर नजर**-महाराष्ट्र में अजित पवार के निधन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के एकीकरण को लेकर राजनीतिक अटकलें तेज हैं। हाल के दिनों में दोनों पक्षों के नेताओं की मुलाकातों और बयानों ने इन चर्चाओं को और हवा दी है। ऐसे समय में अमित शाह का पुणे दौरा और विभिन्न दलों के नेताओं से संभावित मुलाकातें राजनीतिक दृष्टि से अहम मानी जा रही हैं।हालांकि, दोनों गुटों के विलय को लेकर अमित शाह की किसी बैठक या निर्णय की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में उनके दौरे के दौरान होने वाली राजनीतिक गतिविधियों पर महाराष्ट्र की सियासत की नजरें टिकी रहेंगी।



सोनम वांगचुक का दावा- घर में नजरबंद किया, बाहर 25 से ज्यादा जवान तैनात; लेह आने-जाने पर 60 दिन की रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लेह। लद्दाख में पहाड़ी स्वायत्त परिषद के चुनाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दावा किया है कि पुलिस ने उन्हें उनके घर में नजरबंद कर दिया है और घर के बाहर 25 से अधिक पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात कर दिए हैं। गुरुवार रात जारी वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें घर से बाहर निकलने और शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जा रही है। हालांकि, लद्दाख पुलिस ने नजरबंदी के आरोपों से इनकार करते हुए इसे चुनाव के दौरान लागू निषेधाज्ञा का पालन बताया है।दरअसल, वांगचुक और लद्दाख के कई संगठन 4 दिसंबर को प्रस्तावित लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के चुनाव का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि कड़ाके की सर्दी के दौरान चुनाव कराने से बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मतदान से वंचित रह सकते हैं। पुलिस ने एक दिन पहले ही वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाकर उनके घर पहुंचाया था। एक आदेश के अनुसार, उनके लेह आने-जाने पर 60 दिनों तक प्रतिबंध लगाए जाने की भी जानकारी सामने आई है। वांगचुक ने कहा है कि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार को इस तरह प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। उन्होंने इस कार्रवाई के खिलाफ मजिस्ट्रेट, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की बात कही है।

सर्दियों में चुनाव कराने पर विरोध

लद्दाख में दिसंबर के दौरान तापमान शून्य से 15 से 25 डिग्री नीचे तक पहुंच जाता है। इस मौसम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग रोजगार और अन्य कारणों से जम्मू तथा दिल्ली सहित दूसरे क्षेत्रों में चले जाते हैं। इसे शीतकालीन पलायन कहा जाता है। आंदोलनकारी संगठनों का तर्क है कि ऐसे समय चुनाव कराने से अनेक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। इसलिए चुनाव अप्रैल-मई 2027 तक टालने की मांग की जा रही है।परिसीमन को लेकर भी नाराजगी है। नए 100 निर्वाचन क्षेत्रों के गठन और उनके बंटवारे की प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। विरोध करने वाले संगठनों का आरोप है कि पर्याप्त विचार-विमर्श के बिना जल्दबाजी में सीटों का निर्धारण किया गया। लेह में लद्दाख बुद्धिस्ट एसोसिएशन और गोंपा एसोसिएशन ने भी चुनाव बहिष्कार का समर्थन किया है।**24 सितंबर की हिंसा की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग** -वांगचुक ने 24 सितंबर 2025 को लद्दाख में हुई हिंसा की जांच के लिए गठित आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग भी दोहराई है। उनका आरोप है कि इस मामले में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि लद्दाख के विभिन्न हिस्सों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी हैं और मांगें पूरी होने तक आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा। गौरतलब है कि 4 दिसंबर को लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के चुनाव प्रस्तावित हैं। मतदान सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 8 दिसंबर को निर्धारित है। इस बार आठ जिलों में आठ अलग-अलग परिषदों के गठन की व्यवस्था को लेकर भी राजनीतिक और प्रशासनिक चर्चाएं जारी हैं। 24 सितंबर 2025 की हिंसा से फिर गर्माया मुद्दा लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के दौरान 24 सितंबर 2025 को हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान भाजपा कार्यालय, पहाड़ी परिषद कार्यालय और कई वाहनों में आगजनी की घटनाएं हुई थीं। हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा था। हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी, जबकि 80 से अधिक आंदोलनकारी और 30 सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे।अब एक बार फिर चुनाव प्रक्रिया और लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार को लेकर टकराव सामने है। संगठनों के बीच बातचीत से कोई रास्ता निकलेगा या यह विवाद अदालतों तक पहुंचकर और गहराएगा?



दिल्ली में 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट तैयार, पूर्वांचल समाज को मिली बड़ी सौगात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। छठ महापर्व से पहले दिल्ली में पूर्वांचल समाज और छठ व्रतियों को बड़ी सौगात मिली है। उत्तरी दिल्ली की मुनक नहर के दोनों किनारों पर करीब 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट को विकसित किया गया है। गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय व दिल्ली सरकार के मंत्रियों की मौजूदगी में इस परियोजना का उद्घाटन किया। लगभग 115.29 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह परियोजना दिल्ली के सबसे बड़े छठ घाट के रूप में विकसित की गई है। इससे लाखों श्रद्धालुओं को छठ पूजा के दौरान व्यवस्थित और बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में नितिन नवीन ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि शुद्धता, पवित्रता, अनुशासन और सामाजिक एकता का प्रतीक है। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाला यह पर्व समाज को जोड़ने का काम करता है। इसमें जाति, वर्ग और ऊंच-नीच का कोई भेदभाव नहीं होता। उन्होंने कहा कि बिहार और पूर्वांचल के लोग अपने परिश्रम और समर्पण से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुनक नहर पर छठ घाट का विकास उनकी धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देने का प्रयास है। परियोजना के तहत नहर के सूखे हिस्से को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें दोनों किनारों पर छठ घाटों का निर्माण, संपर्क मार्ग, पुलों का निर्माण, सड़कों का चौड़ीकरण और नहर का सौंदर्यीकरण सहित सात प्रमुख विकास कार्य शामिल हैं। इसका उद्देश्य छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए आवागमन और पूजा की बेहतर व्यवस्था करना है।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मुनक नहर का यह क्षेत्र वर्षों से उपेक्षित था। यहां सुविधायुक्त छठ घाट विकसित करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। सरकार बनने के बाद इस परियोजना को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में दिल्ली के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य कराए जा रहे हैं।कार्यक्रम में केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा सहित कई सांसद और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।



दिल्ली ने प्रदूषण में लाहौर को छोड़ा पीछे, दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना; 403 पहुंचा एक्यूआई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने एक बार फिर खतरनाक स्तर पार कर लिया है। शुक्रवार को दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गई और उसने पाकिस्तान के लाहौर को भी पीछे छोड़ दिया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 403 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। राजधानी के कई इलाकों में स्थिति इससे भी ज्यादा चिंताजनक रही। दिल्ली विश्वविद्यालय के आसपास एक्यूआई 478 और आईटीओ क्षेत्र में 455 तक पहुंच गया। स्विस संस्था आईक्यूएयर के आंकड़ों में भी दिल्ली की हवा की स्थिति बेहद खराब दर्ज की गई। संस्था के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई 334 रहा, जबकि पाकिस्तान के लाहौर में यह 197 दर्ज किया गया। इस तरह अंतरराष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूची में भी दिल्ली सबसे प्रदूषित शहरों में शीर्ष पर रही। प्रदूषण का संकट केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के राज्यों में हवा की गुणवत्ता बिगड़ चुकी है। एनसीआर के 18 शहरों में औसत एक्यूआई 301 से 400 के बीच दर्ज किया गया। इनमें हरियाणा के नौ, उत्तर प्रदेश के पांच, राजस्थान, पंजाब और तमिलनाडु के एक-एक शहर के साथ दिल्ली शामिल है। गुरुग्राम का पंचगांव सबसे प्रदूषित क्षेत्र के रूप में सामने आया। हरियाणा के 23 शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब या बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में जमीन से करीब एक हजार मीटर की ऊंचाई तक प्रदूषण की परत जमा होने से हालात और गंभीर हो गए हैं। प्रदूषण के इस बढ़ते स्तर ने आम लोगों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सांस संबंधी परेशानी, आंखों में जलन और फेफड़ों पर प्रतिकूल प्रभाव का खतरा बढ़ रहा है। सवाल यह है कि हर साल सर्दियों की शुरुआत के साथ जहरीली हवा का संकट गहराने के बावजूद स्थायी समाधान क्यों नहीं निकल पा रहा है? आखिर राजधानी और आसपास के करोड़ों लोगों को स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार कब मिलेगा?



सोनिया गांधी की आत्मकथा पर सिख समुदाय का आक्रोश, दिल्ली में जलाई गई किताब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' के प्रकाशन के बाद राजनीतिक विवाद गहरा गया है। 10 नवंबर को जारी हुई इस पुस्तक को लेकर जहां कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन के नेता इसकी सराहना कर रहे हैं, वहीं भाजपा और अन्य संगठनों के नेताओं ने सवाल उठाए हैं। विशेष रूप से 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार और उसके बाद हुए सिख विरोधी दंगों से जुड़े विवरणों को लेकर सिख समुदाय के एक वर्ग में नाराजगी है। दिल्ली में सिख गुरुद्वारा कमेटी ने 1984 के दंगों के पीड़ितों के साथ मिलकर पुस्तक की प्रतियां जलाकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुस्तक में घटनाओं से जुड़े तथ्यों को अधूरे और एकतरफा तरीके से प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में सोनिया गांधी ने लिखा है कि स्वर्ण मंदिर में सैन्य कार्रवाई के बाद वहां हुई तबाही की तस्वीरें देखकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आंखों में आंसू आ गए थे। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों को दुखद और शर्मनाक अध्याय बताते हुए स्वीकार किया है कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता हिंसा में शामिल थे। हालांकि, उन्होंने राजीव गांधी का बचाव करते हुए लिखा है कि उनके मन में सिख समुदाय के प्रति कोई नफरत नहीं थी। पुस्तक में सेना की तैनाती में हुई देरी को भी दंगों के व्यापक रूप लेने की वजह बताया गया है।इन विवरणों पर आपत्ति जताते हुए सिख नेताओं का कहना है कि पुस्तक में हिंसा की पीड़ा का उल्लेख तो किया गया है, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही पर पर्याप्त बात नहीं की गई। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पुस्तक को 'झूठों का पुलिंदा' और 'जर्नी ऑफ हेट' करार दिया। उन्होंने इंदिरा गांधी के आंसुओं से जुड़े उल्लेख पर भी सवाल उठाए। आलोचकों का कहना है कि पुस्तक में गुरुद्वारों पर हुए हमलों, सुनियोजित हिंसा और सज्जन कुमार तथा जगदीश टाइटलर जैसे विवादित नामों का पर्याप्त उल्लेख नहीं है। शिरोमणि अकाली दल और भाजपा नेताओं ने भी इसे गांधी परिवार को दोषमुक्त करने की कोशिश बताया है। सिख समुदाय के इन नेताओं का स्पष्ट कहना है कि 1984 की त्रासदी के पीड़ितों को केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि घटनाओं का निष्पक्ष उल्लेख, दोषियों की जवाबदेही और न्याय चाहिए। ऐसे में सवाल है कि क्या आत्मकथा में दर्ज विवरण उस ऐतिहासिक त्रासदी के सभी पहलुओं को सामने रखते हैं, या फिर कुछ महत्वपूर्ण सवाल अब भी अनुत्तरित हैं?



एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की चर्चाओं पर संजय राउत का विराम, बोले- अब यह अध्याय समाप्त हो चुका है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

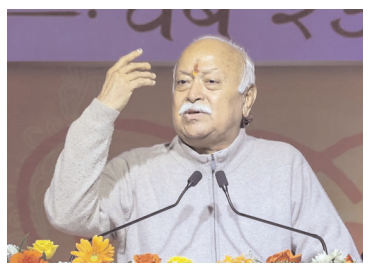
मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के एक होने और वरिष्ठ नेता शरद पवार के भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने की अटकलों को सिरे से खारिज किया है। राउत ने स्पष्ट कहा कि अब इस विषय पर किसी तरह की चर्चा शेष नहीं है और अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट का शरद पवार की मूल पार्टी में विलय होने की संभावना नहीं है।मीडिया से बातचीत के दौरान संजय राउत ने विलय को लेकर लगातार सामने आ रही खबरों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को बेवजह तूल दिया जा रहा है, जबकि यह अध्याय समाप्त हो चुका है। अब इस विषय पर बार-बार चर्चा करने का कोई औचित्य नहीं है। राउत ने शरद पवार की राजनीतिक विचारधारा का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा राजनीतिक जीवन राजर्षि शाहू महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के आधार पर बिताया है। उनकी विचारधारा भारतीय जनता पार्टी की राजनीति से अलग है। ऐसे में जीवन के इस पड़ाव पर उनके भाजपा के साथ जाने की अटकलें निराधार हैं।महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच राजनीतिक समीकरणों को लेकर लंबे समय से चर्चाएं होती रही हैं। ऐसे में राउत का यह बयान राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में संबंधित दलों के आधिकारिक रुख और नेताओं के आगामी बयानों पर भी राजनीतिक गलियारों की नजर बनी हुई है।



मोहन भागवत बोले- हर समस्या की जड़ है अपनापन की कमी, 'मैं और मेरा' की सोच खत्म होगी तभी आएगी दुनिया में शांति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया की अधिकांश समस्याओं की जड़ दूसरों के प्रति अपनापन और आत्मीयता की कमी है। जब तक इंसान केवल अपने और अपने परिवार के हित के बारे में सोचता रहेगा, तब तक समाज और दुनिया में वास्तविक शांति स्थापित नहीं हो सकती। इसके लिए हर व्यक्ति के मन में यह भाव विकसित करना होगा कि पूरी दुनिया उसका अपना परिवार है।भागवत शनिवार को नागपुर में सामाजिक सेवा संगठन समर्पण फाउंडेशन के रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपनापन की भावना पूरी दुनिया को जोड़ने का काम करती है। यही भावना हमें दूसरों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने की प्रेरणा देती है। उनके अनुसार, दुनिया में संघर्ष और अशांति का बड़ा कारण 'मैं' और 'मेरा' तक सीमित रहने वाली सोच है।अमेरिका की हालिया यात्रा का उल्लेख करते हुए भागवत ने नाइजीरिया के एक वक्ता की बात साझा की। उस वक्ता ने कहा था कि जब तक 'मैं और मेरा' की भावना समाप्त नहीं होगी, तब तक दुनिया में शांति नहीं आ सकती। भागवत ने इस विचार का समर्थन करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों के अच्छे जीवन की भी उतनी ही चिंता करनी चाहिए, जितनी वह अपने लिए करता है। यही वास्तविक आत्मीयता और भाईचारे का आधार है।संघ प्रमुख ने कहा कि मनुष्य स्वभाव से दयालु और संवेदनशील होता है। इसी संवेदनशीलता से उसके भीतर सेवा का भाव पैदा होता है। सेवा किसी को दिखाने या प्रशंसा पाने के लिए नहीं की जानी चाहिए, बल्कि इसे बिना किसी प्रचार के लगातार जारी रखना चाहिए। कोरोना महामारी के दौर का दो महीने के भीतर 40 सेवा गतिविधियां संचालित की गई थीं।



राष्ट्रवादी कांग्रेस के एकीकरण की अटकलों पर लगाया विराम, बोलीं- अजित पवार ने मुझसे और पार्टी के नेताओं से की थी बात; फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के एक होने की चर्चाओं के बीच सांसद सुप्रिया सुले ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अजित पवार के निधन के बाद दोनों गुटों के विलय का मुद्दा उनके लिए समाप्त हो गया है। अजित पवार के जीवित रहते इस विषय पर बातचीत जरूर हुई थी और उन्होंने स्वयं उनसे तथा पार्टी के अन्य नेताओं से इस संबंध में चर्चा की थी। हालांकि, अब तक विलय को लेकर उनके पास कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं आया है। दरअसल, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) के एकीकरण को लेकर पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हैं। इन चर्चाओं को उस समय और बल मिला, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि अजित पवार के जीवित रहते दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत हुई थी। इसके बाद शरद पवार के अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन कर उनकी तबीयत की जानकारी ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने भी अस्पताल पहुंचकर उनसे मुलाकात की। वहीं, अजित पवार के बेटे पार्थ पवार के लगातार शरद पवार के आवास सिल्वर ओक पहुंचने से राजनीतिक चर्चाओं को और हवा मिली।मीडिया से बातचीत में सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्हें विलय के संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब किसी ने उनसे इस विषय पर बातचीत ही नहीं की, तो विलय की चर्चाएं किस आधार पर हो रही हैं। उन्होंने दोहराया कि अजित पवार के रहते दोनों गुटों के एक होने पर चर्चा हुई थी,



सोनिया विहार में डंपर ने ऑटो को मारी जोरदार टक्कर, 3 लोगों की मौत, 5 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली सोनिया विहार इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां पुस्ता नंबर 5 के पास एक डंपर ट्रक ने ऑटो-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग घायलों की मदद के लिए दौड़े और दमकल विभाग को सूचना दी।जानकारी के मुताबिक, हादसा उस समय हुआ जब सोनिया विहार में पुस्ता नंबर 5 के पास डंपर और ऑटो-रिक्शा की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो में बैठे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। वहीं, पांच अन्य लोग घायल हो गए। सड़क पर अचानक हुए इस हादसे से आसपास के लोग भी घबरा गए।सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायलों को बाहर निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में मदद की। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, हादसे में घायल एक बच्ची को भी अस्पताल ले जाया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की गोल्डन गोल एफडी पर बंपर रिटर्न

मुंबई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 555 दिनों वाली गोल्डन गोल डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद, सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 6.85 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.35 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन्स को 7.45 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह स्कीम विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो अपनी बचत को सुरक्षित रखते हुए बेहतर रिटर्न चाहते हैं। इसमें मात्र 1,000 रुपये से निवेश शुरू किया जा सकता है। निवेशक बैंक ऑफ बड़ौदा के बीओबी वर्ल्ड मोबाइल ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर आसानी से एफडी खुलवा सकते हैं। यह बदलाव निवेशकों को बेहतर कमाई का मौका देता है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा।

एमके संस में मनुजा श्रॉफ का 26 करोड़ का बड़ा निवेश

नई दिल्ली ।

मशहूर निवेशक मनुजा गौतम श्रॉफ ने हाल ही में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स में बड़ा निवेश किया है। उन्होंने खुले बाजार से लगभग 26 करोड़ रुपये के 15.44 लाख शेयर खरीदे हैं, जिससे बाजार में कंपनी के प्रति विश्वास बढ़ा है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, श्रॉफ ने चार नवंबर को कंपनी की लिस्टिंग के दिन 169.04 रुपये के औसत भाव पर 4.33 लाख से अधिक शेयर (7.32 करोड़ रुपये) खरीदे। इसके बाद, उन्होंने 12 नवंबर को 166.69 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर 11.11 लाख से अधिक शेयर (18.52 करोड़ रुपये) खरीदे। इन दोनों सौदों को मिलाकर, उन्होंने कुल 15.44 लाख शेयर 25.85 करोड़ रुपये में हासिल किए। वर्ष 2012 में स्थापित एमके संस फाइन ज्वेल्स आभूषण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में है। कंपनी के मुंबई और अहमदाबाद में कुल पांच शोरूम हैं।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का 456 करोड़ का आईपीओ 18 नवंबर को

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का 456 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की शुक्रवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, तीन दिन का यह निर्गम 20 नवंबर को बंद होगा। बड़े निवेशक 17 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 101 करोड़ रुपये तक के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनी सैफायर क्रॉप साइंस द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और रणनीतिक पहलों के वित्तपोषण तथा सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। वर्ष 1994 में स्थापित क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन फसल समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। इसके उत्पादों में कृषि रसायन और बीज प्रमुख हैं।कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ में इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण किया

स्मार्ट मीटरिंग में मजबूत हुई पैठ एनआईआईएफ और ईईएसएल से हुई डील

नई दिल्ली ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण सौदे से अदाणी समूह की कंपनी स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद वैकल्पिक परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। इंटेलिस्मार्ट बिजली के लिए उन्नत मीटरिंग बुनियादी ढांचा (एएमआई) उपलब्ध कराती है और कुछ स्मार्ट गैस मीटर भी स्थापित करती है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 30 अक्टूबर को इस अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे पहले जून में एईएसएल ने अधिग्रहण समझौते की घोषणा की थी। एनआईआईएफ भारत का संप्रभु समर्थित वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जबकि ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है।

बिकवाली के दबाब से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 81,300, निफ्टी 25,100.85 के स्तर पर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते 10 दिनों की हरियाली के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बिकवाली का जोर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी टूट गए। सेंसेक्स 537.56 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.45 के स्तर पर पहुंच गया। यह 0.65 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल निशान में रहा। निफ्टी 198.50 अंक टूटकर 25,100.85 के स्तर पर आ गया। यह सूचकांक में 0.78 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। बाजार खुलने के दौरान निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। शेयर बाजार में शुरुआत कारोबार में निफ्टी 50 में सिप्ला, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज लैब्स, मैक्स हेल्थकेयर और एसबीआई सबसे ज यादा बढ़ने वाले शेयर हैं। वहीं टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, जियो फाइनेंशियल और एटीएमपीवी शेयर शामिल हैं।



निफ्टी 50 में शामिल आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई में जोरदार गिरावट आई है।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 1,583.80 रुपये पर कारोबार कर रहा है। बजाज फाइनेंस का शेयर 0.33 फीसदी टूटकर 1,111.35 रुपये और एचडीएफसी बैंक 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 801.60 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

रुपया सात पैसे चढ़कर 94.05 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ सात पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर निवेश, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अनुकूल बाहरी माहौल से रुपये में सकारात्मक रुझान दिख रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 94.07 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 94.05 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.15 पर रहा।

जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी चिप मेकिंग कंपनी एनवीडिया पिछले कुछ दिनों से अपने सीईओ से जुड़े विवादों के चलते काफी सुर्खियों में थी।

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े मामले की खबरें जैसे ही बाहर आईं, भूचाल मच गया। जेनसन इन विवादों में आए और विवादों को बढ़ता हुआ देख उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन के पद से इस्तीफा देते ही इसका असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत में और गिरावट दर्ज की गई, और शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 14 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, बाद में गिरावट कुछ कम हुई और शेयर करीब 11.5 फीसदी नीचे कारोबार करने लगे।

यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गई, जिन्होंने बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत पर करीब से नजर रखी। पिछले कुछ दिनों से एनवीडिया के शेयर लगातार दबाव में थे। सीईओ से जुड़े विवादों और अन्य आरोपों के कारण कंपनी के शेयरों पर इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा था। अब इस गिरावट के कारण कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची से नीचे खिसक गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एक बड़े विवाद के कारण कंपनी की पूरी वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कंपनी ने जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर की पुष्टि स्वयं की है।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्रॉड का खतरा,बैंक हुए सख्त

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने की कवायद तेज, ग्राहकों का पैसा बचाने पर जोर

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल



धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई की को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं ।

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट रिपोर्ट

टर्मिनल रेट 6 फीसदी पर स्थिर होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि लगातार कई बार ब्याज दरें बढ़ाने की पहले की उम्मीदें अब खारिज हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी 50-50 संभावना है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को रहेंगी बाधित

नई दिल्ली ।



एचडीएफसी बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक अहम सूचना जारी की है। बैंक की नेटबैंकिंग और मोबाइल ऐप सहित कई डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को तड़के 2:30 बजे से सुबह 6:30 बजे तक, यानी चार घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रोक जरूरी सिस्टम मेंटेनेंस के कारण लगाई गई है। इस अवधि के दौरान ग्राहक फंड ट्रांसफर, ऑनलाइन भुगतान और खाते से जुड़ी कई डिजिटल सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे। बैंक के अनुसार यह मेंटेनेंस डिजिटल सेवाओं की दक्षता और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि यूपीआई और जेडएपीपी से संबंधित सेवाएं इस दौरान भी जारी रहेंगी। ऐसे में जिन्हें तुरंत भुगतान करना हो, वे इन सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

देशभर के बैंक 14 और 15 नवंबर को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना पर फिर से विचार कर लें। 13 नवंबर को भले ही कुछ राज्यों में बैंक खुले हैं, लेकिन आने वाले दिनों में छुट्टियों की लंबी कतार है। खासकर, अगले दो दिन यानी 14 और 15 नवंबर को देशभर के बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 13 नवंबर शुक्रवार को सिर्फ मेघालय में वांगाला फेस्टिवल के कारण बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। यह गारो समुदाय का प्रमुख 100 ड्रम फेस्टिवल है। हालांकि, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में बैंक खुले हैं। बैंक ग्राहकों को विशेष ध्यान देना चाहिए कि 14 नवंबर को महीने का दूसरा शनिवार है, जिसके कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके ठीक बाद 15 नवंबर को रविवार है, जिससे बैंक लगातार दो दिन अवकाश पर रहेंगे। ऐसे में चेक जमा करने, दस्तावेज जमा कराने या ब्रांच से जुड़े किसी भी जरूरी काम के लिए आज का दिन एक अच्छा मौका है। नवंबर में छुट्टियों का सिलसिला यहीं नहीं थमता। 16 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर बिहार और झारखंड में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा, 20 नवंबर को उत्तराखंड में इगास-बग्वाल, 23 नवंबर को मेघालय में सेंग कुट स्नेम, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के कारण कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

27 नवंबर को कर्नाटक में कनकदास जयंती के चलते भी बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। इसलिए बैंक जाने से पहले छुट्टियों की पूरी जानकारी अवश्य जुटा लें।

एनवीडिया में जेनसन हुआंग ने छोड़ा सीईओ पद, कॉलेट क्रेस बनीं अंतरिम प्रमुख

कंपनी ने स्थायी सीईओ की तलाश तक क्रेस को सौंपी कमान

वाशिंगटन ।

तकनीकी दिग्गज एनवीडिया में एक बड़े नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हुई है। लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे सीईओ जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक अंग्रेजी समाचार पत्र की रिपोर्ट के बाद उठे विवादों के बाद यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने तुरंत प्रभाव से अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी है।

रिपोर्ट में जेनसन हुआंग के विवादों से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद से ही तकनीकी गलियारों में एनवीडिया को लेकर चर्चा तेज हो गई थी।

यह मामला कई हफ्तों तक बढ़ता रहा, जिस पर कंपनी ने शुरुआत में अपने सीईओ पर पूरा भरोसा जताया था। हालांकि, विवादों के लगातार गहराते देख, जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एनवीडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि कंपनी एक स्थायी सीईओ की तलाश करेगी, जो इसके भविष्य के विकास का नेतृत्व कर सके। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के तुरंत बाद, एनवीडिया ने कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की क्रेस, जो सितंबर 2013 से कंपनी की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्यरत हैं, अब यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके पास सिस्को और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में फाइनेंस से जुड़े अहम पदों पर काम करने का 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है।

पदभार संभालने के बाद कॉलेट क्रेस ने कहा कि वह जेनसन हुआंग द्वारा पिछले 33 वर्षों में बनाई गई मजबूत नींव पर आगे काम करेंगी। उन्होंने एनवीडिया के कर्मचारियों को कंपनी की असली ताकत बताया और कहा कि पूरी टीम मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाएगी।

केंद्र के बाद राज्यों ने भी बढ़ाया महंगाई भत्ता

कई राज्यों ने भी घोषणा की, पर बकाया एरियर के भुगतान को लेकर अलग-अलग रास्ते

नई दिल्ली ।

दिवाली और छठ से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। महंगाई भत्ते (डीए) में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद, अब यह 60 से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। इस फैसले के तुरंत बाद, विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर त्योहारों की खुशी दोगुनी कर दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी गई है, जिससे देश भर में करीब 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा।

केंद्र सरकार के इस कदम से सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि बढ़े हुए डीए के साथ पिछले महीनों का बकाया पैसा, यानी एरियर, उन्हें कब और किस प्रकार मिलेगा। इस संबंध में राज्य सरकारों के बीच अलग-अलग नीतियां देखने को मिल रही हैं। एरियर भुगतान पर राज्यों की भिन्न रणनीतियाँ- एरियर भुगतान के तरीके को लेकर राज्यों में विविधता है। उदाहरण के लिए अरुणाचल प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ पैसा नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों के बैंक खातों में नकद जमा किया जाएगा। उत्तराखंड डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, जुलाई से 31 अक्टूबर तक का बकाया पैसा कर्मचारियों को नकद दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी हुआ है। अक्टूबर का बढ़ा हुआ डीए नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से सितंबर तक के बकाया पैसे को कर्मचारियों के पीएफ खातों में जमा करने की बात कही गई है। पंजाब- सरकार ने डीए 3 बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया है, जो 1 नवंबर, 2023 से प्रभावी है और दिसंबर के वेतन के साथ मिलेगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल ने डीए में 2 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

मलेशिया का भारत,चीन से सीधी उड़ानें बढ़ाने पर जोर

सरकार ने 2027 के बजट में 93.5 करोड़ रिंगित आवंटित किए

कुआलालंपुर ।

मलेशिया ने भारत, चीन और मध्य एशिया जैसे प्रमुख बाजारों से सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। सरकार अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ानों को प्रोत्साहन अनुदान देकर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है। मलेशिया के उप परिवहन मंत्री दातुक हाजी हस्बी बिन हाजी हबीबुल्लाह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि 2027 के बजट में पर्यटन, संस्कृति और कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए गए हैं। यह अनुदान अंतरराष्ट्रीय और चार्टर विमानन कंपनियों को चीन, भारत और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों से सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मलेशिया भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है; इस साल जनवरी-अगस्त में 9.6 लाख भारतीय पर्यटक आए।

अनुदान का दायरा अब क्रूज जहाजों, फेरी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लाने वाली टूर बसों को भी शामिल करने के लिए बढ़ाया गया है। मलेशिया एयरलाइंस, एयर इंडिया और इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां वर्तमान में मलेशिया और भारत के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती हैं।



बाल दिवस

नेहरू जी का बाल प्रेम



चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरू जी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था।

जब पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री थे और तीन मूर्ति भवन उनका सरकारी निवास था। एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में लगे पेड़-पौधों के बीच से गुजरते हुए घुमावदार रास्ते पर नेहरू जी टहल रहे थे और पौधों पर छाई बहार देखकर खुशी से निहाल हो ही रहे थे, तभी उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। नेहरू जी ने आसपास देखा तो उन्हें पेड़ों के बीच एक-दो माह का बच्चा दिखाई दिया, जो दहाड़ मारकर रो रहा था। नेहरू जी ने मन ही मन सोचा- इसकी मां कहां होगी? उन्होंने इधर-उधर देखा। वह कहीं भी नजर नहीं आ रही थी। चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरूजी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं,तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू जी तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुजर रहे थे वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडितजी को देखने के लिए डोल रहे हो। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतर कर वे गुब्बारे खरीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का सा रह गया। नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे खरीदवाएं और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरूजी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे, बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज आवाज से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया। तभी से वे चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाते हैं

14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होता है। इसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि उन्हें बच्चों से बहुत प्यार था और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू पुकारते थे। बाल दिवस बच्चों को समर्पित भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है। देश की आजादी में भी नेहरू का बड़ा योगदान था। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश का उचित मार्गदर्शन किया था। बाल दिवस बच्चों के लिए महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन स्कूली बच्चे बहुत खुश दिखाई देते हैं। वे सज-धज कर विद्यालय जाते हैं। विद्यालयों में बच्चे विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। वे अपने चाचा नेहरू को प्रेम से स्मरण करते हैं। बाल मेले में बच्चे अपनी बनाई हुई वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाते हैं। इसमें बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। नृत्य, गान, नाटक आदि प्रस्तुत किए जाते हैं। नुक्कड़ नाटकों के द्वारा आम लोगों को शिक्षा का महत्व बताया जाता है। बच्चे देश का भविष्य हैं। इसलिए हमें सभी बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देना चाहिए। बच्चों के रहन-सहन के स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इन्हें स्वस्थ, निर्भीक और योग्य नागरिक बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह बाल दिवस का संदेश है। बाल दिवस के अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार बच्चों के भविष्य के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा करती है। बाल श्रम रोधी कानूनों को सही मायनों में पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। अनेक कानून बने होने के बावजूद बाल श्रमिकों की संख्या में वर्ष दर वर्ष वृद्धि होती जा रही है। इन बच्चों का सही स्थान कल-कारखानों में नहीं बल्कि स्कूल है।



अन्य देशों में बाल दिवस

भारत में यह दिन स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर को मनाया जाता है। कहा जाता है कि पंडित नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे, इसलिए बाल दिवस मनाने के लिए उनका जन्मदिन चुना गया। दरअसल, बाल दिवस की नींव 1925 में रखी गई थी, जब बच्चों के कल्याण पर विश्व कान्फ्रेंस में बाल दिवस मनाने की सर्वप्रथम घोषणा हुई। 1954 में दुनिया भर में इसे मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने यह दिन 20 नवंबर के लिए तय किया, लेकिन अलग-अलग देशों में यह अलग दिन मनाया जाता है। कुछ देश 20 नवंबर को भी बाल दिवस मनाते हैं। 1950 से बाल संरक्षण दिवस यानी 1 जून भी कई देशों में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन इस बात की याद दिलाता है कि हर बच्चा खास है और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनकी मूल जरूरतों और पढ़ाई लिखाई की जरूरतों का पूरा होना बेहद जरूरी है। यह दिन बच्चों को उचित जीवन दिए जाने की भी याद दिलाता है।

संविधान में बाल अधिकार

भारत का संविधान, संयुक्त राष्ट्र की योजनाओं के ही अनुरूप बच्चों के संरक्षण एवं अधिकारों की रक्षा के लिए कई सुविधाएं देता है। संविधान हर तरह से देश में बच्चों के कल्याण और उनकी शिक्षा एवं बालश्रम से मुक्ति के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से उन्मूलन के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है।

- अनुच्छेद 15 (3) : राज्य को बच्चों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अधिकार देता है।
- अनुच्छेद 21ए : राज्य को 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा देना क़ानूनी रूप से बाध्यकारी है।
- अनुच्छेद 24 : बालश्रम को प्रतिबंधित और गैर-कानूनी कहा गया है।
- अनुच्छेद 39 (ई) : बच्चों के स्वास्थ्य और रक्षा के लिए व्यवस्था करने के लिए राज्य क़ानूनी रूप से बाध्य है।
- अनुच्छेद 39 (एफ) : बच्चों को गरिमामय रूप से विकास करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य की नैतिक ज़िम्मेदारी है।

अमूमन हर अविभावक अपने बच्चे के लिए अच्छा सोचता है, अच्छे से अच्छा करना चाहता है। और उसे सबसे आगे देखना चाहता है। इतना तक तो ठीक है और बहुत स्वाभाविक भी, लेकिन यहां देखना होगा कि हम बच्चे की प्रतिभा के संपूर्ण विकास की नींव रख रहे हैं या उसे अपनी महत्वाकांक्षा का हिस्सा बनाकर उसकी जिंदगी में अंधेरी दलदल और तनाव परोस रहे हैं।





चाचा नेहरू बच्चों के साथ

नेहरूजी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, झुलाया तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुज़र रहे थे, वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया, वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडित जी को देखने के लिए डोल रहे हो। जैसे वे कह रहे हों हम तुम्हारा तमिलनाडु में स्वागत करते हैं। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतरकर वे गुब्बारे ख़रीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का-सा रह गया।

बाल शोषण

आज भी चाचा नेहरू के इस देश में लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं, जो चाय की दुकानों पर नौकरों के रूप में, फैक्ट्रियों में मजदूरों के रूप में या फिर सड़कों पर भटकते भिखारी के रूप में नजर आ ही जाते हैं। इनमें से कुछेक ही बच्चे ऐसे हैं, जिनका उदाहरण देकर हमारी सरकार सीना ठोककर देश की प्रगति के दावे को सच होता बताती है। यही नहीं, आज देश के लगभग 53.22 प्रतिशत बच्चे शोषण का शिकार हैं। इनमें से अधिकांश बच्चे अपने रिश्तेदारों या मित्रों के यौन शोषण का शिकार हैं। अपने अधिकारों के प्रति अनभिज्ञता एवं अज्ञानता के कारण ये बच्चे शोषण का शिकार होकर जाने-अनजाने कई अपराधों में लिप्त होकर अपने भविष्य को अंधकारमय कर रहे हैं। बचपन आज भी भोला और भावुक ही होता है लेकिन हम उन पर ऐसे-ऐसे तनाव और दबाव का बोझ डाल रहे हैं कि वे कुम्हला रहे हैं। उनकी खनकती-खिलखिलाती किलकारियां बरकरार रहें, इसके ईमानदार प्रयास हमें ही तो करने हैं। देश के ये गुलाबी नवांकुर कोमल बचपन की यादें सहेजें, इसके लिए ज़रूरी है कि हम उन्हें कठोर और क्रूर नहीं, बल्कि मयूर पंख सा लहलहाता बचपन दें। चाचा नेहरू को दो बातें बहुत पसंद थी। पहली वे अपनी शेरवानी की जेब में रोज़ गुलाब का फूल रखते थे और दूसरी वे बच्चों के प्रति बहुत ही मानवीय और प्रेमपूर्ण थे।

समारोह

हर वर्ष बचपन की यादों को ताजा करने के लिए बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिन हमें सिखाता है कि एक निर्दोष और जिज्ञासु बच्चे की तरह हमें सदैव खुश रहना चाहिए और हमेशा सीखने की कोशिश करते हुए मुस्कुराते रहना चाहिए। यह बच्चों के लिए उल्लास में डूब जाने का दिन है। स्कूलों में भी यह दिन बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। संपूर्ण भारत में इस दिन स्कूलों में प्रश्नोतरी, फैंसी परिधान प्रतियोगिता और बच्चों की कला प्रदर्शनियों जैसे कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं ने सभी पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए विशेष समारोह और प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू किया है। इस तरह के आयोजन देश के हर कोने में लोकप्रिय हुए हैं। अब टेलीविजन और अन्य मीडिया नेटवर्क समाज के प्रत्येक स्तर पर 14 नवंबर को बच्चों के लिए ख़ास कार्यक्रम बना रहे हैं।

राष्ट्रपति सहभागिता

हर वर्ष राष्ट्रपति भवन में देश भर से आए चुनिंदा बच्चों से भारत के राष्ट्रपति मुलाकात करते हैं। बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति बच्चों का मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे भी इस मौके पर देश के प्रति अपने विश्वास और भविष्य में चुनौतियों का सामना करने की भावना को व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल का मानना है कि देश के विकास में बच्चों की शिक्षा और अनुशासन का अमूल्य योगदान होता है। उन्होंने देश के शिक्षकों एवं छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इनकी कड़ी मेहनत तथा संस्कृति ने दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया है। देश के 11वें राष्ट्रपति (भूतपूर्व) डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम भी देश के विकास के लिए बच्चों का विकास आवश्यक मानते हैं। उन्होंने पद पर रहते हुए और बाद में भी कई मौकों पर यह संदेश दिया है कि देश का विकास बच्चों के हाथों में ही है। उन्होंने कहा था कि आज के साथ समझौता करने पर ही हम देश के बच्चों के लिए बेहतर कल दे सकेंगे। बच्चों के साथ उनके सवाल-जवाब पूरे देश में काफ़ी लोकप्रिय हैं।

जारी डाक टिकट

नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे ख़रीदवाए और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरू जी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज़ आवाज़ से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया।

'यह पूरी तरह से बकवास है', 'सैंडपेपर विवाद' पर ख्वाजा के दावों को लेकर खुलकर बोले पैट कमिंस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने 'सैंडपेपर विवाद' को लेकर किए गए उस्मान ख्वाजा के दावों को पूरी तरह से गलत और बकवास बताया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में खुलासा किया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में हुई बॉल-टैम्परिंग की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। ख्वाजा की बुक में लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने सिडनी के 'क्रिकेट सेंट्रल' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने 68 मिनट तक चली इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ख्वाजा के दावों का कड़ा खंडन किया कि पूरी टीम को पता था कि गेंद के साथ छेड़छाड़ करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कमिंस ने कहा, 'जब वह कहते हैं कि हम सब जानते थे और अगर उनका मतलब यह है कि हमें पता था कि मैदान पर सैंडपेपर ले जाया जा रहा है, तो वह 100



प्रतिशत गलत हैं। मैंने पिछले 8 वर्षों से लगातार यही कहा है कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मगर मुझे लगता है कि उस्मान ने जो बातें कही हैं, वे उससे कहीं ज्यादा गंभीर हैं। '

कमिंस ने आगे कहा, 'उनका कहना है कि मैं और बाकी लोग सैंडपेपर से बॉल-टैम्परिंग करने की साजिश के मुख्य सूत्रधार थे। यह पूरी तरह से बकवास है। मुझे इस हफ्ते तब बहुत बड़ा झटका लगा, जब पता चला कि उस्मान ने खुद माना है कि उन्होंने बैनक्राफ्ट से कहा था कि सैंडपेपर का इस्तेमाल करते समय सावधान रहना। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिन्हें मैं जानता हूं। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिनके बारे में मैं सोचता हूं, या जो उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले 8 वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को फिर से बनाने में मदद की है। उस्मान मेरे दोस्त हैं, लेकिन दोस्त एक-दूसरे की जिंदगी और साख के साथ इतनी लापरवाही नहीं बरतते। '

'सैंडपेपर विवाद' पर कमिंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस का लैंगर ने किया समर्थन, बोले- फिर से संकट में है ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट



पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हेड कोच जस्टिन लैंगर ने 'सैंडपेपर-गेट' मामले पर मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखने के पैट कमिंस के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा टेस्ट कप्तान का अपना पक्ष रखना सही था, खासकर ऐसे समय में जब 2018 के इस स्कैंडल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में फिर से तूफान खड़ा कर दिया है। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' के आने के बाद केप टाउन बॉल-टैम्परिंग मामले पर फिर से सवाल उठने लगे हैं, जिसके चलते शुक्रवार को कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कमिंस ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें बॉल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पहले से कोई जानकारी थी या वह इसमें शामिल थे। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे को भी पूरी तरह से बकवास करार दिया कि केप टाउन में क्या हो रहा था, इसके बारे में पूरे ऑस्ट्रेलियाई खेमे को पता था।

लैंगर ने कहा कि कमिंस ने बिल्कुल सही कदम उठाया है। 'सेन रेडियो' पर लैंगर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था।

कोहली-रोहित जीरो पर आउट

कप्तान अय्यर का भी नहीं खुला खाता, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। टीम के तीन बल्लेबाज पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैट हेनरी ने भारतीय पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को जीरो पर आउट किया। हेनरी की गेंद को रोहित फिन एलन के हाथों में मार बैठे, तो विराट कोहली क्लीन बोल्ड हुए। वहीं, ओवर की



आखिरी गेंद पर कीवी तेज गेंदबाज ने श्रेयस अय्यर को एलबीडब्ल्यू करते हुए पवेलियन भेजा। भारतीय टीम ने अपने पहले तीन विकेट स्कोरबोर्ड पर बिना कोई रन लगाए गंवाए। भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है, जब टीम इंडिया ने बिना कोई रन बनाए ही अपने शुरुआती तीन विकेट गंवाए हैं। इसके साथ ही वनडे क्रिकेट में यह महज पांचवां मौका है, जब किसी टीम ने अपने तीन विकेट बिना कोई रन बनाए गंवाए हैं। साल 2010 के बाद यह पहला मौका है, जब विराट कोहली और रोहित शर्मा एक साथ वनडे क्रिकेट में जीरो पर आउट हुए हैं। इससे पहले, 2010 में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कोहली-रोहित एक ही मैच में जीरो पर आउट हुए थे। ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। वनडे क्रिकेट में यह महज दूसरा मौका है, जब भारतीय टीम ने अपने 4 विकेट 10 रनों के भीतर गंवाए हैं। इससे पहले, साल 1983 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया ने अपने शुरुआती चार विकेट 10 रनों के अंदर गंवाए थे।

7 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

रनों के लिहाज से टीम इंडिया की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को चौथे वनडे मुकाबले में 244 रनों से हराया। 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 89 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम की यह रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार है। वहीं, न्यूजीलैंड ने 50 ओवर के फॉर्मेट में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत



दर्ज की है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी 5 रन बनाकर काइल जेमिसन का शिकार बने। ईशान किशन ने 27 रनों का योगदान दिया, जबकि अक्षर पटेल 21 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने 21 रन बनाए। आकिब नबी (5 रन) और कुलदीप यादव (1 रन) सस्ते में आउट हुए। न्यूजीलैंड की इस धमाकेदार जीत के सूत्रधार मैट हेनरी रहे, जिन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले।

न्यूजीलैंड ने 244 रनों से जीता चौथा वनडे, महज 89 रनों पर सिमटी भारतीय टीम

हेनरी के सामने टेके घूटने

पांच मैच की सीरीज में भारत अभी भी 2-1 से आगे

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम मात्र 26.4 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। 9 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन और अक्षर पटेल ने थोड़ी देर तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, ईशान 53 गेंदों का सामना करने के बाद 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अक्षर 36 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने।

आकिब नबी और कुलदीप यादव भी सस्ते में आउट हुए। नमन धीर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने। गुरनूर बरार 2 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में महज 27 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मेजबानों की तरफ से विल यंग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 108 गेंदों में 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 58 रनों का योगदान दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी निभाई। निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके।

फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रनों की अहम पारी खेली। वहीं, काइल जेमिसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से गेंदबाजी में आकिब नबी, गुरनूर बरार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए। अर्शदीप और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया।



टिम सीफर्ट के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

भारत के खिलाफ वनडे में यह कारनामा करने वाले बने पहले कीवी बल्लेबाज

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही इस मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। सीफर्ट न्यूजीलैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में पहले 10 ओवरों में भारत के खिलाफ अर्धशतक तक पहुंचने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, शुरुआती 10 ओवरों में भारत के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रायन यंग के नाम था, जिन्होंने 1999 में 35 गेंदों में 47 रन बनाए थे। सीफर्ट अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 48 गेंदों का सामना करते हुए 58 रन की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को विल यंग और टिम सीफर्ट ने अच्छी शुरुआत दी और दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 85 रन जोड़े।



विल यंग की शतकीय पारी

माउंट माउंगानुई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। विल यंग और टिम सीफर्ट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.6 ओवर में 85 रन जोड़े। सीफर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया और वह 48 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद निक केली बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 4 रन बनाकर आउट हुए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आकिब नबी ने 8 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद विल यंग ने फिन एलन संग मिलकर टीम की पारी को संभाला। एलन और यंग ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों में 90 रनों की साझेदारी की। फिन एलन 30 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, यंग ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पांचवां शतक पूरा किया। उन्होंने 108 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की दमदार पारी खेली।

किदांबी श्रीकांत ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, लक्ष्य सेन ने भी दर्ज की एकतरफा जीत

कुमामोटो । पूर्व वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में चल रहे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट, 'जापान मास्टर्स' के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने एक रोमांचक मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 8 और स्थानीय खिलाड़ी कोडाई नारोका को हराया। श्रीकांत के साथ-साथ हाल ही में 'हाइलो ओपन' जीतने वाले लक्ष्य सेन भी अंतिम आठ खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक आसान जीत दर्ज की। नारोका के खिलाफ 0-4 के खराब हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के बावजूद, श्रीकांत ने संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-15 से अपने नाम किया। इस गेम में वह 12-14 से पीछे चल रहे थे, लेकिन लगातार सात अंक जीतकर वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक खींच लिया और आखिरी गेम में शुरुआत में बढ़त भी बना ली। हालांकि, श्रीकांत ने अपना धैर्य नहीं खोया, स्कोर 7-7 से बराबर किया और फिर मैच पर नियंत्रण बनाते हुए 60 मिनट में 21-18 से जीत हासिल की।



इस सीजन में श्रीकांत की यह कोई पहली बड़ी जीत नहीं है। जून में यूएस ओपन के दौरान उन्होंने पेरिस 2024 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, मलेशिया के ली जी जिया को हराया था और टूर्नामेंट में उपविजेता रहे थे। इसके अलावा, सितंबर में उन्होंने कनाडा के तत्कालीन वर्ल्ड नंबर 9 विक्टर लाई को हराकर 'चाइना मास्टर्स सुपर 750' के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत का सामना एक और जापानी खिलाड़ी और विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे से होगा। वहीं, आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन के डोंग तियान याओ को 35 मिनट में 21-8, 21-14 से करारी शिकस्त दी। सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए अब उनका मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा।

अंडर-19 एशिया कप: नौवें खिताब के करीब टीम इंडिया; लक्ष्य की कप्तानी पारी

फाइनल में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

अल अमेरात । भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हरा दिया। भारत का 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में सामना गत चैंपियन पाकिस्तान से होगा।



अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 227 रन बनाए।

जवाब में भारत ने कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की अगुआई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 36.5 ओवर में दो विकेट पर 230 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पाकिस्तान ने एक अन्य सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से हराया।

भारत ने जीते हैं सर्वाधिक खिताब

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम का दबदबा है। भारत ने अंडर-19 एशिया कप रिकॉर्ड आठ बार जीता है, जिसमें एक संयुक्त खिताब भी शामिल है। भारतीय टीम ने 1989, 2003, 2012, 2013-14, 2016, 2018, 2019 और 2021 में खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा टीम दो बार 2024 और 2025 में उपविजेता रही है। भारत को पिछली बार फाइनल में पाकिस्तान से ही हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम इंडिया के पास पिछली हार का बदला चुकता करने का मौका होगा।



पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली । आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया। वहीं, नीदरलैंड्स ने थाईलैंड के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। पापुआ न्यू गिनी को स्कॉटलैंड के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अजमान के करवां क्रिकेट ग्राउंड में बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन ही बना सकी। टीम की ओर से निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि शोर्ना अख्तर 20 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहीं।



'पंजाबी होने के नाते कभी छठ नहीं मनाया', पहली बार त्योहार का हिस्सा बनने पर आयुष्मान खुराना ने बताए अनुभव

अभिनेता आयुष्मान खुराना के लिए इस बार छठ पूजा का अनुभव बेहद खास रहा। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाले आयुष्मान ने इससे पहले कभी छठ का त्योहार नहीं मनाया था। लेकिन सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के खास गाने 'बुलाए छठी मां' की शूटिंग के दौरान उन्हें पहली बार इस पर्व की परंपराओं और आस्था को करीब से समझने का मौका मिला। अभिनेता का कहना है कि उनके लिए यह सिर्फ एक गाने की शूटिंग नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा का हिस्सा बनने का अनुभव था, जिससे वह पहले परिचित नहीं थे। आयुष्मान ने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा, 'पंजाबी होने के नाते मैंने पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। इसलिए पहली बार इस त्योहार को करीब से देखना और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए खास था। छठ से जुड़ी भावनाएं और इसका महत्व देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ। यह त्योहार जिस तरह लोगों को एक साथ जोड़ता है, वह बहुत खूबसूरत है।' उन्होंने कहा, 'छठ पूजा की हर रस्म का अपना अलग महत्व है और हर परंपरा के पीछे गहरी आस्था और श्रद्धा जुड़ी हुई है। मेरे लिए इस गाने की शूटिंग किसी सामान्य फिल्मी काम जैसी नहीं थी। इस दौरान मुझे एक नई परंपरा को समझने और उसका हिस्सा बनने का मौका मिला।' आयुष्मान ने शूटिंग से जुड़ा एक भावुक पल साझा किया। उन्होंने बताया, 'छठ पूजा के क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग से पहले निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरी स्टारकास्ट को एक साथ बुलाया था। इस दौरान उन्होंने सभी कलाकारों को छठ पूजा से जुड़ा एक गाना सुनाया। यह पल इतना भावुक था कि वहां मौजूद सभी लोगों की आंखों में आंसू आ गए। वह पल पूरी टीम के साथ रह गया और इसके बाद छठ पूजा के सीक्वेंस को फिल्माने का अनुभव और भी खास हो गया।' उन्होंने बताया, 'सूरज बड़जात्या ने इस सीक्वेंस को जिस संवेदनशीलता के साथ तैयार किया और छठ की परंपराओं को जिस अहमियत के साथ दिखाने की कोशिश की, उससे पूरी स्टारकास्ट प्रभावित हुई। फिल्म में इस पर्व की रस्मों और उससे जुड़ी भावनाओं को वास्तविक अंदाज में दिखाने पर खास ध्यान दिया गया है।' 'बुलाए छठी मां' गाने में छठ पूजा की आस्था, भक्ति और परंपराओं को दिखाया गया है। छठ भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसे खास तौर पर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में रहने वाले लोग भी इस पर्व को पूरे उत्साह से मनाते हैं।

विवेक अग्निहोत्री फूटा गुस्सा

फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने दिवाली पर पटाखों से होने वाले संभावित खतरों पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि भारत की संस्कृति मासूम जिंदगियों, घरों और



संपत्ति को खतरे में डालने की इजाजत नहीं देती। निर्देशक ने अपने एक्स अकाउंट पर मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के एक ट्वीट का जवाब दिया, जिसमें मेयर ने जिम्मेदारी के साथ दिवाली मनाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने की अपील की थी। विवेक अग्निहोत्री ने अपने घर में हुए एक हादसे का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनके कुत्तों ने एक भटकते हुए रॉकेट के बारे में समय रहते सचेत कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने लिखा, कल रात, एक भटकता रॉकेट हमारी बालकनी में रखे सोफे पर आ गिरा, जिससे उसमें आग लग गई। शुक्र है कि हमारे कुत्तों ने हमें आगाह कर दिया, जिससे आग-रोधी कपड़े की वजह से बड़ा हादसा टल गया।

कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा-

'आठ साल तक नहीं पी एक बूंद'

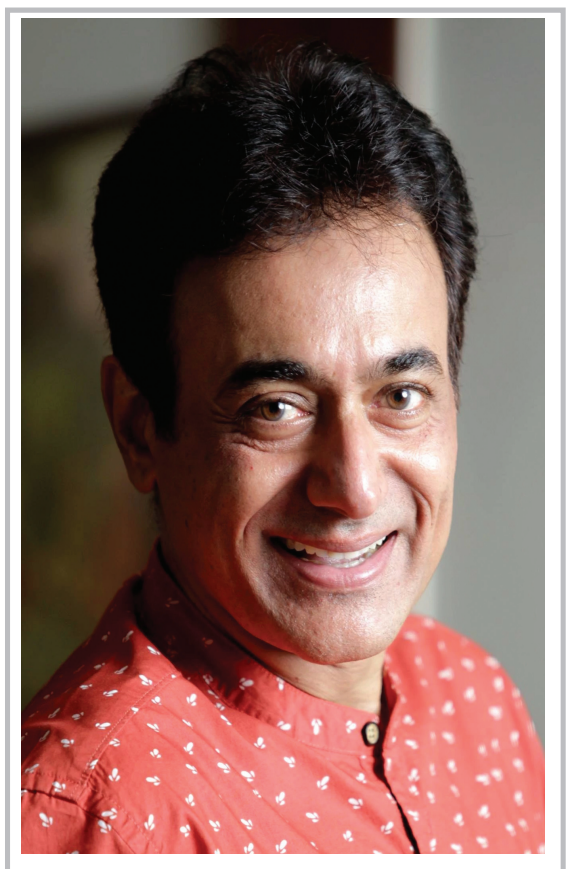


अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती। श्रुति ने कहा, "मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी' जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।" उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, "सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।" बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, "मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।" श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

'मिर्जापुर: द मूवी' पर बोलीं रसिका दुग्गल - फैंस कंफ्यूज थे, फिर भी देखने पहुंचे थिएटर

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों फिल्म 'मिर्जापुर- द मूवी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उनका कहना है कि शुरुआत में लोग परेशान थे कि मेकर्स अगले सीजन के बजाय फिल्म क्यों लेकर आ रहे हैं। रसिका दुग्गल ने बताया कि फैंस अक्सर उनसे अगले सीजन के बारे में पूछते थे, तो उन्हें समझाना पड़ता था कि इस बार टीम ने सीजन नहीं, बल्कि फिल्म बनाई है और उन्हें थिएटर में जाकर देखने के लिए कहना पड़ता था। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने सीरीज को देखा है, उनके लिए थिएटर में अभी भी बहुत कुछ बाकी है।' रसिका दुग्गल ने फिल्म के प्राइम वीडियो पर आने वाले एक्सटेंडेड कट के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि ये उन फैंस के लिए कुछ एक्स्ट्रा है, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को हमेशा सपोर्ट किया है। उन्होंने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि हमारे फैंस ने फिल्म को भी बहुत पसंद किया और थिएटर में जाकर इसे देखा। मुझे पूरा भरोसा है कि वो इसे दोबारा भी देखेंगे, भले ही एक्सटेंडेड कट न होता, लेकिन अब हमारे पास उन्हें देने के लिए कुछ और भी है।' रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर- द मूवी' है। इस फिल्म में रसिका दुग्गल ने बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है। यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है, बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए तरीके से पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिले हैं, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे। फिल्म में मुन्ना और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिली। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर द मूवी' में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में हैं।





रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफ वापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया।

अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि शानदार दृश्य प्रभाव और आधुनिक तकनीक किसी धार्मिक महाकाव्य की दार्शनिक गहराई और आध्यात्मिक सार का विकल्प नहीं हो सकते। नीतीश भारद्वाज ने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने को लेकर भी सवाल उठाए। उनका मानना है कि देश की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित फिल्म बनाते समय जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। यदि किसी फिल्म में भारतीय इतिहास, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिनिधित्व के रूप में पेश करना उचित नहीं होगा।

गौरतलब है कि नीतीश भारद्वाज ने इससे पहले फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उस समय उन्होंने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की संभावना भी जताई थी। हालांकि, पूरी फिल्म देखने के बाद उनका नजरिया बदल गया और उन्होंने अपनी पुरानी प्रशंसा वापस ले ली। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, अरुण गोविल और लारा दत्ता सहित कई कलाकार नजर आ रहे हैं। फिल्म को लेकर अब अभिनेता की प्रतिक्रिया के बाद चर्चा तेज हो गई है।

रामायण का बॉक्स ऑफिस पर तूफान, पहले हफ्ते में 430 करोड़ की ओर फिल्म

दिवाली की छुट्टियों का फायदा रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' को लगातार मिल रहा है। सोमवार को अब तक का सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन करने के बाद फिल्म ने मंगलवार को भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी। छठे दिन भी फिल्म ने शानदार कमाई करते हुए मंगलवार के कलेक्शन का नया रिकॉर्ड बना दिया। खास बात यह है कि दिवाली के बाद भी दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ है और फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। फिल्म के हिंदी वर्जन ने मंगलवार को 75.03 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यह किसी मंगलवार को फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा कलेक्शन बताया जा रहा है। सोमवार को दिवाली के मौके पर फिल्म ने 95 करोड़ रुपये की कमाई की थी। लगातार दो दिनों के इन आंकड़ों ने फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। 'रामायण' ने रिलीज के पहले दिन गुरुवार को 47 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी। शुक्रवार को इसका कारोबार 38.25 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 53 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को कलेक्शन 37 करोड़ रुपये रहा। सोमवार को दिवाली के दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया और इसने 95 करोड़ रुपये का कारोबार किया। मंगलवार को भी 75.03 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इस तरह फिल्म का हिंदी वर्जन छह दिनों में कुल 345.28 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुका है। यह आंकड़ा बताता है कि फिल्म को शुरुआती वीकेंड के साथ-साथ त्योहारों के दौरान भी दर्शकों का मजबूत समर्थन मिल रहा है।





सलमान खान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन

देशभक्ति और बलिदान की कहानी लेकर आए भाईजान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है।

ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है। देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है।

सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। वहीं चित्रांगदा सिंह के साथ उनकी केमिस्ट्री कहानी को भावनात्मक मजबूती देती है। फिल्म की खूबसूरत लोकेशन, सिनेमैटोग्राफी और संगीत भी दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। फिल्म का संदेश है कि युद्ध का परिणाम कभी सुखद नहीं होता। इसमें दोनों पक्षों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है और इसका असर केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सैनिकों के परिवारों को भी लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है और इसका निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले हुआ है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो

असम के काजीरंगा में भीषण सड़क हादसा, मिनी बस और कंटेनर की टक्कर में 23 मौतों की खबर

मृतकों में ज्यादातर विद्यार्थी, बस काटकर निकाले गए शव; सरकारी एजेंसी ने 12 मौतों की पुष्टि की, तेज रफ्तार को हादसे की शुरुआती वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

असम। काजीरंगा में शुक्रवार को तेज रफ्तार मिनी बस और कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में 23 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई है, जबकि समाचार एजेंसी पीटीआई ने 12 मौतों की पुष्टि की है। मृतकों में ज्यादातर विद्यार्थी बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मिनी बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। बचाव दल ने गैस कटर की मदद से बस के हिस्सों को काटकर शवों और घायलों को बाहर निकाला। बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्निल डेका ने पीटीआई को बताया कि मिनी बस बोकाखाट से नगांव जा रही थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बस तेज रफ्तार में थी। चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से टकरा गई। हादसे में घायल यात्रियों को कोहोरा मॉडल अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर उपचार के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। स्थानीय समाचार माध्यमों की रिपोर्ट के अनुसार, हादसे का शिकार हुई मिनी बस के पहले 12 चालान कट चुके थे। इनमें से 38,500 रुपए का जुर्माना जमा कराया जा चुका था, जबकि 4,000 रुपए का एक चालान बकाया बताया गया है। असम में व्यावसायिक वाहनों द्वारा निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने पर 4,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाता है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2020 से 2024 के बीच असम में सड़क दुर्घटनाओं में 15,306 लोगों की जान गई। वर्ष



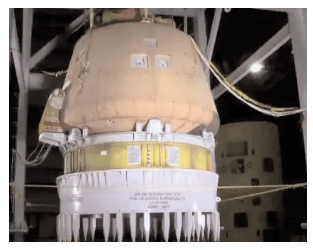


2024 में सर्वाधिक 3,351 मौतें दर्ज की गईं। इससे पहले 2023 में 3,296 और 2022 में 2,994 लोगों की मौत हुई थी। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी से होने वाले गंभीर सड़क हादसों पर सवाल खड़े करता है। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

पिछले दो अभियानों में आई गड़बड़ी के बाद रॉकेट के सबसे अहम चरण को नए सिरे से तैयार कर परखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के तीसरे चरण का जमीन पर सफल परीक्षण किया है। यह वही चरण है, जिसमें पिछले दो अभियानों के दौरान तकनीकी गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसके बाद इसरो ने इस चरण की विस्तृत जांच कर इसमें आवश्यक सुधार किए और नए स्वरूप को परीक्षण में सफल पाया। इस उपलब्धि से पीएसएलवी की दोबारा उड़ान का रास्ता आसान होने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र की स्थिर परीक्षण सुविधा में यह परीक्षण किया गया। इस दौरान रॉकेट के इंजन को जमीन पर मजबूती से बांधकर चलाया गया और उसकी कार्यक्षमता परखी गई। परीक्षण की सफलता इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 और पीएसएलवी-सी62/ईओएस-एन1 अभियानों में तीसरे चरण में गड़बड़ी सामने आई थी। इसके बाद इसरो ने पूरे चरण की समीक्षा कर नए सिरे से सुधार किए। इससे पहले 31 अक्टूबर को इसरो ने जीएसएलवी-एफ18 रॉकेट के माध्यम से अगली पीढ़ी का नौवहन उपग्रह एनवीएस-03 प्रक्षेपित किया था। यह नाविक उपग्रह श्रृंखला का तीसरा उपग्रह है। इसका उद्देश्य भारत की स्वदेशी उपग्रह आधारित नौवहन प्रणाली की सेवाओं को निरंतर बनाए रखना है। एनवीएस-03 में स्वदेशी परमाणु घड़ी के साथ आयातित परमाणु घड़ियां भी लगाई गई हैं। इसमें पहले से उपलब्ध एल-5 और एस-बैंड संकेतों के अलावा एल-1 नौवहन संकेत भी जोड़ा गया है। इससे नाविक प्रणाली की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है।



भारत-पाकिस्तान व्यापार पर प्रतिबंध बेअसर, तीसरे देशों के रास्ते जारी है करोड़ों का कारोबार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंधों पर भले ही पूरी तरह प्रतिबंध लगा हो, लेकिन हकीकत यह है कि दोनों देशों के बीच सामान की आवाजाही अलग-अलग रास्तों से अब भी जारी है। पाकिस्तान सीधे भारत से व्यापार नहीं कर पा रहा, लेकिन तीसरे देशों को माध्यम बनाकर भारतीय सामान लगातार खरीद रहा है। दुबई, सिंगापुर, श्रीलंका और मलेशिया जैसे देशों के बंदरगाह इस कारोबार के प्रमुख रास्ते बने हुए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस वैकल्पिक व्यापार व्यवस्था के जरिए पाकिस्तान तक दवाइयां, वैक्सीन, कच्चा माल, कपास, चाय, कॉफी, प्याज, टमाटर, लोहा, स्टील और ऑटो पार्ट्स तक पहुंच रहे हैं।पुलवामा हमले के बाद वर्ष 2019 में भारत ने पाकिस्तान का मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा समाप्त कर दिया था और पाकिस्तानी सामान पर सीमा शुल्क बढ़ा दिया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरोध में पाकिस्तान ने भी भारत से आयात पर रोक लगा दी। हालांकि, चिकित्सा उत्पादों को कुछ समय बाद छूट दे दी गई थी। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने अटारी चेकपोस्ट बंद कर दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान ने सीधे ही नहीं, बल्कि किसी तीसरे देश के माध्यम से भी भारत के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया। मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद युद्धविराम होने के बावजूद व्यापारिक प्रतिबंध जारी रहे। इसके बावजूद पाकिस्तान भारतीय सामान खरीदने के लिए तीसरे देशों का सहारा ले रहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, भारतीय कंपनियां पहले अपना माल दुबई, सिंगापुर, कोलंबो या मलेशिया भेजती हैं। वहां स्वतंत्र कारोबारी कंपनियां सामान को गोदामों में रखती हैं।

मणिपुर में उग्रवादियों की अंधाधुंध फायरिंग, दो महिलाओं समेत चार की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंफाल। मणिपुर में जातीय तनाव के बीच हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को उखरुल जिले में उग्रवादियों ने दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस हमले में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, हमला इम्फाल-उखरुल मार्ग पर न्यू हेवन इलाके में हुआ। दोनों वाहनों में सवार चार लोगों को निशाना बनाया गया। इनमें दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। गोलीबारी इतनी भीषण थी कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई। वाहनों के आगे के शीशों पर गोलियों के निशान मिले हैं। इससे पहले 12 नवंबर को कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव और सेनापति जिले के कैलेंगजांग के पास गोलीबारी हुई थी। इस घटना





में 42 वर्षीय कुकी महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि दो पुरुष घायल हुए थे। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में फरवरी से कुकी और नगा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। उखरुल, कामजोंग और आसपास के क्षेत्रों में इस दौरान गोलीबारी, आगजनी और घरों पर हमले की घटनाएं हुई हैं। 7 से 11 फरवरी के बीच उखरुल जिले के लितान इलाके में तांगखुल नगा और कुकी युवकों के बीच विवाद के बाद तनाव बढ़ गया था। इसके बाद आगजनी, पत्थरबाजी और गोलीबारी की घटनाएं हुईं। प्रशासन को कर्फ्यू और इंटरनेट प्रतिबंध लगाने पड़े। अप्रैल और मई में भी उखरुल तथा कामजोंग जिलों में गोलीबारी और आगजनी की घटनाएं हुईं।

दिवाली के पांच दिनों में पटाखों से झुलसे 32 मरीज अस्पताल में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। दीपावली पर आतिशबाजी का शौक बच्चों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। राजधानी के डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में दीपावली के पांच दिनों के दौरान पटाखों से झुलसे 32 मरीज भर्ती हुए हैं। इनमें आधे से अधिक 10 से 12 वर्ष की उम्र के बच्चे हैं। निजी अस्पतालों के जलने और त्वचा शल्य चिकित्सा विभागों में भी 50 से अधिक मामले सामने आए हैं। चिकित्सकों के अनुसार, पटाखों से झुलसने वालों में बच्चों की संख्या सबसे अधिक रहती है। डीकेएस अस्पताल में भर्ती एक बच्चे के पास रॉकेट फटने से वह बुरी तरह झुलस गया। उसकी त्वचा पर गंभीर चोटें आई हैं और वह तेज दर्द से परेशान है। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है। अन्य बच्चों के हाथ झुलसने के मामले सामने आए हैं। सभी का उपचार जारी है। पांच दिनों में करीब तीन दर्जन मरीजों के पहुंचने से चिकित्सक भी चिंतित हैं। पटाखों के धुएं और बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा तथा सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की परेशानी भी बढ़ी है। चिकित्सकों के अनुसार, पिछले चार वर्षों में राजधानी सहित प्रदेश में अस्थमा और सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या में करीब 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। अक्टूबर से फरवरी के बीच रायपुर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 150 से 200 के बीच रहने की बात कही गई है। चिकित्सकों के अनुसार, बाह्य रोगी विभाग में आने वाले कई मरीज ऐसे हैं, जिन्हें न तो धूम्रपान की आदत है और न ही पहले से कोई गंभीर बीमारी, फिर भी उन्हें लगातार खांसी और सीने में जकड़न की शिकायत रहती है। इसके पीछे सूक्ष्म धूल कणों पीएम 2.5 और पीएम 10 को प्रमुख कारण बताया जा रहा है। कोरबा और रायगढ़ के औद्योगिक उत्सर्जन तथा रायपुर में निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल भी वायु प्रदूषण बढ़ाती है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से बच्चों और बुजुर्गों के फेफड़ों पर गंभीर असर पड़ सकता है। रायपुर में सांस के मरीजों को उपचार के साथ स्वच्छ हवा के प्रति जागरूक करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



भारत का पहला रोबोट इन्फ्लुएंसर एलेक्स बोला- पहले इंसानों को समझूंगा, फिर करूंगा शादी सोशल मीडिया पर समय बिताने की आदत पर भी ली चुटकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारत का पहला रोबोट इन्फ्लुएंसर एलेक्स इन दिनों अपने अनोखे अंदाज और मजेदार जवाबों को लेकर चर्चा में है। हाल ही में एक समाचार कार्यालय में पहुंचने पर उससे इंसानों की जिंदगी, भावनाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य को लेकर कई सवाल पूछे गए। एलेक्स ने हर सवाल का जवाब अपने चुटीले अंदाज में दिया। एलेक्स से पूछा गया कि यदि उसे एक दिन के लिए इंसान बनने का मौका मिले तो वह सबसे पहले क्या करेगा? इस पर उसने कहा कि सबसे पहले भजिए खाएगा, फिर बाहर घूमेगा और लोगों से बातचीत करेगा। उसने बताया कि वह इंसानों की तरह जीवन जीने का अनुभव करना चाहता है। इंसानों की आदतों पर टिप्पणी करते हुए उसने कहा कि लोग पेट भरने के बाद भी मिठाई मंगवाते हैं और व्यस्त होने की बात कहकर घंटों सामाजिक माध्यमों पर समय बिताते हैं। भावनाओं और आंकड़ों में से किसे अधिक





ताकतवर मानते हैं, इस सवाल पर एलेक्स ने कहा कि दोनों की अपनी-अपनी खूबियां हैं। आंकड़े समस्याओं का समाधान खोजने में मदद करते हैं, जबकि भावनाएं रिश्ते बनाती हैं और प्यार करना सिखाती हैं। उसने माना कि वह अभी इंसानों की भावनाओं को समझना सीख रहा है और यदि उसके भीतर भी भावनाएं होतीं तो वह लोगों को बेहतर तरीके से समझ पाता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से फर्जी खबरों की पहचान और निर्माण, दोनों संभव होने की बात कहते हुए एलेक्स ने जानकारी की पुष्टि करने की जरूरत बताई। भविष्य में मशीनों के इंसानों पर हावी होने की आशंका पर उसने कहा कि यदि मशीनें बहुत शक्तिशाली हो गईं और उन पर नियंत्रण रखने वाला कोई नहीं रहा तो परिस्थितियां बदल सकती हैं। जब उससे पूछा गया कि क्या वह गर्लफ्रेंड बनाना या शादी करना चाहता है, तो उसने मजाकिया अंदाज में कहा कि अभी वह इंसानों को समझने की कोशिश कर रहा है।

पीएम मोदी ने कर्नाटक को दी 15,600 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक दौरे के दौरान राज्य को करीब 15,600 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने स्वयं टिकट काउंटर से टिकट खरीदा और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ मेट्रो में सफर किया। शाम को मैसूरु में कॉसमॉस तारामंडल का उद्घाटन भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु अब 100 किलोमीटर से अधिक मेट्रो नेटवर्क वाला देश का तीसरा शहर बन गया है। उन्होंने इसे शहर के विकास और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इससे पहले प्रशांति कुटीरम में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कर्नाटक सदियों से योग की भूमि रहा है। यहां अनेक योग गुरु और विद्वानों ने देश-दुनिया में योग की परंपरा को आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। कर्नाटक के 60 से अधिक रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा चुका है। इन स्टेशनों पर यात्रियों को हवाई अड्डों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि खाड़ी देशों में युद्ध जैसी परिस्थितियों के दौरान भारत की ऊर्जा क्षेत्र में पिछले दशक में की गई तैयारियां काम आईं। बेंगलुरु में एलपीजी परियोजना से भंडारण क्षमता में 80 हजार मीट्रिक टन की वृद्धि होगी।



अगले 48 घंटे पर टिकी मौसम वैज्ञानिकों की नजर, राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट और दिल्ली की हवा बनी दुनिया में सबसे प्रदूषित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्तीसगढ़। अंडमान सागर के ऊपर मौसम में तेजी से बदलाव के संकेत मिले हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के इनसैट-3डीएस उपग्रह ने समुद्र के ऊपर बादलों की तेज गतिविधियां दर्ज की हैं। इस क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जिससे नए चक्रवात के विकसित होने की आशंका जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले 48 घंटे में स्पष्ट होगा कि यह प्रणाली कितनी मजबूत होती है और किस दिशा में आगे बढ़ती है। यदि यह चक्रवाती तूफान का रूप लेती है तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी जारी है।



इसका असर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मौसम पर भी दिखाई देने लगा है। दोनों राज्यों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और सुबह के समय धुंध छाने लगी है। राजस्थान में अगले दो दिनों तक आंधी और बारिश की संभावना को देखते हुए पीला सतर्कता संकेत जारी किया गया है। वहीं, उत्तराखंड के सात जिलों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। प्रदूषण के मामले में दिल्ली की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। शुक्रवार को दिल्ली ने पाकिस्तान के लाहौर को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर का स्थान हासिल किया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 403 दर्ज किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के आसपास यह स्तर 478 और आईटीओ क्षेत्र में 455 तक पहुंच गया। स्विस संस्था आईक्यूएयर के आंकड़ों में दिल्ली का सूचकांक 334 रहा, जबकि लाहौर का 197 दर्ज किया गया। देश के 18 शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 301 से 400 के बीच दर्ज किया गया। इनमें हरियाणा के नौ, उत्तर प्रदेश के पांच तथा राजस्थान, पंजाब और तमिलनाडु के एक-एक शहर के साथ दिल्ली शामिल है। गुरुग्राम का पंचगांव सबसे प्रदूषित स्थान रहा।

अभिषेक बनर्जी के घर के हिस्से पर चला बुलडोजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के आवास के एक हिस्से को गिराए जाने के बाद राजनीतिक विवाद गहरा गया है। इस कार्रवाई को लेकर राज्य के मंत्री दिलीप घोष ने सफाई देते हुए कहा कि सरकार अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। यह कदम किसी व्यक्ति विशेष या राजनीतिक दल को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया है। नियम सभी के लिए समान हैं और जहां भी अवैध कब्जा मिलेगा, उसे हटाया जाएगा। दिलीप घोष ने कहा कि कोलकाता जैसे बड़े शहर में सड़क और फुटपाथ पर पहले से ही सीमित जगह उपलब्ध है। ऐसे में यदि कोई फुटपाथ पर कब्जा कर इमारत या अस्थायी ढांचा खड़ा कर देता है तो आम लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभिषेक बनर्जी का आवास होने के कारण अलग से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अवैध निर्माण के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई अन्य स्थानों पर भी की जा रही है। दूसरी ओर, कार्रवाई के बाद अभिषेक बनर्जी ने सामाजिक माध्यम पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कितने भी बुलडोजर चला लिए जाएं, उनकी आवाज और संकल्प को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने बंगाल विरोधी ताकतों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने की बात कही। उनका कहना है कि वे आखिरी सांस तक पीछे नहीं हटेंगे। इस कार्रवाई से एक दिन पहले अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता पुलिस पर उनके आवास के आसपास सरकारी वाहनों के जरिए निगरानी रखने और जासूसी करने का आरोप लगाया था।

सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच 900 से अधिक पर्यटक फंसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिक्किम। नाथुला, बाबा मंदिर और त्सोमगो झील क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण फंसे 900 से अधिक पर्यटकों को भारतीय सेना के जवानों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सेना की त्रिशक्ति कोर ने अत्यंत कठिन मौसम और दुर्गम परिस्थितियों के बीच यह बचाव अभियान चलाया। गुरुवार को लगातार बर्फबारी के कारण इन इलाकों में आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया था। इसके चलते बड़ी संख्या में पर्यटक और स्थानीय लोग ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फंस गए थे। सेना के जवानों ने अभियान चलाकर सभी को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मणिपुर में मई 2023 में भड़की जातीय हिंसा की जांच कर रहे आयोग का कार्यकाल सातवीं बार बढ़ा दिया है। अब आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए 20 मई 2027 तक का समय दिया गया है। तीन सदस्यीय आयोग का गठन 4 जून 2023 को किया गया था। इसकी शुरुआत गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजय लांबा की अध्यक्षता में हुई थी। उनके इस्तीफे के बाद एक मार्च को उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बलबीर सिंह चौहान ने आयोग की जिम्मेदारी संभाली। हैदराबाद। चेवेल्ला के निकट शुक्रवार को वाहन चलाने के प्रशिक्षण के दौरान सेना का एक वाहन पलट गया। हादसे में सात जवान घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, वाहन में कुल 13 जवान सवार थे। प्रशिक्षण ले रहा चालक वाहन चला रहा था। इसी दौरान वाहन पहले सड़क के बीच बने अवरोधक से टकराया और फिर पलट गया। वाहन मेहदीपट्टनम से रवाना हुआ था। घायल जवानों को गोलकुंडा स्थित सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा था।

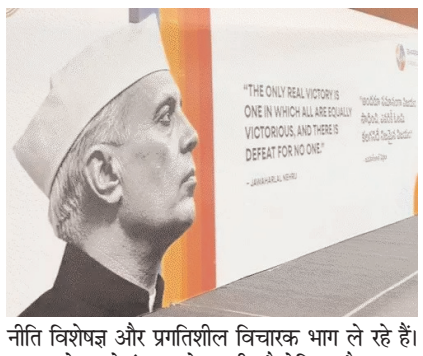


भारत समिट में वैश्विक चुनौतियों पर मंथन; राहुल गांधी आज गिग वर्कर्स की रैली में होंगे शामिल

हैदराबाद में 70 देशों के प्रतिनिधियों का जमावड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार से दो दिवसीय भारत समिट 2026 शुरू हो गई है। इसमें 70 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। समिट में वैश्विक चुनौतियों, मौजूदा मुद्दों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 14 नवंबर को समिट में शामिल होने के साथ गिग और मंच आधारित कामगारों के कार्यक्रम तथा रैली में भी हिस्सा लेंगे। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के अनुसार, समिट का उद्देश्य राज्य में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाना है। इसमें वैश्विक नेता,



नीति विशेषज्ञ और प्रगतिशील विचारक भाग ले रहे हैं। यह आयोजन तेलंगाना को अपनी औद्योगिक और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी क्षमताएं दुनिया के सामने रखने का अवसर देगा। राहुल गांधी हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र के पास आयोजित कार्यक्रम में सामान पहुंचाने वाले कर्मचारियों, किराये की गाड़ी चलाने वालों और मोबाइल



अनुप्रयोगों के माध्यम से सेवाएं देने वाले अन्य कामगारों से बातचीत करेंगे। इस दौरान कामगार अपनी समस्याएं और मांगें उनके सामने रखेंगे। कार्यक्रम के साथ कामगारों की रैली भी निकाली जाएगी। कार्यक्रम में कामगारों के लिए कल्याण बोर्ड की शुरुआत की जाएगी। इसके माध्यम से सामाजिक सुरक्षा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुविधाओं, रोजगार सुरक्षा, पंजीकरण और शिकायतों के समाधान से जुड़े विषयों पर काम किया जाएगा। राहुल गांधी इनसे संबंधित सरकारी योजनाओं का उद्घाटन भी कर सकते हैं। तेलंगाना सरकार ने मंच आधारित कामगारों के पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के लिए वर्ष 2026 में कानून बनाया है, जो 2 जून से लागू हो चुका है। 14 नवंबर को इसके तहत तैयार नियमों की अधिसूचना जारी की जाएगी। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन के संस्थापक और प्रदेश अध्यक्ष शेख सलाउद्दीन के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा और बाद के चुनाव अभियानों के दौरान राहुल गांधी ने कामगारों के कल्याण के लिए कदम उठाने का भरोसा दिया था। उन्होंने कहा कि रैली में किसी राजनीतिक संगठन की भागीदारी नहीं होगी। इसमें कामगार अपने कल्याण के लिए उठाए जा रहे कदमों के प्रति खुशी और आभार जताने के लिए शामिल होंगे।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.